राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

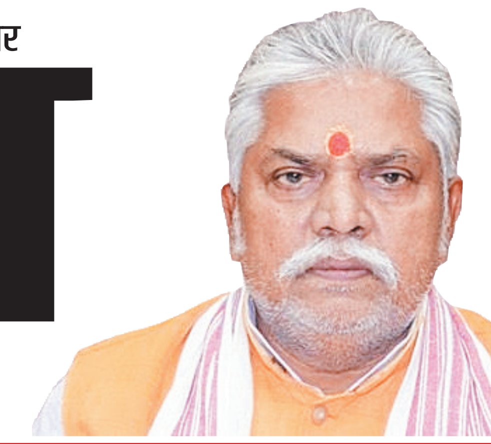

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 गरीबों को आवास बनाने के साथ मेंटेनेंस के...

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा प्रजापिता... 09

वर्ष : 14 | अंक : 132 | पटना, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

2026-27 में पूरे किए गए 2 लाख 35 हजार आवासों के गृह प्रवेश, लाभुकों के बीच आवास की चाबी एवं नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण

बिहार के लिए 29,164 करोड़ रुपए की लागत से 24.3 लाख से अधिक घरों को मंजूरी : शिवराज

■ **मंत्री बोलें-** सरकार केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लाभार्थियों तक विकास पहुंचाने का भी कर रही पूरा प्रयास

प्रात : किरण

पटना। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को राज्य की राजधानी में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यक्रम में बिहार में गरीब परिवारों के लिए 13,427 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ 11,18,937 पक्के मकानों की मंजूरी की घोषणा की। पिछले दो वर्षों में हुई प्रगति का जायजा लेते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिहार के लिए 24,30,327 घरों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिन पर कुल 29,164 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े दर्शाते हैं कि सरकार केवल घोषणाएं नहीं कर रही है, बल्कि जमीनी स्तर पर लाभार्थियों तक विकास पहुंचाने का भी पूरा प्रयास कर रही है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को धनराशि अधिक पारदर्शिता के साथ हस्तांतरित की जा रही है। चौहान ने बिहार में लागू होने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को बाढ़, सूखा, अत्यधिक वर्षा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान से सुरक्षा प्रदान करेगी। फसल क्षति होने की स्थिति में पात्र किसानों को मुआवजा मिलेगा, जिससे खेती से जुड़ी अनिश्चितता कम होगी। उन्होंने कहा कि फसल बीमा के साथ-साथ खरीद, सहायता प्रणाली और प्रौद्योगिकी तक पहुंच को भी मजबूत किया जा रहा है। चौहान ने जोर देते हुए कहा, यदि किसान मजबूत होगा तो गांव मजबूत होगा। और यदि गांव मजबूत होगा, तो बिहार मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि कृषि नीतियों से जमीनी स्तर पर ठोस लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने किसानों से अपने अधिकारों को समझने और फसल बीमा योजना के तहत उपलब्ध लाभों का समय पर उपयोग करने का आग्रह किया। चौहान ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में लाखों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रगति कर रही हैं और उनमें से बड़ी संख्या में महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने लखपति दीदी पहल को ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि महिला समूहों द्वारा उत्पादन बढ़ाना तब तक पर्याप्त नहीं होगा जब तक उनके उत्पादों को बाजारों तक पहुंच न मिले। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में महिला बाजार स्थापित करने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे जीविका दीदी और महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए मंच उपलब्ध हो सके। केंद्रीय मंत्री ने किसान पहचान पत्र बनाने में बिहार की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में अब तक 53,83,000 किसान पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसान पहचान पत्र से पात्र किसानों तक सरकारी योजनाओं को सीधे और शीघ्रता से पहुंचाना आसान हो जाएगा, साथ ही पारदर्शिता में सुधार होगा और लाभार्थियों की पहचान सरल हो जाएगी।

सभी जरूरतमंद लोगों तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए : सम्राट

■ बोलें- सभी परिवारों का अपना पक्का मकान होगा, तभी भारत विश्व में अग्रणी एवं विकसित बनेगा और बिहार समृद्ध होगा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण किए गए 2 लाख 35 हजार आवासों के गृह प्रवेश, लाभुकों के बीच आवास की चाबी एवं नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण तथा केंद्र सरकार द्वारा बिहार को आवंटित नए लक्ष्य से संबंधित कार्यक्रम में शामिल हुये। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र परिसर स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पौधों में जल अर्पित कर विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की उपलब्धियों, प्रगति एवं प्रमुख पहलों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभुकों को आवास की चाबी एवं नए चयनित लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिहार के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। राज्य के गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने का यह कार्यक्रम बिहार को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि इंदिरा आवास योजना के तहत वर्ष 1986 से 2014 तक बिहार में मात्र 30 लाख पक्के मकान गरीब परिवारों के लिए बनाए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से 2026 तक बिहार के गरीब परिवारों के लिए 50 लाख पक्के मकान बनाने का अलॉटमेंट किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 के सर्वे में चिन्हित 19 लाख परिवार पक्के मकान से वंचित रह गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सहयोग से इन परिवारों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लाभ मिला है। योजना के तहत बनने वाले पक्के मकान में 40 प्रतिशत धनराशि बिहार सरकार द्वारा दी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वर्ष 2026-27 के लिए बिहार को 11 लाख 18 हजार 937 पक्के मकान बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से बिहार को 13,427 करोड़ रुपए की सहायता मिलेगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिन परिवारों को आज आवास की चाबी प्रदान की गई है, उनके सिर पर छत होने से उनके सपनों को नई ऊंचाई मिलेगी। अपना घर सुरक्षा और सम्मान देने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। सभी जरूरतमंद लोगों तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए। सभी परिवारों का अपना पक्का मकान हो, तभी भारत विश्व में अग्रणी एवं विकसित बनेगा और बिहार समृद्ध होगा।

30 लाख से अधिक दीदियां बन चुकी हैं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में स्वयं सहायता समूहों से 1 करोड़ 81 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं, जिनमें 30 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं।

सहयोग कार्यक्रम' के तहत 30 दिनों के अंदर हर हाल में आवेदन का निष्पादनः मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सहयोग कार्यक्रम' के तहत 30 दिनों के अंदर हर हाल में आवेदन का निष्पादन सुनिश्चित किया गया है। ऐसा नहीं करने वाले दोषी पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है। अब तक 9,500 पदाधिकारियों को प्रथम नोटिस, 950 पदाधिकारियों को द्वितीय नोटिस तथा 350 पदाधिकारियों को तृतीय नोटिस जारी किया गया है।

ये रहे मौजूदः-कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, समाज कल्याण मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारी, लाभुक एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

1984 दंगों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। वे दिल्ली के तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। 1984 सिख विरोधी दंगा केस में दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से 14 दिसंबर 2018 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट की ओर से उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया था। सज्जन कुमार को 27 अप्रैल 2022 को दंगों से संबंधित एक केस में जमानत मिली थी लेकिन दूसरे मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण वे जेल में ही बंद रहे। वे सात वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद थे। इस वर्ष अप्रैल के महीने में उन्होंने अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मांगी थी लेकिन न्यायालय की ओर से उनको जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत की ओर से बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले, 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी।

26/11 केस में हाफिज सईद समेत 6 पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ चलेगा ट्रायल?

जलगांव। महाराष्ट्र के 26/11 हमला मामले में पाकिस्तान में मौजूद 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई आगे बढ़ने को लेकर सांसद उज्ज्वल निकम की प्रतिक्रिया सामने आई है। उज्ज्वल निकम ने कहा कि देश में पहली बार पाकिस्तान में मौजूद 6 आतंकियों के खिलाफ ट्रायल चलाने की कानून के माध्यम से जो सहूलियत मिली है, उसका श्रेय गृह मंत्री अमित शाह को जाता है। मेरा मानना है कि भारत सरकार ने अच्छा काम किया है। उज्ज्वल निकम ने कहा कि पाकिस्तान के छह आतंकवादियों के खिलाफ हमारी ओर से कोर्ट में दरखास्त की गई है कि जो हमारा नया कानून आया है, उसके अनुसार इन छह पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ कोर्ट में सबूत पेश करने की इजाजत मिले। हमारी दरखास्त पर कोर्ट की ओर से प्रोक्लेमेशन ऑर्डर जारी किया गया है। हम चाहते हैं कि यह भारत और पाकिस्तान में पब्लिश हो। उसके सबूत कोर्ट को हम देंगे। हाफिज मुहम्मद सईद, जकी-उर-रहमान लखवी, साजिद मीर सहित छह आतंकियों के खिलाफ हमारे पर बहुत सबूत है।

बीबीओएसई के डिप्टी डायरेक्टर के तीन ठिकानों पर ईओयू की छापेमारी

■ आय से अधिक संपत्ति का आरोप

प्रात : किरण

पटना। बिहार आर्थिक अपराध इकाई ने गुरुवार सुबह बिहार बोर्ड ऑफ ओपन स्कूलिंग एंड एग्जामिनेशन (बीबीओएसई) के डिप्टी डायरेक्टर अजय कुमार सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में पटना और बेगूसराय स्थित तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई विशेष निगरानी अदालत से सर्च वारंट मिलने के बाद की गई। ईओयू के अनुसार, अजय कुमार सिंह के खिलाफ 19 अगस्त को मामला दर्ज किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से काफी अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में करीब 3 करोड़ 43 लाख 78 हजार 300 रुपये की आय से अधिक संपत्ति का पता चला है, जो उनकी ज्ञात आय से लगभग 90.04 प्रतिशत अधिक बताई गई है। मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में वर्ष 2018 में किए गए संशोधन के तहत धारा 13(2) और धारा 13(1)(बी) में दर्ज किया गया है। डीएसपी रैंक के अधिकारियों के नेतृत्व में ईओयू की तीन टीमों ने गुरुवार सुबह एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया। पहली टीम ने पटना के खजपुरा स्थित आकाशवाणी रोड पर बी.वी. कॉलेज के पास चंद्रतारा भवन में तलाशी ली। दूसरी टीम ने मीठापुर स्थित बीबीओएसई कार्यालय में अजय कुमार सिंह के कार्यालय कक्ष की तलाशी ली। तीसरी टीम ने बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के परोरा गांव स्थित उनके पैतृक आवास पर छापेमारी की। अधिकारी दस्तावेजों, संपत्ति से संबंधित कागजात और अन्य महत्वपूर्ण सामान की जांच कर रहे हैं। ईओयू ने बताया कि तलाशी अभियान अभी जारी है। कार्रवाई पूरी होने के बाद बरामद दस्तावेजों, संपत्ति और अन्य सामान के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। बिहार में भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामलों को लेकर ईओयू की कार्रवाई लगातार तेज हुई है। इससे पहले 14 अगस्त को ईओयू ने सड़क निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय कुमार से जुड़े ठिकानों पर भी आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक साथ छापेमारी की थी। ईओयू को सूचना मिली थी कि उन्होंने अपने पद का कथित दुरुपयोग करते हुए अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है। इसके बाद बिहार शरीफ और नालंदा जिले के अन्य स्थानों सहित तीन ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया था। ईओयू की ताजा कार्रवाई को सरकारी पद पर रहते हुए कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक और कड़ी माना जा रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए बने यूजीसी नियम को चुनौती

■ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी से मांगा जवाब

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए यूजीसी द्वारा बनाए गए नए नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई टल गई। कोर्ट ने केंद्र सरकार और यूजीसी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि जवाब की कॉपी सभी याचिकाकताओं को भी दी जाए। अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। याचिकाकताओं ने शिकायत की थी कि उन्हें केंद्र और यूजीसी के जवाब की कॉपी नहीं मिली है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के इस नियम पर अंतरिम रोक लगा दी थी और केंद्र सरकार तथा यूजीसी को नोटिस जारी किया था। यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नियम, 2026 अधिसूचित किया था। इसी नियम के एक प्रावधान को याचिका में चुनौती दी गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नियम का खंड 3(सी) मनमाना और भेदभावपूर्ण है। इससे कुछ वर्गों के छात्रों को उच्च शिक्षा से बाहर किया जा सकता है। यह प्रावधान संविधान में दिए गए समानता के अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

बच्चे मोबाइल में ज्यादा उलझे हैं, फिजिकल एक्टिविटी जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि आजकल बच्चे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में ज्यादा उलझे हुए हैं। ऐसे में बच्चों के लिए शारीरिक गतिविधि यानी फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। कोर्ट खेलों को भारतीय संविधान के भाग 3, अनुच्छेद 21ए के तहत मौलिक अधिकार घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इस मामले में कोर्ट द्वारा नियुक्त न्याय मित्र यानी अमाइकस क्यूरी ने कहा कि हर स्कूल में अनिवार्य रूप से फिजिकल एक्टिविटी होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अमाइकस की रिपोर्ट पर याचिकाकर्ता से जवाब मांगा है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी। यह याचिका स्पोर्ट्सः अ वे ऑफ लाइफ एनजीओ के अध्यक्ष और खेल शोधकर्ता डॉ. कनिष्का पांडे ने दाखिल की है। याचिका में मांग की गई है कि केंद्र और राज्य सरकारें शिक्षा और खेलों के बीच कोई भेदभाव न करें। खेलों को स्कूल पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। यह व्यवस्था नर्सरी से लेकर पोस्ट-ग्रेजुएट स्तर तक लागू हो। साथ ही, याचिका में कहा गया है कि स्कूलों के बजट में खेलों के लिए एक निश्चित हिस्सा अनिवार्य रूप से तय किया जाए। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए हाई पावर कमेटी गठित

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। जंतर-मंतर और देश के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा तथा पुलिस और सुरक्षा बलों की कार्रवाई की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पांच सदस्यीय हाई पावर एक्सपर्ट कमेटी (एचपीईसी) का गठन किया है। अदालत ने कहा कि कमेटी के सदस्यों के अनुभव, विशेषज्ञता और विविधता को ध्यान में रखते हुए इसका गठन किया गया है। कोर्ट को उम्मीद है कि कमेटी की रिपोर्ट आगे के फैसले में महत्वपूर्ण सहायता करेगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी डॉ. एल.आर. बिश्नोई को सदस्य बनाया गया है। कमेटी यह जांच करेगी कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों ने जरूरत से ज्यादा या अनुचित बल का इस्तेमाल तो नहीं किया। इसमें पैलेट गन, बिजली के डंडे, लाठी और आंसू गैस के इस्तेमाल की परिस्थितियों की भी जांच होगी। यह देखा जाएगा कि इनका इस्तेमाल पर्याप्त चेतावनी दिए बिना या जरूरत से अधिक तो नहीं किया गया। इसके साथ ही कमेटी यह भी देखेगी कि पुलिस की कार्रवाई उस समय की परिस्थितियों के हिसाब से उचित थी या नहीं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शन के संवैधानिक अधिकार के बीच उचित संतुलन कायम किया गया था या नहीं। कमेटी यह भी विचार करेगी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट या अन्य धातु के प्रोजेक्टाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाई जानी चाहिए या नहीं। पुलिस और सुरक्षा कर्मियों की पहचान से जुड़े पहलुओं की भी जांच होगी। कमेटी देखेगी कि ड्यूटी के दौरान अधिकारियों ने वर्दी और स्पष्ट नेमप्लेट पहनी थी या नहीं तथा गिरफ्तारी या बल प्रयोग करने वाले अधिकारियों की पहचान सुनिश्चित हुई थी या नहीं। प्रदर्शनकारियों की निगरानी या उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के मामलों की भी जांच होगी। कमेटी यह देखेगी कि ऐसी निगरानी निजता के अधिकार और शांतिपूर्ण सभा के संवैधानिक अधिकार के अनुरूप थी या नहीं। महिला प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न या बाद में उन्हें मानसिक रूप से परेशान किए जाने के आरोपों की भी गंभीरता से जांच की जाएगी।

चीनी की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने थोक उपभोक्ताओं पर लागू की 15 दिन की स्टॉक सीमा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। त्योहारी सीजन से पहले चीनी की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने चीनी के बड़े खरीदारों और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक रखने की सीमा घटाकर 15 दिन कर दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नया आदेश 1 सितंबर से लागू होगा और 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका उद्देश्य जमाखोरी पर रोक लगाना और बाजार में चीनी की आपूर्ति बनाए रखना है। नए नियम के तहत, जो भी औद्योगिक या संस्थागत उपभोक्ता हर महीने 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का उपयोग कच्चे माल, उत्पादन या उपभोग के लिए करता है, वह अपनी 15 दिनों की आवश्यकता से अधिक चीनी का भंडारण नहीं कर सकेगा। सरकार ने मिठाई निमार्ता, कन्फेक्शनरी उद्योग, शीतल पेय निमार्ता, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, हलवाई व्यवसायों और अन्य संस्थागत खरीदारों को इस श्रेणी में शामिल किया है। ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान पिछले एक वर्ष की औसत मासिक खपत के आधार पर की जाएगी। हालांकि, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय निकायों से संबंधित संस्थाओं को इस आदेश से छूट दी गई है।

सरकार ने यह भी कहा है कि प्रत्येक चीनी मिल द्वारा बड़े उपभोक्ताओं को सीधे या डीलरों के माध्यम से बेची गई चीनी की मात्रा का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न और चीनी से संबंधित एचएसएन कोड का उपयोग किया जाएगा, ताकि वास्तविक खपत और खरीदारी का पता लगाया जा सके। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब सरकार पहले ही डीलरों के लिए चीनी भंडारण सीमा को 30 दिनों तक सीमित कर चुकी है। इसके बावजूद बाजार में चीनी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अगस्त को चीनी का औसत खुदरा मूल्य बढ़कर 52.30 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया।

निर्देश | **सीएम सम्राट ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक कर राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का दिया निर्देश**

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर : मुख्यमंत्री

मुख्य बिन्दु :-

■ राज्य में संचालित मॉडल स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों की उपलब्धता और विद्यार्थियों की सुविधाओं की नियमित समीक्षा एवं निरीक्षण सुनिश्चित हो।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक कर राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और सुदृढ़ करने तथा सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बिहार के सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और बेहतर शैक्षणिक परिणामों के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया जाय। बैठक में शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य में संचालित मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या निकेतन) किये गये शैक्षणिक व्यवस्था, सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ त्यागराजन एसएम ने ई-लर्निंग एवं 247 इंटरैक्टिव डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में संचालित मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या निकेतन) का बेहतर एवं प्रभावी संचालन हो, यहां की व्यवस्था विशिष्ट हो और यह अपने आप में अलग दिखे। मॉडल स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों की उपलब्धता, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा पठन-पाठन की गुणवत्ता की नियमित समीक्षा एवं निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

अधिकारियों को विद्यालयों से सीधे जोड़ते हुए 'एक अधिकारी-एक मॉडल स्कूल' की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करें, ताकि विद्यालयों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके। विद्यालयों का औचक निरीक्षण सुनिश्चित करें। विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रति दिन के कार्यों की रिपोर्टिंग मुख्यालय एवं जिला स्तर पर सुनिश्चित की जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों की गुणवत्ता केवल आधारभूत संरचना से नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षण व्यवस्था और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से तय होती है। उन्होंने मॉडल स्कूलों में प्रत्येक तीन माह पर अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और उनकी आवश्यकताओं पर अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच नियमित संवाद हो सके।

उन्होंने मॉडल स्कूलों के पूर्व विद्यार्थियों के साथ संवाद बढ़ाने पर भी जोर दिया। पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों और अनुभवों का लाभ वर्तमान विद्यार्थियों को मिल सके, इसके लिए उनके साथ नियमित बैठक एवं मार्गदर्शन की व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एवं नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन और आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए गुणवत्तापूर्ण तैयारी का अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के ई-लर्निंग एवं 247 इंटरैक्टिव डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को प्रभावी बनायें।

डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन तथा आधुनिक शिक्षण संसाधन उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों का वास्तविक लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचे। संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिये। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग के माध्यम से बिहार के विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

सभी विभाग आपसी समन्वय से योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: जिलाधिकारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जिलाधिकारी कुन्दन कुमार ने कहा कि जिले में संचालित सभी लोक कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराएं। योजनाओं के क्रियान्वयन में यदि किसी विभाग को दूसरे विभाग से संबंधित किसी प्रकार की कठिनाई आती है, तो उसकी जानकारी साप्ताहिक समन्वय समिति की बैठक में दें, ताकि संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर समस्या का त्वरित समाधान कराया जा सके।

जिलाधिकारी कुन्दन कुमार साप्ताहिक समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उन्होंने बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

लोक शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निष्पादन पर विशेष जोर

जिलाधिकारी ने लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन का निर्देश दिया। विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जन शिकायतों के मामलों का भी प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया।सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पटना जिले में अब तक कुल 30,265 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 28,809 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। शेष 1,456 लंबित

आवेदनों का भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी आवेदन को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर अबतक 7 आवेदन आये हैं. इनके ससमय निष्पादन पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया.

समीक्षा के दौरान पाया गया कि सहयोग पोर्टल से संबंधित 36 मामलों में संबंधित अधिकारियों के पास उन्हें किये गए शो कॉज के मामले लंबित हैं. संबंधित अधिकारियों को शोकॉज का जवाब के साथ साथ उन मामलों से संबंधी रिपोर्ट भी सहयोग पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निर्देश दिया गया।न्यायालयीय मामलों की समीक्षा के दौरान पिछले एक सप्ताह में एक भी कोर्ट केस का निष्पादन नहीं करने वाले पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण की कार्रवाई की गई। इनमें अंचल अधिकारी सम्पतचक, पटनासिटी, दीदारगंज, खुशरूपुर, दनियावा, फतुहा, नौबतपुर, दुल्हिन बाजार, विक्रम, पालीगंज, पंडारक, बाढ़ एवं मोकामा शामिल हैं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को न्यायालयीय मामलों के निष्पादन में तेजी लाने तथा लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ अधिक से अधिक योग्य अभ्यर्थियों तक पहुंचाने के लिए जिला कल्याण पदाधिकारी से कहा गया कि विकास मित्रों की सहायता से युवाओं को योजना के बारे में जागरूक करते हुए आवेदन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं में सहयोग प्रदान किया जाए। डिग्री कॉलेजों एवं कल्याण छात्रावासों से भी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक योग्य अभ्यर्थियों को योजना का लाभ दिलाने को कहा गया।

टाटा पॉवर ने बिहार में घर-घर सोलर की शुरूआत की

- टाटा पॉवर सोलारूफ योजना के तहत 999 में लगवा सकेंगे रूफटॉप सोलर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड का हिस्सा और टाटा पावर कंपनी की सहायक कंपनी टाटा पावर सोलारूफ ने अपनी प्रमुख घर-घर सोलर पहल को बिहार में शुरू किया। इसके साथ ही राज्यभर में किफायती, भरोसेमंद और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की पहुंच बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस अभियान में रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज, लचीली फाइनेंसिंग और समुदाय आधारित सहभागिता को एक साथ लाया गया है, ताकि घरों, व्यवसायों और समुदायों को अपनी ऊर्जा जरूरतों पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद मिल सके। इस अवसर पर टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी प्रवीर सिन्हा ने कहा कि इस अभियान के तहत, टाटा पावर सोलारूफ अगले तीन वर्षों में बिहार के 5 लाख घरों में रूफटॉप सोलर अपनाने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रहा है, जिससे राज्य को विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। यह पहल शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करेगी और 1 किलोवाट से 10 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर समाधान उपलब्ध कराएगी, जो अलग-अलग बिजली खपत की जरूरतों को पूरा करेंगे। बिहार में विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा में बढ़ती रुचि देखने को मिल रही है, जिसे स्वच्छ ऊर्जा के प्रति बढ़ती जागरूकता, बिजली की बढ़ती मांग और अधिक ऊर्जा आत्मनिर्भरता की बढ़ती जरूरत बढ़ावा दे रही है। टाटा पावर के सीईओ, एमडी एवं प्रेसिडेंट संजय बंगा ने कहा कि घर-घर सोलर अभियान की एक प्रमुख विशेषता टाटा पावर सोलारूफ की विशेष फाइनेंसिंग योजना सिर्फ 999 में भुगतान करें है, जिसे रूफटॉप सोलर अपनाने में आने वाली शुरूआती आर्थिक बाधा को काफी कम करने के लिए तैयार किया गया है। इस योजना के तहत, घरेलू उपभोक्ता केवल 999 के शुरूआती भुगतान के साथ रूफटॉप सोलर लगवाने की शुरूआत कर सकते हैं, जबकि सिस्टम की लागत का 100 प्रतिशत तक हिस्सा फाइनेंसिंग के माध्यम से उपलब्ध है। यह योजना किफायती ईएमआई, 60 महीने तक की लचीली फाइनेंसिंग अवधि और तेज प्रक्रिया के लिए तुरंत डिजिटल लोन स्वीकृति की सुविधा प्रदान करती है। एक अतिरिक्त लाभ के रूप में, टाटा पावर सोलारूफ इस कार्यक्रम के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को टाटा एआईजी की ओर से एक वर्ष का निःशुल्क सोलर इंश्योरेंस भी उपलब्ध कराएगा। यह फाइनेंसिंग योजना, लागू सरकारी सब्सिडी के साथ मिलकर, उन परिवारों के लिए रूफटॉप सोलर

सिंहासनी महोत्सव के जरिये नई पीढ़ी को समृद्ध लोक-संस्कृति से कराएंगे अवगत : शिक्षा मंत्री

पटना। माननीय शिक्षा मंत्री सह बैकुंठपुर विधायक श्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि सिंहासनी केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। सिंहासनी महोत्सव के माध्यम से हमारी समृद्ध लोक-संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ इस ऐतिहासिक स्थल को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

माननीय शिक्षा मंत्री ने आगामी 24 अगस्त को गोपालगंज के बैकुंठपुर स्थित सिंहासनी में आयोजित होने वाले महोत्सव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को बैकुंठपुर प्रखंड मुख्यालय में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की।

श्री तिवारी ने कहा कि यह महोत्सव कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सहयोग से हो रहा है।

जिला प्रशासन की ओर से माननीय प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के माननीय मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी तथा माननीय राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल से कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया है। माननीय मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी ने सहमति दे दी है। उनके अलावा अन्य माननीय विधायक, विधान पार्षद और अधिकारी भी महोत्सव में शामिल होंगे।

महोत्सव में सुपरस्टार मनोज तिवारी, अनुपमा यादव सहित कई प्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

समीक्षा बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को साफ-सफाई, बिजली, पेयजल, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, चिकित्सा और कार्यक्रम स्थल की अन्य सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सिंहासनी महोत्सव भव्य होने के साथ-साथ पूरी तरह सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं एवं आम लोगों की सुविधाओं के अनुरूप होना चाहिए।

खगौल जगत नारायण लाल कॉलेज में सावन महोत्सव मनाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल नगर के अंतर्गत जगत नारायण लाल कॉलेज में सावन महोत्सव कार्यक्रम प्रधानाचार्य मधु प्रभा सिंह के अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर हरे रंग के परिधान में सुसज्जित छात्राओं ने एक दूसरे को मेहंदी लगाई। निशा, नंदनी, काजल, शायना परवीन, कोमल ,खुशबू इत्यादि छात्राओं ने अपनी प्रतिभाओं का परिचय देते हुए खूबसूरत मेहंदी की डिजाइन प्रस्तुत की। इसके बाद सावन गीतों पर प्रेरणा, खुशबू, ईशा, प्रतिमा, रागिनी, नंदिनी, काजल, सुमन इत्यादि छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। उनके नृत्य और संगीत से सभी सराबोर हो गए। सावन गीतों की फुहार से पूरा वातावरण आनन्दमय हो गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शुभांगी त्रिपाठी, अवंतिका कुमारी, मेधावी सुदर्शन, पल्लवी, स्वेता, मधुबाला , सुषमा सहित अनेक शिक्षकगणों नें उपस्थित होकर छात्राओं का मनोबल बढ़ाया।

इनर व्हील क्लब ऑफ मौर्या ने किया सामाजिक प्रोजेक्ट उदघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। इनर व्हील क्लब ऑफ मौर्या की ओर से होटल यो चाइना के क्रिस्टल बैंक्वेट हॉल में मंडलाध्यक्ष (डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन) प्रियंका कुमार के अवलोकन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन प्रियंका कुमार, डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरार विभा चरण पहाड़ी, क्लब अध्यक्ष मनीषा रानी एवं टीम ने दीप प्रज्वलित कर की।

इस अवसर पर क्लब द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक प्रोजेक्टों का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। एन.के. झा एकेडमी में बच्चों के लिए वाटर कूलर, आरओ सिस्टम और हैंडवॉश वाटर स्टेशन लगाया गया। बच्चों के बीच कॉपी, स्टेशनरी एवं पौष्टिक आहार वितरित किया गया। चित्रकारी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों एवं विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए।

इसके अलावा जरूरतमंद व्यक्ति को स्वरोजगार के लिए ठेला एवं सब्जी उपलब्ध कराई गई। ट्रांसजेंडर समुदाय को एक माह का राशन, कपूर जेल की शाखाओं में महिलाओं के लिए व्हीलचेयर, बेड-सोर बेड, कपड़े एवं टेलीविजन उपलब्ध कराया गया। हैप्पी स्कूल की छात्राओं को 100 स्कूल बैग एवं 100 कॉपियां दी गईं। जरूरतमंदों के बीच 50 छाते और पॉलीथिन के विकल्प के रूप में 100 कपड़े के थैले वितरित किए गए।

मंच संचालन कीर्ति कुमारी ने किया, जबकि उपाध्यक्षा अनुजा भदानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव मोनी सिंह, ट्रेजरार चित्रा पाठक, एडिटर संगीता मोदी, पीपी वीणा सिंह, पीपी शोभा प्रसाद, पीपी रीमा रौनक, पीपी उपमा उर्मिल,आई एस ओ रानी बरनवाल सहित क्लब की अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

किउल-मोकामा-पटना-डीडीयू-सूबेदारगंज-टुण्डला-सवाई माधोपुर-कोटा-रतलाम-छायापुरी के रास्ते भागलपुर और अहमदाबाद के मध्य एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन हुआ शुरू

हाजीपुर:रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पटना और अहमदाबाद के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 09447/09448 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद क्लोन स्पेशल का गाड़ी सं. 19423/19424 भागलपुर-अहमदाबाद-भागलपुर साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में नियमित परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन अहमदाबाद से 26 अगस्त, 2026 से प्रत्येक बुधवार को तथा भागलपुर से 28 अगस्त, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, पेण्ट्रीकार का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 11 तथा शयनयान श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

गाड़ी सं. 19423 अहमदाबाद-भागलपुर साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 26 अगस्त, 2026 से प्रत्येक बुधवार को अहमदाबाद से 18.30 बजे प्रस्थान कर गुरूवार को 21.13 बजे डीडीयू, 22.30 बजे बक्सर, 23.15 बजे आरा, 23.50 बजे दानापुर, शुक्रवार को 00.43 बजे पटना जं., 01.25 बजे बख्तियारपुर, 02.08 बजे मोकामा, 03.30 बजे किउल, 04.01 बजे अभयपुर, 04.30 बजे जमालपुर, 05.13 बजे सुलतानगंज रूकते हुए 06.40 बजे भागलपुर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 19424 भागलपुर-अहमदाबाद साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 28 अगस्त, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को 16.45 बजे प्रस्थान कर 17.03 बजे सुलतानगंज, 17.48 बजे 18.13 बजे अभयपुर, 19.15 बजे किउल, 19.56 बजे मोकामा, 20.30 बजे बख्तियारपुर, 21.58 बजे पटना जं., 22.21 बजे दानापुर, 22.53 बजे आरा, 23.41 बजे बक्सर, शनिवार को 02.53 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकेगी।

मंत्री श्रवण कुमार के जन्मदिन पर डॉ. एल बी सिंह ने दी शुभकामनाएं

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार जी के जन्मदिन के अवसर पर जन स्वास्थ्य कल्याण समिति के सचिव, अखिल भारतीय पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग संघ के महासचिव एवं मानवाधिकार परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एल. बी. सिंह ने उनसे मुलाकात कर हर्ष और उल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डॉ. एल. बी. सिंह ने कहा कि मंत्री श्रवण कुमार गरीबों, पिछड़ों और जरूरतमंदों के सच्चे मसीहा हैं। आम लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं।

उन्होंने कहा, बिहार की राजनीति में ऐसा जनप्रतिनिधि मिलना मुश्किल है, जिसके दरवाजे आम जनता के लिए 24 घंटे खुले हों। मंत्री श्रवण कुमार के पास कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या लेकर पहुंच सकता है और वे पूरी संवेदनशीलता के साथ उसकी बात सुनते हैं।

डॉ. एल. बी. सिंह ने आगे कहा कि अगर बिहार में भविष्य के मुख्यमंत्री चेहरे की बात की जाए, तो श्रवण कुमार जी एक मजबूत और योग्य चेहरा हैं। उनके सरल स्वभाव, जनसेवा और आम लोगों से सीधे जुड़ाव को देखते हुए जनता के बीच उनकी अलग पहचान है।

खगौल महिला कॉलेज के 54वें स्थापना दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवार को महिला कॉलेज के 54 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया । इसी अवसर पर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षण पी.जी. कक्षाओं का भी विधिवतशुभारंभ किया गया यह अवसरमहाविद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री संजय सिंह टाइगर विशिष्ट अतिथि पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण प्राधिकारी राजीव रंजन , संघ के बौद्धिक प्रमुख उपेंद्र भाई त्यागी उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षतामहाविद्यालय की प्राचार्या उषा विद्यार्थी ने की अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने महाविद्यालय की 54 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा किस्नातकोत्तर शिक्षण का प्रारंभ संस्थान के लिए एक नई उपलब्धि है, जो क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा केबेहतर अवसरप्रदान करेगा।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए बिहार सरकार, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, महाविद्यालय परिवार तथा सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया मुख्य अतिथि संजय सिंह टाइगर ने अपने संबोधन में महिला शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षित महिला ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला होती है उन्होंने महाविद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया

राजीव रंजन ने स्नातकोत्तर शिक्षण के शुभारंभ को क्षेत्र की छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए विश्वविद्यालय की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलायामंच संचालन संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष सीमा तथा इतिहास विभागआभा के द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापक अजीता प्रियदर्शिनी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष सुमन कुमारी को महाविद्यालय में विशिष्ट योगदान हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया एवं विभिन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को सम्मानित किया गयाइस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण खुशबु फातमा, सुमन कुमारी, कविता जैन, शालिनी कुमारी, आराधना सिंह, चंदा सिंह, किरण कुमारी, मधु श्री, वीणा कुमारी, राखी सिन्हा, रीना कुमारी, सीमा कुमारी, अजीता प्रियदर्शिनी, जुली कुमारी तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं ।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत, सम्मान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं, जिन्होंने समारोह को और अधिक गरिमामय बना दिया कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ

फैबइंडिया के नए फेस्टिव क्यूरेशन के साथ मनाये रक्षा बंधन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : भारत के प्रमुख लाइफस्टाइल ब्रांड फैबइंडिया ने अपने नए फेस्टिव कैंपेन ह्यहर पल स्वर्णिमह्व के अंतर्गत रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक विशेष ह्यराखी क्यूरेशनह्व लॉन्च किया है। त्योहारों की परंपराओं को एक नया और एलिगेंट लुक देते हुए, ब्राइट पिंक और ओम्ब्रे शेड्स के खूबसूरत कलर्स में तैयार यह नया लाइनअप शानदार फेस्टिव वेयर और वसेटाइल कपड़ों का बेहतरीन मिक्स है, जो सभी को ह्यसेलिब्रेट इंडिया एवरीडेह्व के लिए इंस्पायर करता है।

ट्रेडिशनल स्टाइल में मॉडर्न टच देते हुए, महिलाओ के लिए खूबसूरत गोल्ड खड़ी हैंड-ब्लॉक प्रिंट्स वाली क्लासिक महेश्वरी और कॉटन-सिल्क साड़ियां खास तौर पर पेश की गई हैं। एक फ्रेश और कम्फर्टेबल लुक के लिए, हैंड-एंब्रॉयडर्ड मोडल टॉप्स और लिनन-सिल्क ट्यूनिक्स को घेरा स्कर्ट्स के साथ पेयर किया गया है।

पुरुषो की रेंज स्टाइल और कम्फर्ट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें गोल्ड टच वाले ओम्ब्रे कॉटन-सिल्क लॉन्ग कुर्ते और हल्के सिल्क-ब्लेंड कोसी फैब्रिक के शॉर्ट कुर्ते शामिल हैं। बच्चों के लिए बेहद कम्फर्टेबल और फेस्टिव आउटफिट्स पेश किया गया है , जिनमें बच्चे आराम से खेल भी सकते हैं और फोटो-रेडी भी दिखते हैं। इङ्घ८२ के लिए स्कैलप-डिटेल वाले कुर्ते हैं, जबकि ॠक्ष'२ के लिए स्कार्फ के साथ जरी-वर्क वाले कुर्ता सेट्स मौजूद हैं। गिफ्टिंग को खास बनाने के लिए, फैबइंडिया ने सिबलिंग्स के लिए ढेरों ऑप्शंस दिए हैं—जैसे स्टेटमेंट इयररिंग्स, डेलिकेट ब्रेसलेट्स, हैंडमेड क्लच, सिल्क स्टोल्स और भी बहुत कुछ।

इस फेस्टिव सीजन को और भी खास बनाते हुए, फैबइंडिया ने एक शॉर्ट फिल्म भी रिलीज की है जो खारी प्रिंटिंग के आर्ट को एक बच्चे के नजरिए से दिखाती है। आप इसे फैबइंडिया के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल्स पर देख सकते हैं।

टीबी मुक्त बिहार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनभागीदारी और मीडिया की सक्रिय भूमिका जरूरी : डॉ. अनुपमा सिंह

- 1 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले 2.36 करोड़ से अधिक लोगों की हुई टीबी स्क्रीनिंग
- मुख्य सचिव एवं स्वास्थ्य सचिव के मार्गदर्शन में चलाया गया विशेष अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

टीबी मुक्त बिहार के लक्ष्य को साकार करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग एवं राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज (ॠऌर) के सहयोग से आजपटना में राज्य स्तरीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बिहार में किए जा रहे प्रयासों, उपलब्धियों, नवीन गतिविधियों एवं भविष्य की रणनीति से मीडिया को अवगत कराना तथा टीबी उन्मूलन के लिए जन-जागरूकता को और मजबूत करना था।

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार की अपर कार्यपालक निदेशक डॉ. अनुपमा सिंह ने कहा कि माननीय राज्यपाल के सहयोग एवं मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए टीबी मुक्त पंचायत एवं टीबी मुक्त वार्ड के लिए राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा भी इसकी समीक्षा की जाती है। इसके साथ ही हर सप्ताह बिहार के मुख्य सचिव के द्वारा भी इसकी समीक्षा कर दिशा निर्देश दिया जाता है। मुख्य सचिव एवं स्वास्थ्य सचिव के मार्गदर्शन में 2 जुलाई 2026 से चलाए गए विशेष अभियान में निर्धारित 1 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग के लक्ष्य के मुकाबले 2.36 करोड़ से अधिक लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग एवं जांच के दौरान 87,623 से अधिक टीबी मरीजों की पहचान की गई, जिनमें 21,550 ऐसे मरीज भी शामिल हैं, जिनमें टीबी के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं थे।

उन्होंने कहा कि राज्य में टीबी की जांच एवं पहचान के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके तहत राज्य में 491 डिजिटल एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। 140 एआई टूल आधारित अल्ट्रापोर्टेबल हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें टीबी की शीघ्र पहचान में सहयोग कर रही हैं।768 बाइनोक्युलर माइक्रोस्कोप तथा 89 उइठअअळ और 562 ळ१४ील्लं३ मशीनें जांच की सुविधा को मजबूत कर रही हैं। राज्य में 4 लाइन प्रोब एसे एवं कल्चर ऊळ लैब की सुविधा उपलब्ध है। 11,055 उच्च जोखिम वाले गांवों की पहचान कर वहां टीबी की शीघ्र पहचान को प्राथमिकता दी जा रही है। 24 मार्च 2026 से 5.4 लाख से अधिक शिविरों का आयोजन किया गया। 298 लाख लोगों का निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण किया गया, जिसमें लगभग 169 लाख प्रमुख जनसंख्या शामिल है। 17.48 लाख से अधिक छाती के एक्स-रे किए गए। 3.52 लाख से अधिक बलगम नमूनों की ठअअळ जांच की गई।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान राज्य में 87,623 टीबी मामलों की पहचान की गई, जिसमें 21,550 लक्षण-विहीन टीबी मामले भी शामिल हैं। वहीं, 74,871 टीबी रोगियों (85 प्रतिशत) का डिफरेंशिएटेड टीबी केयर के लिए मूल्यांकन किया गया है। बिहार में वर्ष 2024 के लिए 88 प्रतिशत उपचार सफलता दर दर्ज की गई है।

साथ ही, टीबी से होने वाली अनुमानित मृत्यु दर में भी कमी आई है। राज्य में अनुमानित टीबी मृत्यु दर 2023 में 21 प्रति लाख थी जो घटकर 2024 में 20 प्रति लाख हो गई है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बिहार की 547 पंचायतों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी 6 मानदंडों को पूरा करते हुए टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि टीबी के नए मामलों को रोकने के लिए राज्य के सभी 38 जिलों में टीबी निवारक उपचार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत 2.80 लाख घरों की टीबी निवारक उपचार (ळढळ) के लिए जांच की गई है तथा 97,623 पात्र लाभार्थियों ने टीबी निवारक उपचार शुरू किया है।

चित्रकला एवं लूडो प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

- नशामुक्त समाज के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका पर दिया गया जोर

पटना। भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो गया जी द्वारा +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, रसलपुर, मानपुर, गया जी में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम के पूर्व-प्रचार गतिविधि के तहत चित्रकला प्रतियोगिता एवं लूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था।चित्रकला प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने नशा मुक्त भारत विषय पर आकर्षक एवं संदेशपरक चित्र बनाए। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने की अपील की। बच्चों में इस गतिविधि को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार प्रवीण उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए नशे के दुष्परिणामों से स्वयं को दूर रखने तथा अपने परिवार एवं समाज के लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा एवं सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अरविंद कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की गई।

इस अवसर पर विभाग के शंभू पंडित, हर्ष सिन्हा एवं दीपक कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया और नशामुक्त भारत के निर्माण में युवाओं एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में रुपेश कुमार सिन्हा के साथ विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की भी सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने प्रतियोगिताओं के आयोजन में सहयोग करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लूडो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली और नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया।

गरीबों को आवास बनाने के साथ मेंटेनेंस के लिए भी राशि देती है बिहार सरकारः श्रवण

■ पीएम आवास (ग्रामीण) के तहत लाभुकों में चाबी और स्वीकृत पत्र का हुआ वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पूरे देश में बिहार ही ऐसा राज्य है जहां गरीबों को आवास देने के साथ उसकी मरम्मत और रंगाई-पुताई के लिए सरकार राशि देती है। श्री कुमार गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग की ओर से पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पूर्ण 2 लाख 35 हजार आवास के लाभुकों को उनके घर की चाबी का वितरण कर रहे थे। इस समारोह में नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृत पत्र वितरण भी किया गया। पटना के गांधी मैदान के पास स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत वर्ष 2016-17 से अभी तक राज्य में कुल 49 लाख 17 हजार 344 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 49 लाख नौ हजार 829 आवासों को स्वीकृति देते हुए 42 लाख 18 हजार 025 (85.77 फीसदी) आवासों को पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य के लिए 11 लाख 18 हजार 937 आवासों की नई स्वीकृति दी है जो बड़े हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी सरकार के 100 दिन पूरा होने के अवसर पर 2.35 लाख लाभुकों को आवास की सौगात दी जा रही है।

मंत्री श्री कुमार ने कहा कि एक साथ बड़ी संख्या में आवास योजना को दी जाने वाली स्वीकृति केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरीबों के प्रति संवेदना को दर्शाती है। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में तीन प्रमुख योजनाएं चलाई गई हैं। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित एक जनवरी 1996 से पहले के बने क्षतिग्रस्त घरों को बनाने की सुविधा राज्य सरकार ने अपने स्तर से की है।

दूसरी योजना के तहत अप्रैल 2010 से पहले जिस भी गरीब को आवास दिया गया, इसकी मरम्मतीकरण एवं रंग रंगोन के लिए 50 हजार रुपये का भुगतान सरकारी खजाने से किया गया। उन्होंने बताया कि पीएम आवास की सूची में शामिल भूमिहीन लाभुकों को सरकारी जमीन की उपलब्धता होने पर पांच डिसिमिल जमीन या फिर राजकीय खजाने से एक लाख रुपए जमीन खरीदने के लिए देने वाला बिहार देश में पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य में आवास योजना में शामिल लाभुकों को शौचालय के लिए 12 हजार रुपये सहायता राशि के साथ ही नल का जल कनेक्शन, बिजली कनेक्शन और 125 यूनिट निःशुल्क बिजली आदि का लाभ दिया जाता है ताकि गरीब लाभुक को आवास के साथ-साथ दूसरी मूलभूत सुविधा मिल सके। उन्होंने विकसित भारत के साथ-साथ विकसित बिहार की परिकल्पना को साकार करने में जुटी केंद्र सरकार के साथ बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सफलता के लिए बधाई दी। लाभुकों को आवास की चाबी सौंपने के दौरान श्री कुमार ने कहा कि बिहार के लिए आज ऐतिहासिक क्षण है जहां एक समय में इतनी बड़ी संख्या में आवास निर्माण कराते हुए इसका लाभ बड़ी संख्या में लाभार्थियों को दिया गया। उन्होंने लाभुकों के कुशल जीवन की कामना की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ओर से शुरू किया गया सहयोग पोर्टल अद्भुत पहल है।

जनता की सेवा के इस मॉडल को दूसरे राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित बिहार का नारा दिया है। उन्होंने कहा कि अब प्रतिमाह 15 हजार तक की आमदनी करने वाले व्यक्ति को भी अब पीएम आवास योजना का लाभ दिया जाएगा। इससे राज्य में लखपति दीदियों के लिए भी आवास का सपना पूरा हो सकेगा।

जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने पांच एकड़ सिंचित और 2.5 एकड़ असिंचित भूमि के मालिक किसानों और जिसके पास बाइक है, उसे भी पीएम आवास योजना से लाभान्वित करने का फैसला लिया है। कहा कि बिहार की धरती पर कोई भी बहन गरीब नहीं रहेगी, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में पहली बार फसल बीमा योजना को लागू करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने यहां के शिल्पकारों और विशेषकर जीविका के उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने की मंशा से प्रत्येक जिले में सी-मार्ट बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री श्री सुनील कुमार, सहकारिता विभाग के मंत्री श्री राम कृपाल यादव, समाज कल्याण विभाग के मंत्री श्री श्वेता गुप्ता के साथ ग्रामीण विकास विभाग के कई उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण विभाग मंत्री ने रखे ये सुझाव

- मुख्यमंत्री आवास योजना निर्माण में पीएमएवाई की तरह ही वीबी-जी राम जी के तहत 90-95 दिन की मजदूरी देने की मांग की।
- वर्ष 2015-16 से पूर्व बने जीर्ण-शीर्ण हो चुके इंदिरा आवास के लाभुकों को नए सिरे से पीएम आवास योजना के चयन सूची में शामिल किया जाए।
- बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में बोधगया, राजगीर, नालंदा, पावापुरी, वैशाली, केशरिया, डुमरांव और भागलपुर आदि जिलों में बड़ा मार्ट, हाट निर्माण की मांग की।

कृषि अभियान के माध्यम से किसान, युवा और श्रमिक वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की होगी कोशिश : विजय

■ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री ने किया 'कृषि जनकल्याण संवाद अभियान' का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना के बामेती से गुरुवार को बड़े कृषि अभियान की शुरूआत की गई। यहां किसान समृद्धि, महिला उधमी, युवा रोजगार, श्रमिक उत्थान एवं जन कल्याण संवाद अभियान का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा किया। 22 अगस्त से मगध की पावन धरती गया जी से कृषि जनकल्याण संवाद अभियान की शुरूआत होगी, जो जिलास्तर पर हर जिले में चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान कृषि मंत्री किसानों और पदाधिकारियों के साथ सीधे संवाद करेंगे। साथ ही, किसान समृद्धि, महिला उद्यमिता, युवा रोजगार और श्रमिक उत्थान के माध्यम से हर वर्ग के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। प्रकृति प्रतिभा का सम्मान-राष्ट्र समाज का उत्थान की अवधारणा पर आधारित इस संवाद अभियान के जरिए राज्य भर में आधुनिक कृषि, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पर संवाद होगा। इसके साथ ही इसमें महिला सशक्तीकरण, कृषि आधारित उद्यमिता, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तथा किसानों को बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ने जैसे विषयों पर भी मंथन किया जाएगा।

गुरुवार को इसके शुभारंभ के मौके पर राज्य के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल मौजूद थे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धरती पर अगर कोई भगवान है, तो वह किसान है और मैं किसानों का सेवक हूं। खेती-किसानी को बेहतर बनाने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

इस अवसर पर बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जन कल्याण संवाद अभियान पाटलिपुत्र की धरती से शुरू होकर हर जिले तक पहुंचेगा। यह कृषि विकास का नया विचार है। किसान, महिला, युवा, श्रमिक सबकी इसमें भागीदारी होगी। इसमें कृषि को जन कल्याण और प्रगति का आधार बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। बिहार के विकास और खुशहाली के लिए कृषि का विकास बेहद जरूरी है। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कृषि रोड मैप की शुरूआत की गई थी, जिसका राज्य के कृषि क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के किसानों ने भी अपनी मेहनत और नई तकनीकों को अपनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाया है और देश के अन्य राज्यों के किसानों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया है। कार्यक्रम के दौरान राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि आज किसान समृद्धि, महिला उद्यमी, युवा रोजगार, श्रमिक उत्थान, कृषि जनकल्याण संवाद में राजस्व मंत्री होने के नाते मैं यह कहूंगा कि भूमि सर्वेक्षण का काम चल रहा है, डिजिटलीकरण का भी काम चल रहा है और किसानों को किसानों को उनकी जमीन पर स्पष्ट और विवाद-मुक्त अधिकार मिले, इसके लिए हम लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि से प्राप्त अनुभव साझा किए। रामजीत शर्मा, विक्रम; राम विनय कुमार, दुल्हिन बाजार, पटना; सुशीला देवी, मनेर, पटना तथा सुधांशु, समस्तीपुर ने प्राकृतिक विधि से खेती एवं उससे प्राप्त लाभों की जानकारी दी।

यह अभियान बिहार में कृषि को नई तकनीक, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, मूल्य संवर्धन, उद्यमिता और बाजार से जोड़ते हुए किसानों की आय बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

हर बिहारी का लक्ष्य हो कि हम कैसे बिहार को आगे बढ़ाएंः मंत्री

■ बिहार एसडीजी कॉन्क्लेव 2026 में सतत बिहार से विकसित बिहार पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। उद्योग सह खेल विभाग के मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि हर बिहारी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि हम कैसे बिहार को आगे बढ़ाएं। तभी सतत विकास से विकसित बिहार की परिकल्पना साकार हो पाएगी। इसपर सभी को मंथन करना होगा। उद्योग मंत्री गुरुवार को अधिवेशन भवन में आयोजित बिहार एसडीजी कॉन्क्लेव 2026 को संबोधित कर रही थी। इसके पूर्व उन्होंने योजना एवं विकास विभाग और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कॉन्क्लेव का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि जब बिहार समृद्ध होगा तभी भारत विकसित होगा। जब नीयत सही होगा तभी जिला और राज्य का विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। जिसका परिणाम है कि हर क्षेत्रों में महिलाएं आगे हैं। सबसे बढ़ा उदाहरण पुलिस विभाग है, जहां चारो तरफ महिलाएं दिख रही है। विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि 20 वर्षों के अंदर बिहार में काफी बदलाव आया है। बिहार की ग्रामीण सड़के भी देश के अन्य राज्यों से बेहतर है। वहीं भारत सरकार के ईएसी-पीएम सदस्य प्रो. शमिका रवि ने कहा कि आज जो विकसित भारत देख रहे हैं वह विकसित बिहार के संभव नहीं है। भारत के जीडीपी में बिहार का ग्रोथ आगे है। वहीं संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर श्री स्टीफन प्रीस्नर ने भी बिहार के विकास की चर्चा की। योजना एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एन विजय लक्ष्मी ने कहा कि जिलों के विकास में डीएम और डीडीसी की महत्वपूर्ण भ्रूमिका है। हमारा जो सतत लक्ष्य है उसमें जिलों का अहम रोल है। एसीएस ने कहा कि केंद्र सरकार ने विकसित भारत 2047 का जो लक्ष्य निर्धारित किया है उसमें सबसे पहले विकसित बिहार 2037 का लक्ष्य हासिल करना होगा।

बिहार में एआई आधारित विकास को मिलेगा नया आयामः मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सूचना प्रावैधिकी मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिहार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से राज्य में एक सशक्त एवं नवाचार-आधारित एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाएगा। इस दिशा में टायो एआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के विजन के अनुरूप बिहार को तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना हमारा संकल्प है। एआई के प्रभावी उपयोग से सुशासन और विकास को नई गति देने के साथ युवाओं को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार किया जाएगा। सूचना प्रावैधिकी मंत्री श्री मिश्रा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाली परिवर्तनकारी तकनीक बन चुकी है। बिहार में एआई की क्षमता का प्रभावी उपयोग करते हुए शासन, सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे,

परियोजना प्रबंधन एवं मानव संसाधन विकास को अधिक स्मार्ट, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख बनाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित एमओयू के माध्यम से एआई तकनीक का उपयोग कर विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की पहचान, प्राथमिकता निर्धारण, योजना, अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन में सरकार को तकनीकी सहयोग प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ह्यएआई आधारित सार्वजनिक अवसंरचना डैशबोर्डह्ल के माध्यम से परियोजनाओं में संभावित विलंब एवं लागत वृद्धि की पहचान के लिए अर्ली वार्निंग इंडिकेटर विकसित किए जाएंगे। इससे परियोजनाओं की समयबद्ध निगरानी के साथ-साथ सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों के अधिक कुशल उपयोग में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि भू-स्थानिक आंकड़ों का मानचित्रण एवं अन्य उपलब्ध डेटासेट का एआई टूल्स के माध्यम से विश्लेषण कर सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के नियोजन, निर्माण एवं अनुश्रवणह्ल को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। इससे परियोजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन में डेटा आधारित निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि एआई आधारित तकनीकों के उपयोग के साथ-साथ मानव संसाधन का क्षमता निर्माण भी सरकार की प्राथमिकता है। इसके तहत सरकारी अधिकारियों को डिजिटल गवर्नेंस एवं एआई के प्रभावी उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। वहीं, राज्य के छात्रों, युवाओं एवं महिलाओं के लिए एआई एवं डेटा विश्लेषणह्ल से संबंधित कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल बिहार में एआई आधारित सुशासन, तकनीकी नवाचार, स्मार्ट सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे एवं रोजगारपरक कौशल विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा बिहार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

शराबबंदी कानून के साथ कोई समझौता नहीं आगे भी पूरी सख्ती से होगा पालनः सहनी

■ मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने सभी राजनीतिक दलों के सहयोग एवं सहमति से बिहार में शराबबंदी कानून लागू किया था

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी एवं डॉ श्वेता गुप्ता ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा फरियादियों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों एवं शिकायतों के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर कार्यक्रम के समन्वय हेतु पार्टी की प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा मौजूद रहीं। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए माननीय मंत्री मदन सहनी ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने सभी राजनीतिक दलों के सहयोग एवं सहमति से बिहार में शराबबंदी कानून लागू किया था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कानून के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा बिहार में शराबबंदी प्रभावी रूप से लागू है और आगे भी पूरी सख्ती के साथ लागू रहेगी।

उन्होंने कहा कि शराबबंदी कानून का सर्वाधिक लाभ गरीब, मजदूर एवं बिहार की आधी आबादी अर्थात महिलाओं को हुआ है। साथ ही, विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि बिहार में किसी भी कंपनी की शराब जब्त होने की स्थिति में संबंधित कंपनी के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री श्वेता गुप्ता ने कहा कि नीतीश कुमार के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की प्राथमिकता है कि लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इस दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर काम कर रही है और यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

चीनी की कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज होगी प्राथमिकीः मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। लगातार चीनी के मूल्य में हो रही वृद्धि को गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने गुरुवार को बताया कि बिहार के सभी संचालित चीनी मिलों से लेकर राज्य में प्रर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है। इसके बावजूद चीनी के मूल्य में वृद्धि होने की सूचना मिल रही है। इसे किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चीनी के व्यापारियों के पास 400 टन से अधिक चीनी का स्टॉक मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। इसकी जांच कराने का आदेश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है।

वहीं गन्ना उद्योग विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और सीतामढ़ी के जिलाधिकारियों तथा सभी चीनी मिल संचालकों के पास पत्र भेजकर चीनी मिलों में उपलब्ध चीनी स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराने और चीनी की बिक्री पर नियंत्रण करने के लिए टीम का गठन कर जांच कराने का निर्देश दिया है। चीनी मिलों द्वारा चीनी की बिक्री के बाद अधिकतम 7 दिन ही स्टॉक अपने परिसर में रख सकेंगे अन्यथा होगी कार्रवाई। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा है कि भारत सरकार द्वारा कहा गया है कि कुछ चीनी मिलों और चीनी व्यापारियों द्वारा चीनी की कालाबाजारी की जा सकती है, जिससे चीनी की पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद बाजार में इसकी कमी हो सकती है। भारत सरकार ने देश भर के चीनी व्यापारियों पर 1 अगस्त से 400 टन स्टॉक होल्डिंग सीमा लागू किया है और यह 30 नवंबर 2026 लागू रहेगा। सचिव श्री सिंह ने संबंधित जिलाधिकारियों से कहा है कि जिले के एक वरीय उप समाहर्त्ता और ईख पदाधिकारी की संयुक्त जांच टीम गठित किया जाए। यह जांच टीम जिले में कार्यरत चीनी मिलों में उपलब्ध चीनी स्टॉक और चीनी व्यापारियों के चीनी स्टॉकों का भौतिक सत्यापन करेगी। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार के आदेश का उलंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए।

राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माता और संचार क्रांति के जनक : राजेश

■ राजीव गांधी जी का जीवन देश की एकता, अखंडता, लोकतंत्र और विकास के लिए समर्पित था

■ भारत के निर्माण का सपना आज भी कांग्रेसजनों तथा देशवासियों को प्रेरणा देता है

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी जी की 82वीं जयंती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने स्व राजीव गांधी जी के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि स्व राजीव गांधी जी आधुनिक भारत के निमार्ता और संचार क्रांति के जनक थे। उन्होंने देश को 21वीं सदी में ले जाने का सपना देखा और विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर एवं दूरसंचार के क्षेत्र में व्यापक बदलाव की नींव रखी।

उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जी ने युवाओं को देश की शक्ति मानते हुए उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए।

उनके कार्यकाल में देश में तकनीकी शिक्षा, कंप्यूटर और संचार के क्षेत्र में जो परिवर्तन शुरू हुआ, उसने भारत को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजेश राम ने कहा कि राजीव गांधी जी का जीवन देश की एकता, अखंडता, लोकतंत्र और विकास के लिए समर्पित था। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने, युवाओं को राजनीतिक भागीदारी देने तथा देश के विकास को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि आज देश जिस डिजिटल और संचार क्रांति के दौर में आगे बढ़ रहा है, उसकी मजबूत आधारशिला राजीव गांधी जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व में रखी थी।

उनके विचार और आधुनिक भारत के निर्माण का सपना आज भी कांग्रेसजनों तथा देशवासियों को प्रेरणा देता है। जयंती समारोह में अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, असितनाथ तिवारी, वैद्यनाथ शर्मा, डॉ स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों के पक्के घर का सपना हो रहा साकार : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ बिहार में गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना लगातार साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत बिहार में बड़ी संख्या में जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान मिलना गरीब कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पटना में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण हुए 2 लाख 35 हजार आवासों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन बिहार के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय अवसर है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह

चौहान और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लाभुकों को आवास की चाबी तथा नए चयनित लाभुकों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। संजय सरावगी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार के लिए 11 लाख 18 हजार 937 पक्के मकानों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा 13,427 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। इससे बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों गरीब परिवारों को अपने पक्के घर का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।

पूरे राज्य में 1.21 लाख से अधिक बसावटें पक्की ग्रामीण सड़कों से जुड़ीं

■ 1.20 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण पूरा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में ग्रामीण संपर्कता को सुदृढ़ बनाने की दिशा में ग्रामीण कार्य विभाग लगातार महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। राज्य के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों तक बारहमासी सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक 1,21,675 बसावटों को पक्की ग्रामीण सड़कों से जोड़ा जा चुका है। इन बसावटों को जोड़ने के लिए 1,20,948 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। राज्य में कुल 1,29,990 बसावटों को 1,34,704.13 किलोमीटर पक्की ग्रामीण सड़कों के माध्यम से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए अधिकांश लक्षित बसावटों तक सड़क संपर्क पहुंचाया जा चुका है। शेष 8,780 बसावटों को जोड़ने के लिए कार्रवाई प्रक्रियाधीन हैं।ग्रामीण कार्य विभाग का विशेष ध्यान उन बसावटों तक सड़क संपर्क पहुंचाने पर है, जो अब तक बारहमासी पक्की सड़कों से वंचित रही हैं। विभिन्न ग्रामीण सड़क योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन के माध्यम से इन क्षेत्रों को निकटवर्ती और प्रमुख सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर और निर्बाध सुविधा मिल सके।

इस अभियान को चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में 3,161 बसावटों को जोड़ने के लिए लगभग 9,264.54 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए योजनाओं के क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों और सड़क विस्तार की प्रक्रिया को लगातार गति दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इन योजनाओं के तहत आवश्यक वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करते हुए उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां सड़क संपर्क की आवश्यकता अधिक है।

ग्रामीण सड़क संपर्क के विस्तार से गांवों तक केवल आवागमन की सुविधा ही नहीं पहुंच रही है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच भी बेहतर हो रही है। विभाग का लक्ष्य राज्य की प्रत्येक पात्र बसावट को पक्की और बारहमासी सड़क से जोड़ते हुए ग्रामीण बिहार के विकास को और गति देना है।

नीतीश कुमार के महिला सशक्तिकरण की आभा से पूरा बिहार रोशन : ललन सर्राफ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना साहिब स्थित अरोड़ा हाऊस में महिला कैट, रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी, इनर व्हील क्लब ऑफ पटना सिटी द्वारा आयोजित महिला उद्योग मेला महाप्रदर्शनी का उद्घाटन ललन सर्राफ, एमएलसी, उपनेता, सत्तारुढ़ दल बिहार विधान परिषद् ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस मौके पर उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी देखी और उन उत्पादों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। श्री ललन सर्राफ ने इस मौके पर स्वावलंबी और आत्मनिर्भर महिला उद्यमियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने अपने दो दशकों के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण की जो अलख जगाई, आज उसकी आभा यहाँ देखने को मिली और ऐसी ही आभा से आज पूरा बिहार रोशन है।

उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों की क्षमता, उनका मनोबल और उनका आत्मविश्वास देखकर कहा जा सकता है कि बिहार को विकसित और समृद्ध राज्य बनने से अब कोई रोक नहीं सकता। अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने सबके बीच नई ऊर्जा के संचार के लिए श ललन सर्राफ के प्रति आभार प्रकट किया।

संक्षिप्त खबरें

पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव आज से

दरभंगा। सिंधी समाज के आराध्य देव पूज्य श्री झूलेलाल जी की आराधना एवं सामाजिक सौहार्द की भावना को समर्पित पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव का आयोजन शुक्रवार से होगा। पूज्य सिंधी पंचायत, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूज्य सिंधी पंचायत के मुखिया जगत लाल जुमनानी ने बताया कि महोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना, प्रभात फेरी, विशेष आरती, भजन संध्या, भंडारा एवं बाहराणा साहिब की शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। महोत्सव का शुभारंभ 21 अगस्त को सुबह चार बजे कटहलबाड़ी भंडार चौक स्थित श्री झूलेलाल मंदिर से प्रभात फेरी के साथ होगा। 22 अगस्त को दोपहर 12 बजे से श्रीराम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में चावल एवं काबुली चना का वितरण किया जाएगा। 23 एवं 24 अगस्त को विशेष आरती के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन संध्या आयोजित होगी। दोनों दिन रात्रि में भंडारा एवं प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 25 अगस्त को शाम चार बजे निकलने वाली बाहराणा साहिब की भव्य शोभायात्रा होगी। उन्होंने कहा कि महोत्सव धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करने का अवसर है।

दरौंदा में भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

सीवान/दरौंदा. भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के सीवान आगमन के दौरान गुरुवार को दरौंदा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। दरौंदा भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह उर्फ बबलू सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश देखने को मिला। स्वागत कार्यक्रम के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी पार्टी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और सक्रियता से लगातार मजबूत हो रहा है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों को और गति दी जाएगी तथा पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन हित में कार्य करने और पार्टी के कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद स्वागत कार्यक्रम में अशोक सिंह, शिवनंद सिंह, भीम सिंह, लक्ष्मण साह, जयमंगल सिंह, रामकृपाल राय, बिट्टू सिंह, संतोष सिंह, उमेश मिश्रा, नंदकिशोर चौहान, सुधांशु सिंह, छोटेलाल महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के साथ संगठनात्मक गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

बाल बंगरा में युवक से मारपीट सिर में लगे आठ टांके, एक गिरफ्तार जेल

सीवान/दरौंदा थाना क्षेत्र के बाल बंगरा गांव में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में युवक के सिर में गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल महाराजगंज ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसके सिर में आठ टांके लगाए। घटना को लेकर पीड़ित ने दरौंदा थाना में लिखित आवेदन देकर नामजद आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाने में दिए आवेदन के अनुसार, बाल बंगरा निवासी अजय कुमार साह (26) 19 अगस्त की दोपहर करीब दो बजे गांव में था। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने कमल कुमार (21), धर्मेंद्र प्रसाद (22), करुणा यादव (22) और हेरा यादव (23) समेत करीब 10 अज्ञात लोगों पर एकजुट होकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। आवेदन के मुताबिक, मारपीट के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से युवक का सिर फट गया और खून बहने लगा। घटना के बाद परिजन उसे अनुमंडलीय अस्पताल महाराजगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान सिर में आठ टांके लगाए। पीड़ित ने पुलिस से घटना की जांच कर आरोपितों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना के वास्तविक कारणों और लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत 17,579 आवास पूर्ण, लाभुकों को सौंपी गई आवास की चाबी

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्ण किए गए 2 लाख 35 हजार आवासों के गृह प्रवेश, आवास की चाबी तथा नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा बिहार राज्य को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण का लक्ष्य भी आवंटित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभुकों को स्वीकृति पत्र एवं गृह चाबी का वितरण किया गया।इसी कड़ी में दरभंगा समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती धर्मशिला गुप्ता, दरभंगा ग्रामीण विधायक श्री राजेश कुमार मंडल, जिलाधिकारी श्री कौशल कुमार, उप विकास आयुक्त श्री स्वप्निल सहित संबंधित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण पूरा कर चुके लाभुकों को गृह प्रवेश के लिए आवास की चाबी प्रदान की गई। वहीं, नए चयनित लाभुकों को आवास निर्माण के लिए स्वीकृति पत्र वितरित किया गया।दरभंगा सदर प्रखंड के लाभुकों रेणु देवी, दुखी कुमार यादव, नरगिस परवीन, फूल कुमारी, उमेश महतो, रंजीत महतो, विमल देवी एवं आरती देवी को राज्यसभा सांसद धर्मशिला गुप्ता, विधायक राजेश कुमार मंडल एवं जिलाधिकारी कौशल कुमार ने गृह प्रवेश के लिए आवास की चाबी प्रदान की इसी प्रकार बहादुरपुर प्रखंड के लाभुक राम प्रकाश यादव, राम बिनाय यादव, राम ललन सिंह, अजय सहनी, हरिश्चंद्र झा, राम पदारत झा, श्याम कुमार भारती, प्रीतम यादव, सुरेश शर्मा एवं शत्रुघ्न यादव को भी योजना के तहत गृह प्रवेश, आवास की चाबी एवं स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत दरभंगा जिले में अब तक 17 हजार 579 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को पक्का, सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने लाभुकों से आवास का बेहतर रखरखाव करने तथा सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ उठाने की अपील की।

डूबने से मृत रागिनी के परिजन को विधायक ने सौंपा चार लाख का चेक

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ जनतांत्रिक गठबंधन के सचेतक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने गुरुवार को बहेड़ी प्रखंड के दोहट नारायण गांव पहुंचकर पानी में डूबने से मृत रागिनी कुमारी के परिजनों को चार लाख रुपये की राहत राशि का चेक प्रदान किया। उन्होंने मृतका की मां नीलम देवी को आपदा राहत मद की राशि सौंपी और परिजनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बिहार की एनडीए सरकार आपदा-विपदा की हर घड़ी में आम लोगों के साथ खड़ी है। आपदा को रोकना संभव नहीं है, लेकिन सतर्कता एवं जागरूकता से दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। प्रो. चौधरी ने कहा कि सरकार समाज के अंतिम पायदान तक विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल सहित बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवार से कहा कि राहत राशि जीवन को पुनः पटरी पर लाने के लिए सरकार की ओर से सहायता के रूप में दी गई है। इसमें किसी बिचौलिए की कोई भूमिका नहीं है। मौके पर बेनीपुर प्रमुख चौधरी मुकुंद राय, जदयू युवा जिलाध्यक्ष राम शंकर सिंह, अंचल नाजिर संजीत कुमार, राजस्व कर्मचारी संजीत सुमन सहित कई जनप्रतिनिधि, भाजपा-जदयू कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

समरसता का संकल्प, कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ संत रविदास 650वीं जयंती वर्ष का अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा). संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष को सामाजिक समरसता का पर्व बनाने के लिए गुरुवार को कुशेश्वरस्थान पूर्वी में भव्य कलश यात्रा निकाली गई .बिहार सरकार के निर्देश पर चल रहे गुरु संत रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत यह यात्रा समाज में समानता और भाईचारे का संदेश लेकर निकली . यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि और आम लोग शामिल हुए ,भाजपा अध्यक्ष के सर पर कलश कलश लेकर संत रविदास के विचारों को जीवन में उतारने और समाज को एकजुट रखने का संकल्प लिया .यात्रा के दौरान जय गुरु रविदास के जयकारों से माहौल गूंजता रहा .जनप्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा कलश यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष रौशन कुमार राय, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद अशोक आनंद, बीडीओ प्रभाशंकर मिश्रा, जितेंद्र ठाकुर, विकास मित्र अवधेश सदा, रामभरोस सदा और अरविंद सदा समेत कई लोग मौजूद रहे . सभी ने कहा कि संत रविदास का जीवन हमें जाति-पाति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा सिखाता है .अभियान का दायरा सिर्फ यात्रा तक सीमित नहीं अभियान के अगले चरण में प्रखंड स्तर पर ह्लसंत रविदास विकास शिविरह्व लगाए जाएंगे . इन शिविरों में अनुसूचित जाति बहुल टोलों में जाकर लोगों को पेंशन, आवास, छात्रवृत्ति सहित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी . पात्र लोगों को लाभ दिलाने में मदद भी की जाएगी .युवाओं के लिए विशेष फोकस रखा गया है .जिला स्तर पर खेल, साइकिल रैली, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिता के साथ 3डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंडस्ट्री 4.0 पर कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा .18 से 20 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान का मकसद संत रविदास के समानता और समरसता के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को मिला सम्मान

शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहन देना समाज की प्राथमिकता : डॉ. गणेश कुमार पोद्दार

प्रात: किरण संवाददाता

बरौनी (बेगूसराय) ' बरौनी वैश्य पोद्दार समिति नगर परिषद् बरौनी के तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष अशोक पोद्दार ने की. समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया. इस अवसर पर मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. सम्मानित विद्यार्थियों में किशन आनंद, पिता घनश्याम पोद्दार, अक्षरा कुमारी, पिता अजीत कुमार पोद्दार तथा विद्यांशु कुमार, पिता प्रदीप कुमार सहित अन्य विद्यार्थी शामिल रहे. विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई. इस मौके पर डॉ. गणेश कुमार पोद्दार ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने से ही संभव है. प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है तथा अन्य बच्चों में भी मेहनत और सफलता की भावना पैदा करता है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का भी बोध होना चाहिए. समारोह में जिला अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, उपसचिव, कोषाध्यक्ष, उपकोषाध्यक्ष, संरक्षक, सलाहकार समिति के सदस्य, शिक्षक एवं समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे. अभिभावकों में भी अपने बच्चों के सम्मान को लेकर उत्साह देखने को मिला. समिति की ओर से सभी सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी गई. कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. वक्ताओं ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत कर समाज और परिवार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया. समारोह के अंत में सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

संत रविदास जयंती पर मंडल अध्यक्षों को वितरित किए गए कलश

अलीनगर(दरभंगा)। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा आयोजित समरसता दिवस के तहत नरमा स्थित भाजपा दरभंगा पूर्वी के जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह के आवासीय कार्यालय पर मंडल अध्यक्षों के बीच कलश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा दरभंगा पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों को कलश वितरित किए। इस अवसर पर विनय पासवान ने कहा कि कलश के माध्यम से मंडल स्तर पर पदयात्रा आयोजित कर संत रविदास जी के समानता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का जीवन एवं विचार सामाजिक समरसता और समानता की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज में व्याप्त भेदभाव एवं विभाजन को समाप्त किया जा सकता है। जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। भाजपा कार्यकर्ता पदयात्रा के माध्यम से समाज के सभी वर्गों से संवाद कर समरस समाज, सशक्त समाज के संकल्प को मजबूत करेंगे। मौके पर जिला महामंत्री शत्रुधन सहनी, सुधा देवी, प्रदीप प्रधान, नीरज कर्ण, लाल मुखिया, चंदन ठाकुर, रौशन राय, विंधनाथ झा, गंगा प्रसाद यादव, बैधनाथ प्रसाद सिंह, श्रवण झा, रामविलास भारती सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पौधा लगाने एवं लाभकारी कार्यक्रम की जानकारी देने हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के सिंघियाघाट के शिवनाथपुर स्थित नर्सरी परिसर से वन विभाग के कार्यक्रम के प्रचार प्रसार के लिए प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रोसड़ा वन क्षेत्र पदाधिकारी मनीष कुमार भारती, उप वन परिसर पदाधिकारी कुंदन कुमार तथा चंदन कुमार समाजसेवी प्रकाश उर्फ झुन्नू बीस सूत्री सदस्य मनोज कुमार, रामनाथ सिंह आदि ने झंडी दिखा कर रवाना किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाने के लिए बिहार सरकार की योजना कृषि वानिकी (अन्य प्रजाति) के पौधा लगाने हेतु लाभकारी कार्यक्रम चला रही है। इसमें मात्र 10 रुपये प्रति पौधा सुरक्षित राशि जमा करने के तीन बर्ष बाद सुरक्षित जमा राशि वापस कर दी जाएगी। कृषकों को 3 वर्ष पश्चात पौधों की 50 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तर जीवीता होने पर 60 रुपये प्रति पौधा अलग से दिए जाएंगे। तैयार पौधों पर किसानों का पूर्ण अधिकार होगा। इस योजना का गांव- गांव जा कर प्रचार के माध्यम से लोगो पौधा लगाने के लिए आकर्षित करेगा ! इस कार्यक्रम में आयोजक रामनाथ सिंह, अवध कुमार, राम पुकार महतो, राजेन्द्र प्रसाद, जगदीश सिंह, सुनील कुमार, सोनाक्षी प्रिया, पूजा कुमारी, मनीषा कुमारी, अंजली कुमारी, मंजू देवी, कंचन देवी, मीना शर्मा, सीमा देवी, सुरेश प्रसाद, राम खेलावन सिंह आदि थे।

बूढ़ी गंडक नदी में लापता किशोर का शव दूसरे दिन फुलवारिया उपलाते मिला

पुलिस के आने में बिलम्ब से आक्रोशित लोगों ने शव को रखकर पटपारा चौक किया जाम

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के बूढ़ी गंडक नदी के पटपारा घाट में बुधवार को बूढ़ी गंडक नदी में स्नान करने के दौरान लापता हुए किशोर का शव दूसरे दिन घटना स्थल से 4 किलोमीटर दूर फुलवरिया में उपलाते मिला।ग्रामीणों द्वारा लाश को बाहर निकाला गया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुँचने में बिलम्ब होने पर आक्रोशित लोगों ने समस्तीपुर-रोसड़ा पथ के एसएच 55 को पटपारा चौक पर लाश रखकर सड़क जाम कर दिया।करीब एक घंटा सड़क जाम रहने से राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इसके बाद पहुंची पुलिस लोगों को समझा बुझाकर जाम समाप्त करवाया एवं लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। विदित हो कि वैशाली जिला के सहदेव बुजुर्ग शेखोपुर निवासी बैजू सहनी का 12 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार पटपारा में नाना सहदेव सहनी के यहां आया था।बुधवार की सुबह वह पटपारा पुल के निकट बूढ़ी गंडक नदी में स्नान करने गया।इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया।घटना की सूचना प्रशासन को दी गई।एसडीआरएफ की टीम भी लाश की तलाश के लिए पहुंची परंतु देर संध्या तक लाश नहीं मिला।अगले दिन घटना स्थल से 4 किलोमीटर दूर फुलवरिया में नदी किनारे पानी में लाश उपलाते हुए मिला।जहां से ग्रामीणों द्वारा लाश को बाहर निकाला गया।

संसद में बनाए गए कानून की अवहेलना के लिए कांग्रेस पार्टी पर कार्रवाई हो : सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा. देश की मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की सोच और आचरण भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बोझ साबित हो रहा है। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में वंदे मातरम् पर लिया गया निर्णय एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों की भावना का अपमान है। राष्ट्रीय संप्रभुता के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की इस अराजक सोच के लिए कार्रवाई होनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सह लोकसभा में पार्टी के सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने वंदे मातरम् पर कांग्रेस पार्टी की सोच और नीतियों की जमकर भर्त्सना करते हुए कहा है कि कांग्रेस कार्यसमिति ने ह्ववंदे मातरम्ह्न के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने का जो फैसला लिया है, वह न केवल देशविरोधी है, बल्कि संसद के बनाए कानून की खुली अवहेलना भी है। उन्होंने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की इस देश विरोधी मानसिकता पर जमकर हमला करते हुए कहा है कि 1937 में महाज सांप्रदायिक तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस ने ही ह्ववंदे मातरम्ह्न के दो टुकड़े किए। वहीं से दो-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत मिली और देश का विभाजन हुआ। ह्ववंदे मातरम्ह्न के 150वें वर्ष पर मोदी सरकार ने यह ऐतिहासिक गलती सुधारी और पूर्ण गान को कानूनी स्वरूप दिया। लेकिन राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस फिर उसी वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के रास्ते पर आगे बढ़ रही है जो देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद डा ठाकुर ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि जाति, धर्म तथा दलीय सोच से ऊपर उठकर एकजुट हो कांग्रेस के इस तुष्टीकरण के खिलाफ आवाज बुलंद करें ताकि कांग्रेस की इस राष्ट्रविरोधी आचरण को करारा जवाब मिल सके।

एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण से बढ़ा प्रदूषण प्रदूषण नियंत्रण के ठोस उपाय की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। एकमीघाट से दरभंगा जंक्शन तक निमार्णाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर के कारण उत्पन्न यातायात संकट के साथ-साथ बढ़ते वायु प्रदूषण पर भारतीय चिकित्सा संघ, दरभंगा शाखा ने गंभीर चिंता जताई है। संघ के जिला उपाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर उड़ रही धूल और वाहनों के लंबे जाम से शहर की हवा लगातार प्रदूषित हो रही है। इसका सीधा असर आम लोगों, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि सुबह से देर शाम तक निमार्णाधीन मार्ग पर भारी जाम रहने के कारण वाहन लंबे समय तक खड़े रहते हैं, जिससे धुएं और धूल का स्तर बढ़ जाता है। अस्पताल रोड, लहेरियासराय, बलभद्रपुर, दोनार चौक एवं वीआईपी रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर स्थिति अधिक चिंताजनक है। अस्पतालों तक आने-जाने वाले मरीजों और एम्बुलेंस के लिए यह स्थिति स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौती बन रही है। उन्होंने प्रशासन एवं निर्माण एजेंसी से निर्माण स्थल पर नियमित पानी का छिड़काव, धूल नियंत्रण के लिए आवश्यक उपाय, निर्माण सामग्री को ढककर रखने, मलबे की समय पर सफाई तथा यातायात को सुचारु रखने की व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदूषण की नियमित निगरानी कर संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि विकास कार्य जरूरी है, लेकिन विकास के साथ पर्यावरण और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। निर्माण अवधि में प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय किए जाएं, ताकि शहरवासियों को जाम के साथ बढ़ते प्रदूषण की दोहरी समस्या का सामना नहीं करना पड़े।

करसौत पैक्स चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए तीन प्रत्याशी मैदान में

सीवान/दरौंदा. करसौत पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन अध्यक्ष पद के लिए एक और प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया। अनूप कुमार सिंह के नामांकन के साथ ही अध्यक्ष पद के लिए अब कुल तीन प्रत्याशी चुनाव मैदान में आमने-सामने हैं। इसके साथ ही करसौत पैक्स में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है और प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष पद के लिए पूर्व में दो प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। अंतिम दिन अनूप कुमार सिंह के नामांकन के बाद अध्यक्ष पद की तस्वीर स्पष्ट हो गई है। अब तीनों प्रत्याशियों के बीच सीधा चुनावी मुकाबला होगा। नामांकन के दौरान समर्थकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। वहीं, पैक्स प्रबंध समिति के सदस्य पद के लिए कुल 16 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें ललन सिंह, राजकरण सिंह, प्रशांत सिंह, बलिंदर मिश्रा, अजय सिंह, अनूप कुमार सिंह, रीना देवी, कौशल्या देवी, पूनम देवी, रामजन्म यादव, रामप्रवेश रावत, धर्मेंद्र चौहान, पूनम देवी, माला देवी, नीतीश कुमार एवं संगीना मांझी शामिल हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रत्याशियों की चुनावी गतिविधियां और तेज होने की उम्मीद है। गांवों में पैक्स चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मतदाता भी अध्यक्ष और सदस्य पद के प्रत्याशियों को लेकर अपने-अपने स्तर पर आकलन करने में जुट गए हैं। अब सभी की निगाहें नामांकन पत्रों की जांच और चुनावी प्रक्रिया के अगले चरण पर टिकी हैं।

सिवान सदर में धावा दल की कार्रवाई, दो बाल श्रमिक मुक्त

सिवान श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन के निर्देश पर गठित धावा दल ने गुरुवार को सिवान सदर प्रखंड के विभिन्न प्रतिष्ठानों में छापेमारी कर दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। दोनों बच्चों को दुकानों में काम करते हुए पाया गया था। कार्रवाई के बाद संबंधित नियोजकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। धावा दल ने श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सिवान सदर, मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू), स्थानीय थाना पुलिस एवं स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान, सिवान के सहयोग से दोनों बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया। मुक्त कराए गए बच्चों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति के समक्ष सुपुर्द कर दिया गया। अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुधांशु रंजन पांडे, प्रोग्राम मैनेजर भोला श्रीवास्तव, सीएसए स्वीटी कुमारी सिंह, सीएसडब्ल्यू धीरज सिंह समेत एएचटीयू के पुलिस पदाधिकारी एवं बल शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि बाल श्रम के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डीबीकेएन कॉलेज में राजीव गांधी को दी गई श्रद्धांजलि

विभूतिपुर/समस्तीपुर। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर डीबीकेएन. कॉलेज में एनएसयूआई द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र नेताओं और शिक्षकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।मौके पर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रत्याशी अमन कुमार और एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष विवेक विराट ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर क्रांति और युवाओं को 18 वर्ष में मतदान का अधिकार देकर सशक्त बनाया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में कॉलेज अध्यक्ष आदित्य कुमार, ललन यादव, नीतीश कुमार सहित कई शिक्षक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रो. अरुण कुमार भगत बने मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष

मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार के मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. अरुण कुमार भगत ने डॉ. अंजनी कुमार झा से पदभार ग्रहण किया। प्रो. भगत के विभागाध्यक्ष के कार्यकाल के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी। प्रो. अरुण कुमार भगत इस विभाग के संस्थापक विभागाध्यक्ष भी रहे हैं, साथ ही सीएसआईसीटी स्कूल के अधिष्ठाता भी रहे हैं। प्रो. अरुण कुमार भगत 06 वर्ष बिहार लोक सेवा आयोग में अपनी सेवा प्रदान कर पुनःश्च विभाग में आए हैं। उनकी 55 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित है। साथ ही दर्जनों शोध आलेख प्रकाशित है। 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया है। प्रो. भगत ने भारत सरकार के शिक्षा से संबंधित अनेक समितियों में अपनी सेवाएं प्रदान की है। प्रो. भगत ने विश्व हिंदी सम्मेलन में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए मॉरीशस और फिजी समेत कई अन्य देशों को यात्रा की है। प्रो. भगत कई विश्वविद्यालयों के विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के भी सदस्य रहे हैं। उनके आने से शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण है। उनके पद भार ग्रहण करते समय विभागीय शिक्षक डॉ. साकेत रमन, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. उमा यादव एवं शोधार्थी उपस्थित थे। प्रो. भगत को विभागीय शिक्षकों ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं की है।

आरपीसीएयू और आईपीएल फाउंडेशन के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर, 50 छात्रों के लिए अमृत इंटर्नशिप शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय और इंडियन पोटाश लिमिटेड की सीएसआर शाखा आईपीएल फाउंडेशन, नई दिल्ली के बीच बुधवार को टिकाऊ कृषि, क्षमता विकास, जलवायु परिवर्तन और अन्य क्षेत्रों में कार्य करने तथा छात्रों के लिए अमृत इंटर्नशिप शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।कार्यक्रम में डॉ. राजीव रंजन, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व मुख्य सचिव, तमिलनाडु और वरिष्ठ सलाहकार, आईपीएल फाउंडेशन मौजूद थे। इसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने की। समझौते के तहत, आईपीएल विश्वविद्यालय को टिकाऊ कृषि-इनपुट, जलवायु परिवर्तन, क्षमता विकास, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती और पोटाश के कुशल उपयोग पर सहयोग देगा। इसके अलावा इस समझौते के तहत संयुक्त अनुसंधान, स्थान-विशिष्ट तकनीकों का विकास, किसानों का प्रशिक्षण और छात्रों का क्षमता निर्माण करेगा।एमओयू की मुख्य विशेषता अमृत इंटर्नशिप कार्यक्रम है। इसके तहत, रावे (ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) कार्यक्रम के दौरान आरपीसीएयू के 50 छात्रों को अमृत इंटर्न के रूप में लिया जाएगा। प्रत्येक इंटर्न को 6,000 रुपये प्रतिमाह का स्टाइपेंड मिलेगा और आईपीएल के विशेषज्ञों द्वारा सीधे उनकी मेंटरिंग, निगरानी और मूल्यांकन किया जाएगा।इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि यह साझेदारी विश्वविद्यालय के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है।उन्होंने कहा, यह एमओयू आरपीसीएयू के लिए एक मील का पत्थर है।यह साझेदारी सिर्फ बुनियादी ढांचे के बारे में नहीं है, यह हमारे छात्रों और किसानों में निवेश के बारे में है। हम संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य और प्राकृतिक खेती, क्षमता विकास, टिकाऊ कृषि और अन्य क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। हमारा ध्यान संसाधनों को नुकसान पहुंचाए बिना कम से अधिक उत्पादन करने पर है। अमृत इंटर्नशिप के माध्यम से, हमारे 50 रावे छात्रों को वित्तीय सहायता और उद्योग मेंटरशिप के साथ फील्ड एक्सपोजर मिलेगा। वे गांवों में मृदा स्वास्थ्य और संतुलित उर्वरक पर काम करेंगे, टिकाऊ कृषि के राजदूत और कृषि-उद्यमी बनेंगे।आईपीएल फाउंडेशन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि यह समझौता उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटेगा।उन्होंने कहा कि आईपीएल फाउंडेशन टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आरपीसीएयू में आईपीएल को नवाचार के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है, जो रासायनिक भार को कम करेगा और मृदा जैविक कार्बन में सुधार करेगा। हम अगली पीढ़ी के कृषि-नेताओं का पोषण करना चाहते हैं।अमृत इंटर्नशिप के तहत, 50 छात्रों को हमारे द्वारा मेंटर किया जाएगा, उन्हें वास्तविक उद्योग अनुभव दिया जाएगा और उनकी प्रगति को ट्रैक किया जाएगा। हमने आरपीसीएयू को इसलिए चुना क्योंकि यह एक देश भर में अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा है जिसका काम सभी मंत्रालयों में पहचाना जाता है और यहां विकसित मॉडल को बड़े पैमाने पर देश भर में लागू करने की क्षमता है।एमओयू पर आरपीसीएयू के कुलसचिव डॉ. पी. के. प्रणव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्य सचिव तथा आईपीएल फाउंडेशन के सलाहकार डॉ. राजीव रंजन ने हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि सेंटर और इंटर्नशिप इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू हो जाएंगे।

लापरवाही पर जिला पदाधिकारी का सख्त एक्शन राजस्व कर्मचारी पर प्रपत्र के गठित करने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी ने मुशहरी अंचल के राजस्व कर्मचारी वीरेन्द्र राम पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए निलंबन की कार्यवाही प्रारंभ करने का दिया आदेश दिया है। वहीं, अंचल कार्यालय मोतीपुर के राजस्व कर्मचारी नागेन्द्र कुमार ठाकुर के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने हेतु आरोप पत्र प्रपत्र-क गठित कर अपर समाहर्ता विभागीय जांच को विभागीय कार्यवाही हेतु संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा है कि सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनियमितता एवं नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मुशहरी अंचल अन्तर्गत मौजा महम्मदपुर काजी थाना नम्बर-344, खाता नम्बर-381, खेसरा नम्बर-144 (क,ख,ग,घ) से संबंधित दाखिल खारिज वाद संख्या-7393/2025-26 हेतु दिए वसीयतनामा तथा व्यवहार न्यायालय द्वारा सत्यापित सच्ची प्रतिलिपि पूर्णतः भिन्न रहने के संबंध में राजस्व कर्मचारी द्वारा अपने कर्तव्यों के प्रति घोर शिथिलता, निष्क्रियता एवं विभागीय नियमों की अनदेखी करते हुए कार्य किया गया है एवं वसीयतनामा में भी छेड़छाड़ किया गया है। वर्तमान में राजस्व कर्मचारी का स्थानान्तरण पूर्वी चम्पारण में हो गया है। आयुक्त तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के आदेश के आलोक में जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर ने समाहर्ता पूर्वी चम्पारण को पत्र निर्गत कर यथाशीघ्र श्री वीरेन्द्र राम राजस्व कर्मचारी को निलंबन करने का अनुरोध किया गया है। वहीं, मोतीपुर अंचल के राजस्व कर्मचारी श्री नागेन्द्र कुमार ठाकुर के विरूद्ध भी विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। उनके विरुद्ध आरोप पत्र प्रपत्र-कगठन कर अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, मुजफ्फरपुर को विभागीय कार्यवाही के संचालन पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

बोचहां में चोरों का आतंक, एक ही रात स्कूल और पंचायत भवन को बनाया निशाना

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां प्रखंड अंतर्गत उनसर पंचायत में बेखौफ चोरों ने एक ही रात में दो सरकारी भवनों को निशाना बनाकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी। अज्ञात चोरों ने उच्च विद्यालय उनसर और पंचायत भवन का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। स्कूल से चोर कीमती इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर ले गए, जबकि पंचायत भवन में ग्रामीणों के जाग जाने के कारण चोरी का प्रयास विफल हो गया। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्वेता कुमारी ने बताया कि रात करीब एक बजे के बाद विद्यालय परिसर में तैनात सुरक्षा गार्ड के सो जाने का फायदा उठाकर चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़ दिया। इसके बाद वे विद्यालय के कमरे में घुस गए। चोरों ने वहां रखे दो इनवर्टर, दो बड़ी बैटरी और एक स्मार्ट टीवी चोरी कर लिया।

मुजफ्फरपुर में रोजगार शिविर 25 को, 40 पदों पर होगी नियुक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, मुजफ्फरपुर की ओर से 25 अगस्त को रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से गन्नीपुर स्थित अवर प्रादेशिक नियोजनालय परिसर में होगा।शिविर में निजी क्षेत्र की कंपनी क्वेस कॉर्प लिमिटेड, पटना की ओर से प्रशिक्षु परिचालक के पद पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इस पद के लिए कुल 40 रिक्तियां हैं। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता के रूप में 10वीं, 12वीं या औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यह जानकारी एक प्रेस नोट में दी गई है।चयनित अभ्यर्थियों को 13,088 से 18,000 रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। इसके अलावा भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, बीमा आदि सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। कार्यस्थल जमशेदपुर एवं अन्य स्थानों पर होगा। कंपनी की ओर से भोजनालय और परिवहन की सुविधा भी दी जाएगी।अभ्यर्थियों को शिविर में अपना बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, संबंधित शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं अंक पत्र तथा पासपोर्ट आकार के दो रंगीन फोटो लेकर आना होगा। रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का एनसीएस पोर्टल पर नियोजनालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। जिन अभ्यर्थियों का अभी तक नियोजनालय में पंजीकरण नहीं हुआ है, वे किसी भी कार्य दिवस को अवर प्रादेशिक नियोजनालय में पहुंचकर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय करियर सेवा के पोर्टल पर स्वयं नौकरी चाहने वाले के रूप में ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है। ऑनलाइन पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क है।नियोजनालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नियोजक निजी क्षेत्र का है। इसलिए नियुक्ति एवं सेवा की शर्तों के लिए संबंधित नियोजक स्वयं जिम्मेवार होगा। अवर प्रादेशिक नियोजनालय की भूमिका केवल सुविधा प्रदाता की होगी।

वाहन चोरी गिरोह का पदार्फाश, चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कटरा थाना क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल चोरी के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, कटरा थाना क्षेत्र के चंदौली में एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। नदी में पानी अधिक होने के कारण रास्ता अवरुद्ध था, जिसके चलते दुर्घटनाग्रस्त वाहन को स्थानीय चौकीदार के घर के बाहर रखा गया था। 18/19 अगस्त की रात अज्ञात चोर चौकीदार के दरवाजे से मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। घटना के संबंध में प्राप्त लिखित आवेदन के आधार पर कटरा थाना कांड संख्या 215/26 दर्ज किया गया। वाहन की बरामदगी और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के अनुश्रवण तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-01 के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवेक पासवान, निवासी सिंहवाड़ा, दरभंगा तथा विकास कुमार उर्फ बबन, निवासी कटरा, मुजफ्फरपुर को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ के दौरान घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है।

सुजनी कला से पिरोया गया आकर्षक लीचीपुरम आर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। लिच्छीपुरम सांस्कृतिक पुनर्जागरण अभियान के संस्थापक पर्यावरण विध सुरेश गुप्ता की पहल पर विनीता सिंह द्वारा सुजनी में लीचीपुरम आर्ट पिरोया गया है। शाही लीची की मिठास और अपनी विशिष्ट पहचान के लिए प्रसिद्ध मुजफ्फरपुर को सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से चल रहा लीचीपुरम सांस्कृतिक पुनर्जागरण अभियान अब लोकल प्राइड ग्लोबल राइडके संकल्प के साथ निरंतर नए सृजन की ओर बढ़ रहा है। लीची के वृक्षों के लगातार कटते जाने से जहां पर्यावरण प्रभावित हो रहा है, वहीं शहर की पहचान, अस्मिता और लीची से जुड़े स्थानीय रोजगार पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसी चिंता को सकारात्मक सृजन में बदलने के उद्देश्य से अभियान के अंतर्गत लीचीपुरम आर्ट के माध्यम से लीची की थीम पर आधारित विभिन्न उपयोगी, आकर्षक और कलात्मक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सुधा हस्त उद्योग की संस्थापक एवं सरस्वती पुत्री विनीता सिंह उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। बीपीएससी शिक्षक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद नौकरी से त्यागपत्र देकर उन्होंने कला और हस्तशिल्प के क्षेत्र को अपना समर्पण दिया है। कोच्चि कला, कैंडल वर्क के साथ-साथ सुजनी कला के माध्यम से वे लीचीपुरम आर्ट को नए आयाम दे रही हैं।विनीता सिंह द्वारा सुजनी कला के माध्यम से तैयार किए जा रहे लीचीपुरम आर्ट उत्पाद न केवल खूबसूरत हैं, बल्कि स्थानीय कला, हुनर और रोजगार को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने इसी भावना के साथ एक बेहद खूबसूरत लीचीपुरम आर्ट सुजनी शॉल तैयार की है, जिसमें लीची की मिठास और मीठी मुस्कान का सुंदर भाव पिरोया गया है। लीचीपुरम अभियान का मानना है कि स्थानीय उत्पाद को अपनाना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि किसी हुनरमंद हाथ को सहयोग देने का माध्यम है। आपके द्वारा खरीदा और उपयोग किया गया प्रत्येक स्थानीय उत्पाद किसी कलाकार के हाथ को काम, किसी परिवार को रोजगार और किसी चेहरे को मीठी मुस्कान दे सकता है।

अपहृत मुर्गी दाना कारोबारी छह घंटे में यूपी से सकुशल बरामद

मुजफ्फरपुर। शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के मिसकाट गली इलाके से मुर्गी दाना कारोबारी चंदन कुमार का अपहरण कर लिया गया। अपहरण के बाद बदमाशों ने कारोबारी की रिहाई के बदले स्वजन से 10 लाख रुपये की फिरौती मांगी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर कारोबारी की बरामदगी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी जांच के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान कारोबारी के उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद यूपी पुलिस के सहयोग से ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने करीब छह घंटे के भीतर उत्तर प्रदेश से कारोबारी को सकुशल बरामद कर लिया। बताया गया कि अपहरण के बाद बदमाश कारोबारी को यूपी ले गए थे और वहां एक खंडहरनुमा मकान में बंद करके रखा था। इस दौरान वीडियो कॉल के माध्यम से स्वजन को कारोबारी की पिटाई करते हुए दिखाया गया और 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। घटना के बाद कारोबारी के स्वजन काफी चिंतित हो गए। बुधवार को मामले की शिकायत मिठनपुरा थाने में की गई। इसके बाद थानेदार अजय कुमार ने मामले की जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने यूपी पुलिस से संपर्क कर संयुक्त रूप से कार्रवाई की और कारोबारी को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कार्रवाई पूरी होने के बाद अपहरण की पूरी घटना और आरोपितों की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। एसएसपी ने कारोबारी के सकुशल बरामद होने की पुष्टि की है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

पीडीएस दुकान से बड़ी मात्रा में शराब बरामद, डीलर समेत 2 गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्पाद विभाग की टीम ने सकरा थाना क्षेत्र में एक जनवितरण की दुकान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया है।इस सिलसिले में जनवितरण दुकानदार हमें दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को उत्पाद विभाग की टीम ने मनियारी थाना क्षेत्र स्थित काजीईड़ा टोल प्लाजा के समीप खडी शराब से भरी पश्चिम बंगाल नंबर वाले एक कंटेनर को पकड़ा। इस दौरान से तथा गिरफ्तार कंटेनर चालक समोद गिरी जो पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा निवासी हैं, की निशानदेही पर सकरा थाना क्षेत्र के गोपालपुर बघनगरी गांव स्थित जन वितरण प्रणाली दुकानदार रविकर कुमार की दुकान और गोदाम से विदेशी शराब के सैकड़ो कार्टन बरामद कर जब्त किया गया। विभागीय टीम ने इस मामले में पीडीएस दुकानदार रविकर कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। उत्पाद निरीक्षक प्रकाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिम बंगाल के नंबर वाले एक कंटेनर ट्रक में विदेशी शराब की एक बड़ी खेप लाई गई है, जो मनियारी थाना क्षेत्र स्थित काजी इंड़ा टोल प्लाजा के पास खड़ी है। सूचना मिलते ही उत्पाद विभाग की कई टीमों ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर सपन छापेमारी की। काजीईड़ा टोल प्लाजा पर की गई कार्रवाई के दौरान उत्पाद विभाग ने कंटेनर को जब्त कर लिया और उसमें लदी भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। मौके से कंटेनर चालक को भी गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा निवासी समोल गिरी के रूप में हुई। चालक ने उत्पाद विभाग की टीम को जानकारी दी कि इससे पहले शराब की बड़ी खेप गोपालपुर बघनगरी गांव में एक जनवितरण प्रणाली की दूकान में अनलोड की जा चुकी है। इस सूचना के आधार पर उत्पाद टीम ने तुरंत बताए गए ठिकाने पर दूसरी छापेमारी की। सकरा के गोपालपुर वहनगरी स्थित मकान पर जब छापेमारी की गई, तो वहां बने गोदाम से भी भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। मौके से शराब माफिया रविकर कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि रविकर कुमार जन वितरण प्रणाली का राशन दुकानदार है और दुकान की आड़ में शराब की तस्करी का अवैध कारोबार चला रहा था।

साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने वर्ष 2026 में साइबर अपराध के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए अब तक 128 प्राथमिकी दर्ज कर 19 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ,करीब 6.43 करोड़ रुपये की राशि होल्ड कराई गई है। साइबर हेल्प पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 864 मामलों में 814 का निष्पादन निर्धारित समय सीमा के भीतर किया गया। वहीं एमआरएम पोर्टल के जरिए बिना प्राथमिकी दर्ज किए 306 पीड़ितों के खातों में करीब 19.37 लाख रुपये वापस कराए गए।पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के दो मामलों में अंतरजिला गिरोह के अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निजी जानकारी बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश कर चार अंतरराज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के लिए स्कूल-कॉलेजों में कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

मुजफ्फरपुर का टॉप-10 वांछित बदमाश गिरफ्तार, दिल्ली भागने की थी तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने मुजफ्फरपुर जिले के टॉप-10 वांछित बदमाशों में शामिल राजेश भगत को पटना से गिरफ्तार किया है। वह करीब नौ साल से लूटपाट के एक मामले में फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पटना रेलवे स्टेशन के समीप से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। बताया गया कि राजेश भगत दिल्ली भागने की फिराक में था। इसी दौरान एसटीएफ को उसके पटना पहुंचने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने पटना रेलवे स्टेशन के आसपास कार्रवाई करते हुए उसे दबोच लिया। गिरफ्तार राजेश भगत मूल रूप से सनाथी गांव, थाना बोचहां, जिला मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ कुढ़नी थाना में वर्ष 2017 में लूटपाट का मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। लंबे समय से गिरफ्तारी नहीं होने के कारण उसका नाम मुजफ्फरपुर जिले के टॉप-10 वांछित बदमाशों की सूची में शामिल किया गया था। गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ की टीम उससे पूछताछ कर रही है। पूछताछ में पुलिस को अन्य बदमाशों और उनके संभावित ठिकानों के संबंध में जानकारी मिलने की बात सामने आई है। राजेश भगत की निशानदेही पर पुलिस टीम कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई जारी है।

त्योहार से पहले महंगी हुई चीनी-गुड़, प्याज के दाम भी चढ़े, बिगड़ा रसोई का बजट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। त्योहारों के मौसम से पहले रसोई का स्वाद महंगाई की मार से फीका पड़ता दिख रहा है। मुजफ्फरपुर के बाजारों में पिछले दस दिनों के दौरान चीनी के दाम में प्रति क्विंटल करीब 200 रुपये तक की तेजी दर्ज की गई है। बुधवार को थोक मंडी में चीनी का भाव 64 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया, जबकि खुदरा बाजार में उपभोक्ताओं को 66 रुपये प्रति किलो की दर से चीनी खरीदनी पड़ रही है। लगातार बढ़ रहे भाव के कारण कई थोक विक्रेता भी असमंजस में हैं। कारोबारी नए माल की खरीद से परहेज कर रहे हैं। बाजार में अचानक आई तेजी के पीछे कारोबारी स्पष्ट कारण नहीं बता पा रहे हैं। कुछ व्यापारियों ने मिलरों की मनमानी और प्रशासनिक निगरानी की कमी को इसकी वजह बताया है। थोक व्यापारी केदार प्रसाद के अनुसार महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से आने वाली चीनी के साथ चंपारण की चीनी के भाव में भी अंतर लगभग खत्म हो गया है। प्रमुख मिलरों की कीमतें करीब-करीब एक जैसी होने के कारण स्थानीय कारोबारियों के पास सस्ती चीनी उपलब्ध कराने का विकल्प नहीं बचा है। चीनी की कीमत बढ़ने के साथ गुड़ के भाव में भी तेज उछाल आया है। करीब दस दिन पहले 50 रुपये प्रति किलो बिकने वाला साधारण गुड़ अब खुदरा बाजार में 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इससे त्योहारों के दौरान मिठाई और अन्य खाद्य सामग्री बनाने की लागत बढ़ने की आशंका है। वहीं, रसोई के तड़के पर भी महंगाई का असर पड़ा है। प्याज के दाम में एक ही दिन में करीब 10 रुपये प्रति किलो की वृद्धि बताई जा रही है। मंगलवार तक खुदरा बाजार में 40 रुपये प्रति किलो बिक रहा प्याज बुधवार को 50 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गया। चीनी, गुड़ और प्याज के बढ़ते दामों ने मध्यमवर्गीय परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। गृहणियों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ने से महीने का खर्च संभालना मुश्किल हो रहा है। बाजार के जानकारों ने मांग और आपूर्ति में किसी बड़े बदलाव के बावजूद कीमतों में अचानक वृद्धि पर सवाल उठाए हैं। जमाखोरी और कृत्रिम अभाव पैदा किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। पुराने स्टॉक को रोककर ऊंचे दाम पर बेचने की चचाओं के बीच कालाबाजारी की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसे में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बाजार की निगरानी और जमाखोरी के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है।

गायघाट में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक, कालाबाजारी पर रहेगी कड़ी नजर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में गुरुवार को उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी खाद दुकानदारों ने भाग लिया। इस दौरान किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने, निर्धारित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करने और खाद की कालाबाजारी व जमाखोरी पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच किसानों को खाद उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था को लेकर तीखी बहस और गरमा-गरम चर्चा भी हुई। समिति ने स्पष्ट किया कि किसानों को उर्वरक के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए और दुकानदारों को निर्धारित नियमों के अनुसार ही खाद की बिक्री करनी होगी। बैठक में दुकानदारों को अपनी-अपनी दुकानों पर उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक और निर्धारित कीमत का बोर्ड प्रमुखता से लगाने का निर्देश दिया गया। साथ ही उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को तय मूल्य पर ही खाद उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। समिति ने कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायत मिलने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। अधिकारियों ने कहा कि उर्वरक की उपलब्धता और बिक्री व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी, ताकि किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद मिल सके।

कृषि विश्वविद्यालय में उत्पादकता और हरित विकास पर सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा और इंडियन पोटाश लिमिटेड फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को विद्यापति सभागार में प्रोडक्टिविटी एंड ग्रीन ग्रोथ पर सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव में इंडियन पोटाश लिमिटेड इंडस्ट्री पार्टनर के रूप में शामिल रहा।कॉन्क्लेव में कृषि वैज्ञानिकों, छात्रों, नीति निमार्ताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इस बात पर मंथन किया कि उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए, लेकिन पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ब्रह्म स्वरूप द्विवेदी, सचिव, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली और सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. राजीव रंजन, पूर्व मुख्य सचिव, तमिलनाडु सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्ष ता कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने की। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन, राष्ट्रगान और कुलगीत के साथ हुई। निदेशक छात्र कल्याण डॉ. रमन कुमार त्रिवेदी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि डीन पीजीसीए डॉ. मयंक राय ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. सत्य प्रकाश, सह-प्राध्यापक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी अब विकल्प नहीं बल्कि कृषि के भविष्य के लिए अनिवार्यता है। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि हम सबको कम संसाधन से अधिक उत्पादन करना होगा।यह एक चुनौती है कि प्राकृतिक संसाधनों को खराब किए बिना उत्पादकता कैसे बढ़ाई जाए। प्राकृतिक खेती, उर्वरकों का संतुलित उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और हरित तकनीकों को एक साथ चलना होगा।

मुजफ्फरपुर में 12 अपराधियों की सम्पत्ति होगी जब्त

मुजफ्फरपुर ।पुलिस ने जिले में अपराध और साइबर ठगी पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि गृह विभाग के निर्देश पर हत्या, लूट, रंगदारी, शराब तस्करी, नशे के कारोबार और साइबर फ्रॉड जैसे अपराधों में शामिल एक दर्जन अपराधियों को चिह्नित किया जा रहा है। एसएसपी ने जानकारी दी कि अब तक 12 अपराधियों की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इनमें से सात मामलों में न्यायालय से आदेश भी प्राप्त हो गए हैं, जबकि शेष मामलों में प्रक्रिया जारी है। अगले एक सप्ताह के भीतर अन्य चिह्नित अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव भी भेजा जाएगा।

मैठी टोल प्लाजा प्रबंधन के खिलाफ ट्रक चालक संघ ने खोला मोर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र स्थित मैठी टोल प्लाजा प्रबंधन की कथित मनमानी और नियमों की अनदेखी के खिलाफ ट्रक चालक एसोसिएशन संघ ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को संघ के सदस्यों ने गायघाट थाने पहुंचकर विरोध दर्ज कराया और लिखित शिकायत सौंपते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। संघ का आरोप है कि टोल प्रबंधन द्वारा निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए स्थानीय मार्गों पर अवैध बैरियर लगाए गए हैं और इन बैरियरों पर ट्रक चालकों से जबरन नकद राशि की वसूली की जा रही है। संघ के जिला सलाहकार सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि मैठी-पिलखी मार्ग पर हनुमान मंदिर, बेरुआ ढलान कट और मैठी चौक के समीप अवैध बैरियर लगाकर वाहनों को रोका जाता है। चालकों से कथित तौर पर जबरन राशि ली जाती है और इसके बदले कोई वैध रसीद नहीं दी जाती। राशि देने से इनकार करने पर चालकों के साथ बदसलूकी, मारपीट और छिनतई किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।ट्रक चालक एसोसिएशन ने इस पूरी व्यवस्था को एनएचएआई के कैशलेस और पारदर्शी टोल नियमों के विपरीत बताते हुए जांच की मांग की है।,गायघाट थानाध्यक्ष जेपी गुप्ता ने बताया कि ट्रक चालकों की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूसा में 33 .8 डिग्री पहुंचा अधिकतम तापमान पुरवा हवा के साथ उमस बरकरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र की ओर से 20 अगस्त 2026 के मौसम संबंधी आंकड़े जारी किए गए हैं। इसके अनुसार पूसा में अधिकतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। मौसम केंद्र के अनुसार सुबह सात बजे सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत और दोपहर दो बजे 80 प्रतिशत दर्ज की गई। अधिक आर्द्रता के कारण मौसम में उमस का प्रभाव बना रहा। पिछले 24 घंटे के दौरान पूसा में बारिश नहीं हुई। वर्षा 0.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान हवा की औसत गति 5.1 किलोमीटर प्रति घंटा रही और हवा की दिशा पुरवा रही। मौसम आंकड़ों के अनुसार वाष्पोत्सर्जन 3.2 मिलीमीटर दर्ज किया गया। तापमान में उतार-चढ़ाव और बारिश की स्थिति को देखते हुए किसानों को फसलों की जरूरत के अनुसार सिंचाई और अन्य कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

केजीबीभी में बंद आरओ सिस्टम पर भड़कीं एसडीओ, व्यवस्था सुधारने की सख्त हिदायत

मुजफ्फरपुर ।अनुमंडल पदाधिकारी मंगला कुमारी ने शहर स्थित आवासीय कस्तूरबा बालिका विद्यालय और बड़कागांव स्थित पीएनएस मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में पठन-पाठन, साफ-सफाई, पेयजल और छात्राओं के रहने की व्यवस्था का जायजा लिया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय विद्यालय में आरओ वाटर सिस्टम बंद मिलने पर एसडीओ ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मियों को व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने संचालक और वार्डन को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खराब आरओ सिस्टम को तत्काल ठीक कराने और छात्राओं को पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बीईओ गोविंद कुमार के साथ विद्यालय के किचन, आवासीय कमरों और अन्य व्यवस्थाओं की भी जांच की। उन्होंने सरकारी मानकों के अनुरूप छात्राओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। वहीं, पीएनएस मॉडल स्कूल में एसडीओ ने छात्राओं की कॉपियों की जांच कर उनके शैक्षणिक स्तर का जायजा लिया। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई से जुड़ी जरूरी बातें समझाई और विद्यालय प्रधान को सभी कक्षाओं का नियमित एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सम्पादकीय

जहाँ बुजुर्ग सम्मानित होते हैं वहीं संस्कार जीवित रहते हैं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः–भारतीय संस्कृति का यह अमर संदेश केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का आधार है। हमारे यहाँ माता-पिता और बुजुर्गों को परिवार का मुखिया, मार्गदर्शक और अनुभव का भंडार माना गया है। उनके चरणों में केवल आयु का सम्मान नहीं, बल्कि जीवन भर के संघर्ष, त्याग, अनुभव और संस्कारों का सम्मान निहित है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता में बुजुर्गों को परिवार की जड़ और समाज की आत्मा कहा गया है। प्रतिवर्ष 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य समाज में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमामय जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहीं संस्कार, संवेदनाएँ और मानवीय मूल्य जीवित रहते हैं। भारत की पारिवारिक व्यवस्था सदैव संयुक्त परिवार की परंपरा पर आधारित रही है। दादा-दादी और नाना-नानी केवल परिवार के सदस्य नहीं होते थे, बल्कि वे बच्चों के प्रथम शिक्षक, संस्कारों के संवाहक और अनुभव के जीवंत विद्यालय होते थे। रामायण, महाभारत, उपनिषद और लोककथाओं में भी गुरुजनों और वृद्धजनों के सम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। बुजुर्गों के अनुभवों ने अनेक पीढ़ियों को दिशा दी है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में परिवारों को संभाला, जीवन-मूल्यों का संरक्षण किया और समाज को स्थिरता प्रदान की। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने सामाजिक संरचना को बदल दिया है। आज अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन, उपेक्षा और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, वही हाथ आज सहारे की प्रतीक्षा करते दिखाई देते हैं। डिजिटल युग ने पीढ़ियों के बीच संवाद की दूरी भी बढ़ाई है। मोबाइल और इंटरनेट ने लोगों को जोड़ा अवश्य है, पर कई परिवारों में आपसी संवाद कम हुआ है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन एक गंभीर सामाजिक चिंता बनकर उभरा है। एक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी युवा आबादी नहीं होती, बल्कि उसके अनुभवी नागरिक भी होते हैं। वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन में संघर्ष, सफलता, असफलता और परिवर्तन के अनेक दौर देखे हैं। उनके अनुभव प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, कृषि, उद्योग, विज्ञान, पत्रकारिता और सामाजिक जीवन–हर क्षेत्र के लिए अमूल्य हैं। यदि समाज उनके अनुभवों का सम्मानपूर्वक उपयोग करे, तो अनेक समस्याओं का समाधान सहज रूप से मिल सकता है। बढ़ती आयु के साथ स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ स्वाभाविक हैं। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार, योग, व्यायाम और मानसिक सक्रियता वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक है भावनात्मक सुरक्षा। सम्मान, अपनापन, संवाद और परिवार का साथ ऐसी औषधियाँ हैं, जिन्हें कोई दवा प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। भारत में वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न कानून और योजनाएँ लागू हैं। वृद्धावस्था पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएँ, रियायतें और माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे प्रावधान उनकी गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। किंतु कानून तभी प्रभावी बनते हैं जब समाज संवेदनशील हो। आज की युवा पीढ़ी कल की वरिष्ठ पीढ़ी होगी। इसलिए बुजुर्गों के प्रति सम्मान केवल नैतिक कर्तव्य नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश भी है। यदि बच्चे अपने दादा-दादी और माता-पिता के साथ समय बिताएँ, उनकी बातें सुनें और उनके अनुभवों से सीखें, तो परिवारों में संस्कार और संवेदनाएँ दोनों सुदृढ़ होंगी। किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जो समाज अपने वृद्धजनों का सम्मान करता है, वही अपनी संस्कृति, इतिहास और नैतिक मूल्यों को सुरक्षित रख पाता है। आइए, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर यह संकल्प लें कि हम अपने घर के बुजुर्गों को केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सौभाग्य मानेंगे। उनके अनुभवों का सम्मान करेंगे, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे और उन्हें यह विश्वास दिलाएँगे कि वे आज भी परिवार और समाज के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। बुजुर्ग किसी परिवार का अतीत नहीं, बल्कि उसका जीवंत इतिहास होते हैं।

बुजुर्गों की अनदेखी नहीं, सम्मान ही सभ्य समाज की असली पहचान

कांतिलाल मांडोत

बुढ़ापा जीवन का वह पड़ाव है, जहां व्यक्ति को सबसे अधिक सहारे, सम्मान और अपनत्व की आवश्यकता होती है। जिस माता-पिता ने अपने बच्चों को पालने, पढ़ाने और उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, उसी उम्र में यदि उन्हें अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान या असुरक्षा का सामना करना पड़े तो यह केवल एक परिवार की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि पूरे समाज के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। इसी संवेदनशील मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने देश का ध्यान बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा की ओर खींचा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और भरण-पोषण सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए कानून के तहत ट्रिब्यूनल जरूरत पड़ने पर बच्चों को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने का आदेश दे सकता है। अदालत ने कहा कि बढ़ती उम्र का अर्थ असुरक्षा, उपेक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। यह टिप्पणी केवल कानूनी अधिकारों की व्याख्या नहीं है, बल्कि परिवार और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी है। बुजुर्ग परिवार की जिम्मेदारी नहीं, अनुभव की विरासत हैं आज के बदलते पारिवारिक ढांचे में बुजुर्गों को कई बार केवल देखभाल की जरूरत रखने वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाने लगता है। यह सोच बेहद संकीर्ण है। बुजुर्ग परिवार के अनुभव, परंपराओं, संस्कारों और सामूहिक स्मृतियों के वाहक होते हैं। उन्होंने अपने जीवन के उतार-चढ़ाव से जो अनुभव हासिल किए हैं, वह किसी किताब में आसानी से नहीं मिल सकता। एक समय था जब संयुक्त परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा होते थे। घर के निर्णयों में उनकी राय को महत्व दिया जाता था। आज परिवार छोटे हो गए हैं, कामकाज का दबाव बढ़ा है और पीढ़ियों के बीच संवाद कम हुआ है। इसका असर बुजुर्गों पर भी पड़ा है। कई वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद भावनात्मक अकेलेपन का सामना करते हैं और कई ऐसे भी हैं जिन्हें अपने ही घर में सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के सामने आया मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने अपने बेटे को मकान से बाहर करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन किया था। यह मकान उनकी स्वयं की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामले की संवेदनशीलता इस तथ्य से भी सामने आती है कि उनकी 81 वर्षीय मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसडीएम ने नवंबर 2022 में बेटे की बेदखली का आदेश दिया था। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट ने भी उस आदेश को बरकरार रखते हुए बेटे और बहू को मकान खाली करने का निर्देश दिया। हालांकि, बेटे और बहू ने इन आदेशों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द करते हुए माना था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं किया और स्पष्ट किया कि बुजुर्गों की सुरक्षा और भरण-पोषण के लिए आवश्यक होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। अदालत ने कानून के उद्देश्य को व्यापक रूप से देखते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना इस कानून की मूल भावना है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 का उद्देश्य केवल बुजुर्गों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं है। इसका व्यापक उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। कानून के तहत माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक अपने भरण-पोषण के लिए संतान से सहायता मांग सकते हैं।

पेपर लीक से पटना राजभवन तक, छात्रों के गुस्से में छिपी राजनीति का सच

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब पांच किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की तथा कुछ कार्यकताओं द्वारा पुलिस की ओर पानी की बोतलें फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक मार्च के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके पीछे बिहार के छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और उससे कहीं बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छिपी हुई है। असली सवाल यही है कि आखिर पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति का भी बड़ा गणित काम कर रहा है?

कांतिलाल मांडोत
लेखक

बिहार की राजनीति में छात्रों, परीक्षा और रोजगार का मुद्दा एक बार फिर सड़क पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब पांच किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की तथा कुछ कार्यकताओं द्वारा पुलिस की ओर पानी की बोतलें फेंके जाने की घटनाएं भी सामने आईं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को केवल एक राजनीतिक मार्च के रूप में देखना अधूरा होगा। इसके पीछे बिहार के छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और उससे कहीं बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा छिपी हुई है। असली सवाल यही है कि आखिर पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति का भी बड़ा गणित काम कर रहा है? सीवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से एके-47 से फायरिंग का मामला इस बहस को और गंभीर बना चुका है। उपलब्ध घटनाक्रम के अनुसार 25 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी ने एके-47 से गोलियां चलाईं। एक अन्य जवान के सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग करने की बात भी सामने आई। इसके बाद मामला राजनीतिक विवाद का विषय बन गया। राजद सांसद मनोज झा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया और बाद मं प्रशासनिक स्तर पर भी बदलाव हुए। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में एके-47 से चार राउंड हवाई फायरिंग होने की बात स्वीकार की, लेकिन यह भी कहा कि छात्रों को एके-47 की गोली नहीं लगी। यहीं से मामले का सबसे बड़ा सस्पेंस सामने आता है। एक तरफ पुलिस फायरिंग की घटना स्वीकार की जाती है, दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि छात्रों को गोली नहीं लगी। राजनीतिक दल इसे छात्रों पर गोली चलाने की घटना के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि सरकार फायरिंग को अलग संदर्भ में रख रही है। इसी अंतर ने मामले को केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक संघर्ष का मुद्दा बना दिया है। तेजस्वी यादव का राजभवन मार्च इसी राजनीतिक माहौल का विस्तार है। उन्होंने छात्रों के समर्थन में संघर्ष जारी रखने और युवाओं को रोजगार मिलने तक सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। उनका यह कहना कि वे जेल से डरने वाले नहीं हैं और सत्ता में आया व्यक्ति एक दिन सत्ता से बाहर जाता है, बताता है कि आंदोलन को राजद केवल छात्र मुद्दे तक सीमित नहीं रखना चाहता। पार्टी इसे सरकार की कार्यशैली, रोजगार और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ व्यापक राजनीतिक अभियान में बदलना चाहती है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष के लिए यह मुद्दा कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। बिहार में युवाओं की बड़ी आबादी प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहती है। परीक्षा की तारीखों में बदलाव, कथित पेपर लीक, नकल, भर्ती प्रक्रिया में देरी या परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल सीधे युवा मतदाता की चिंता से जुड़ते हैं। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए इस वर्ग की नाराजगी को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। यही वह जगह है जहां पेपर लीक का मुद्दा राजनीतिक रूप से बेहद ताकतवर बन जाता है। छात्र जब परीक्षा में बैठता है तो उसके सामने केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होता, बल्कि वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीद और नौकरी पाने का सपना होता है। यदि उसे लगता है कि परीक्षा की व्यवस्था निष्पक्ष नहीं है, तो उसकी नाराजगी स्वाभाविक रूप से सरकार की ओर जाती है। विपक्ष इसी नाराजगी को राजनीतिक आवाज देता है। लेकिन कहानी का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विपक्ष के लिए पेपर लीक और रोजगार का मुद्दा सरकार को घेरने का सबसे प्रभावी हथियार है, क्योंकि इसमें जाति, क्षेत्र या पार्टी की विचारधारा से ज्यादा युवा का भविष्य केंद्र में दिखाई देता है। सरकार के लिए यही मुद्दा सबसे संवेदनशील इसलिए है क्योंकि प्रशासनिक व्यवस्था की किसी भी कमी का राजनीतिक नुकसान सीधे युवाओं के बीच हो सकता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा एक परीक्षा केंद्र से निकलकर विधानसभा, संसद, सड़क और अब राजभवन तक पहुंच जाता है। इस राजनीति में छात्रों की वास्तविक परेशानी और राजनीतिक दलों का हित एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। छात्र न्याय और पारदर्शिता चाहते हैं, जबकि राजनीतिक दल उसी मांग को अपने पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब राजनीतिक बयानबाजी असली समाधान से बड़ी हो जाती है। यदि किसी परीक्षा में गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान, समयबद्ध कार्रवाई और प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल आरोप-प्रत्यारोप से छात्रों की समस्या हल नहीं होगी। पटना के मार्च ने यह भी दिखाया कि राजनीतिक प्रदर्शन का असर आम जनता पर पड़ता है। मार्च के कारण शहर के कई प्रमुख रास्तों पर यातायात बाधित हुआ और जाम में एंबुलेंस के फंसने की तस्वीरें सामने आईं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन अधिकार है, लेकिन उस अधिकार के साथ सार्वजनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान हो और पुलिस कार्रवाई आवश्यकता से अधिक कठोर न हो। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण सवाल किसी एक पार्टी की जीत या हार का नहीं है।

नैतिक चेतना का होता क्षरण

लेकिन इन सबसे ऊपर कुछ ऐसा है, जिसके बिना बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी अधूरी रह जाती है, वह है निर्मल नीयत, कठोर इच्छाशक्ति और जीवित नैतिक चेतना। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके पास मौजूद धन-संपत्ति से नहीं होती है, बल्कि इस बात से होती है कि अवसर मिलने पर उसने उसका उपयोग कैसे किया। अधिकार मिलने पर उसका व्यवहार कैसा रहा, शक्ति मिलने पर उसने कमजोरों के साथ कैसा व्यवहार किया और कठिन परिस्थितियों में उसने सही और गलत के बीच कौन-सा रास्ता चुना। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती है। कई बार ईमानदारी कठिन लगती है, सत्य बोलना नुकसानदेह दिखाई देता है और गलत रास्ता तत्काल लाभ का रास्ता नजर आता है। ऐसे समय में व्यक्ति को बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि उसकी अंतरात्मा दिशा देती है। यही अंतरात्मा जब जागरूक और सक्रिय रहती है तो नैतिक चेतना का निर्माण करती है। आज की दुनिया में सफलता को अक्सर उसके परिणामों से मापा जाता है। कितना पैसा कमाया, कितनी बड़ी नौकरी मिली, कितनी संपत्ति बनाई, कितनी प्रतिष्ठा हासिल की, इन सवालों ने सफलता की परिभाषा को सीमित कर दिया है। लेकिन असली प्रश्न यह होना चाहिए कि इन उपलब्धियों तक पहुंचने के लिए हमने क्या खोया और क्या बचाए रखा?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

जीवन में सफलता, पद, प्रतिष्ठा और पैसा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। ये जीवन को सुविधाजनक बनाते हैं, सामाजिक पहचान देते हैं और व्यक्ति के सपनों को पूरा करने में सहायक होते हैं। लेकिन इन सबसे ऊपर कुछ ऐसा है, जिसके बिना बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी अधूरी रह जाती है, वह है निर्मल नीयत, कठोर इच्छाशक्ति और जीवित नैतिक चेतना। मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके पास मौजूद धन-संपत्ति से नहीं होती है, बल्कि इस बात से होती है कि अवसर मिलने पर उसने उसका उपयोग कैसे किया। अधिकार मिलने पर उसका व्यवहार कैसा रहा, शक्ति मिलने पर उसने कमजोरों के साथ कैसा व्यवहार किया और कठिन परिस्थितियों में उसने सही और गलत के बीच कौन-सा रास्ता चुना। जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होती है। कई बार ईमानदारी कठिन लगती है, सत्य बोलना नुकसानदेह दिखाई देता है और गलत रास्ता तत्काल लाभ का रास्ता नजर आता है। ऐसे समय में व्यक्ति को बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि उसकी अंतरात्मा दिशा देती है। यही अंतरात्मा जब जागरूक और सक्रिय रहती है तो नैतिक चेतना का निर्माण करती है। आज की दुनिया में सफलता को अक्सर उसके परिणामों से मापा जाता है। कितना पैसा कमाया, कितनी बड़ी नौकरी मिली, कितनी संपत्ति बनाई, कितनी प्रतिष्ठा हासिल की, इन सवालों ने सफलता की परिभाषा को सीमित कर दिया है। लेकिन असली प्रश्न यह होना चाहिए कि इन उपलब्धियों तक पहुंचने के लिए हमने क्या खोया और क्या बचाए रखा? यदि किसी व्यक्ति ने अपार धन अर्जित किया, लेकिन उसके लिए उसे अपने सिद्धांत बेचने पड़े, संबंधों को कुचलना पड़ा, दूसरों का अधिकार छीनना पड़ा और अपनी अंतरात्मा को दबाना पड़ा, तो उसकी सफलता बाहर से भले ही चमकदार दिखाई दे, भीतर से वह खोखली है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति सीमित साधनों में रहते हुए भी ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ जीवन जीता है तो उसकी उपलब्धियां भले ही कम दिखाई दें, लेकिन उसका जीवन अधिक सार्थक होता है। वास्तविक विजय केवल मंजिल हासिल करना नहीं है, बल्कि मंजिल तक पहुंचते हुए अपने चरित्र को सुरक्षित रखना है। पद व्यक्ति को अधिकार देता है, लेकिन चरित्र उसे सम्मान दिलाता है। पैसा सुविधाएं खरीद सकता है, लेकिन विश्वास नहीं। सत्ता आदेश मनवा सकती है, लेकिन आत्मीयता पैदा नहीं कर सकती। किसी व्यक्ति के पास कितना है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वह कैसा है। चरित्र का निर्माण किसी एक दिन में नहीं होता है। यह छोटे-छोटे निर्णयों से बनता है। कोई देख नहीं रहा हो, तब भी सही काम करना, अपने लाभ के लिए किसी दूसरे के अधिकार का हनन न करना, गलती होने पर उसे स्वीकार करना, कमजोर व्यक्ति के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार करना और कठिन परिस्थितियों में भी सिद्धांतों से समझौता न करना, यही चरित्र की वास्तविक परीक्षा है। व्यक्ति के शब्द उसके व्यक्तित्व का परिचय दे सकते हैं, लेकिन उसके कर्म उसकी वास्तविक पहचान बताते हैं। इसलिए जीवन में शब्दों से अधिक कर्मों की सच्चाई महत्वपूर्ण है। दुनिया में कानून हैं, अदालतें हैं, संस्थाएं हैं और सामाजिक नियम हैं। ये सभी मनुष्य के व्यवहार को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन इनके बाहर भी एक ऐसी अदालत है, जहां व्यक्ति स्वयं अपना न्यायाधीश होता है। यह अदालत है ह्लअंतरात्मा की अदालतह्व। कई बार व्यक्ति कानून से बच जाता है, समाज की नजरों से भी बच जाता है, लेकिन अपनी अंतरात्मा से नहीं बच पाता है। रात की शांति में जब वह अपने निर्णयों के बारे में सोचता है, तब उसके भीतर से उठने वाली आवाज ही बताती है कि उसने सही किया या गलत। यही आवाज नैतिक चेतना की आधारशिला है। यदि व्यक्ति लगातार इस आवाज को दबाता रहे तो धीरे-धीरे उसकी संवेदनशीलता कम होने लगती है। गलत काम सामान्य लगने लगता है और सही काम कठिन। यही नैतिक पतन की शुरूआत है। नैतिक चेतना का क्षरण अचानक नहीं होता है। इसकी शुरूआत अक्सर छोटे समझौतों से होती है। पहले व्यक्ति छोटी गलती को यह कहकर नजरअंदाज करता है कि इससे किसी का क्या नुकसान होगा। फिर वही गलती बड़ी होती है। धीरे-धीरे व्यक्ति गलत काम के लिए तर्क खोजने लगता है। अंततः वह गलत को गलत मानना ही बंद कर देता है। यहीं सबसे बड़ा खतरा पैदा होता है। जब मनुष्य अपने गलत निर्णयों को सही ठहराने के लिए तर्कों का सहारा लेने लगे, तब समस्या केवल उसके व्यवहार में नहीं रहती है, बल्कि उसकी सोच में प्रवेश कर जाती है। नैतिक पतन की सबसे भयावह स्थिति वह है जब अंतरात्मा गलत को देखकर भी मौन हो जाए। आज विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। संचार की गति बढ़ी है, सूचनाएं हमारी मुट्ठी में हैं और दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। लेकिन इसी दौर में एक सवाल लगातार बड़ा होता जा रहा है कि क्या हमारी तकनीकी प्रगति के साथ हमारी नैतिक प्रगति भी हुई है? कई क्षेत्रों में इसका उत्तर संतोषजनक नहीं दिखाई देता है। भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, हिंसा, स्वार्थ, झूठ, सामाजिक असहिष्णुता, पर्यावरण की उपेक्षा, डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी की कमी जैसी समस्याएं केवल कानून की कमजोरी का परिणाम नहीं हैं। इनके पीछे नैतिक चेतना का कमजोर होना भी एक बड़ा कारण है। जब व्यक्ति केवल यह सोचता है कि मुझे क्या मिलेगा, तब समाज पीछे छूट जाता है।

स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है। विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती। शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं–उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि ह्लबच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?ह्व पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके? ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है। विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है।भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए ढडउरड अूङ, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

हत्याकांड में संलिप्त 01 अन्य अभियुक्त रामप्रकाश राय उर्फ लालू सिंह गिरफ्तार

दिनांक-15.08.26 को जनताबाजार थाना को हत्या के संबंध में लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें मृतक के परिजन द्वारा बताया गया कि दिनांक-14.08.26 को ग्राम-धमसर टोला बगौछिया निवासी रोहित कुमार, पिता-जिअत राम, साकिन-धमसर टोला बगौछिया, थाना-जनताबाजार, जिला-सारण को 03 व्यक्तियों द्वारा बुलाकर अपने साथ ले गए तथा जगतपुर तरवारा चंवर के समीप धारदार चाकू से उनकी हत्या कर दी गई। इस संबंध में मृतक के परिजन के लिखित आवेदन के आधार पर जनताबाजार थाना कांड संख्या-230/26, दिनांक-15.08.26, धारा-103 (1) / 3 (5) बी०एन०एस० एवं3() (9) (२)/3(2)(५) एसी०सी०/ एसी०एटी० एक्ट दर्ज कर किया गया। कांड के तकनीकी अनुसंधान, वैज्ञानिक साक्ष्यों एवं प्राप्त आसूचनाओं के आधार पर जनताबाजार थाना पुलिस टीम द्वारा हत्याकांड का में संलिप्त 02 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था। इसी क्रम में दिनांक-19.08.26 को छापेमारी के दौरान घटना में संलिप्त 01 अप्राथमिकी अभियुक्त रामप्रकाश राय उर्फ लालू सिंह, पिता-स्व० रामप्रवेश राय, साकिन-बगौछिया, थाना-जनताबाजार, जिला-सारण को गिरफ्तार किया गया। अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः- 1. रामप्रकाश राय उर्फ लालू सिंह, पिता-स्व० रामप्रवेश राय, साकिन-बगौछिया, थाना-जनताबाजार, जिला-सारण। टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी, थानाध्यक्ष जनताबाजार थाना एवं थाना के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी।

समाजसेवी मथुरा प्रसाद की पुण्यतिथि मनी

इसुआपुर। इसुआपुर गांव के समाजसेवी स्वर्गीय मथुरा प्रसाद की 23वीं पुण्यतिथि गुरुवार को मनाई गई। इस मौके पर इसुआपुर प्लस टू तथा मिडिल स्कूल इसुआपुर के समीप स्थित उनके स्मारक परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के सैकड़ों जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता तथा गणमान्य लोगों ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण व फूल माला चढ़ा कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पूर्व स्मारक स्थल पर दर्जनों विद्वान पंडितों द्वारा सुंदरकांड का पाठ पढ़ा गया। वहीं भजन-कीर्तन के कार्यक्रम भी हुए। श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व प्रमुख मुखिया प्रतिनिधि वरीय अधिवक्ता हरेंद्र सिंह, मुखिया अजमल रहमानी, सरपंच प्रतिनिधि राजेश सिंह कुशवाहा, डॉक्टर विजय किशोर प्रसाद, रामचंद्र प्रसाद, राजेश्वर प्रसाद, अमरनाथ प्रसाद, मनोज प्रसाद, संजय प्रसाद, रजनीश रंजन तिवारी, अमित कुमार, संतोष कुमार सिंह मुख्य रूप से शामिल थे।

राजेंद्र कॉलेज में स्टाफ काउंसिल की बैठकः शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों की समस्याओं पर मंथन

छपरा। राजेंद्र कॉलेज परिसर में प्रभारी प्राचार्य प्रो. संजय कुमार की अध्यक्षता में स्टाफ काउंसिल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महाविद्यालय के शैक्षणिक उन्नयन, बुनियादी ढांचे के विकास तथा शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के सेवा संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के आरंभ में प्रभारी प्राचार्य प्रो. संजय कुमार ने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में महाविद्यालय की मौजूदा स्थिति का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने शैक्षणिक व्यवस्था, प्रयोगशालाओं एवं कक्षाओं के आधुनिकीकरण सहित विभिन्न प्रशासनिक समस्याओं के स्थायी व समयबद्ध समाधान का खाका पेश किया और संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए सभी के साझा प्रयासों पर बल दिया। इसके पश्चात शिक्षक संघ के सचिव डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कक्षाओं व प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण, बीसीए और बीबीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने, विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शिक्षकों के बकाया वेतन के त्वरित भुगतान की मांग उठाई। साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा चिकित्सा अवकाश और अर्जित अवकाश के दौरान वेतन कटौती की प्रक्रिया पर रोक लगाने का आग्रह किया। शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री हरिहर मोहन ने कर्मचारियों की समस्याओं को सामने रखते हुए लंबित प्रोन्नति और वेतनान्तर का भुगतान, सामूहिक बीमा राशि न्यायोचित भुगतान, कार्यस्थल पर बेहतर बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और सेवा शर्तों से जुड़े विषयों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। बैठक में कर्मचारियों के प्रति विश्वविद्यालय की उदासीनता जिसके कारण बढ़ते मुकदमे की संख्या पर चिंता व्यक्त की गई। उपस्थित अन्य शिक्षकों व कर्मियों ने भी अपने सुझाव साझा किए। प्राचार्य प्रो. संजय कुमार ने सभी को आश्वस्त किया कि महाविद्यालय स्तर की समस्याओं का त्वरित समाधान निकाला जाएगा तथा विश्वविद्यालय स्तर के मामलों को सक्षम प्राधिकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

सूर्य घर योजना को गति देने में जुटा जिला प्रशासन, गांव-गांव चलेगा जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जिले में गति देने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं संबंधित प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ हाइब्रिड मोड में बैठक हुई। बैठक में योजना की प्रगति, आवेदन सृजन, लंबित ऋण आवेदनों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की स्थिति की समीक्षा की गई।

जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का लाभ अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव और घर-घर जागरूकता अभियान चलाया जाए। विशेष रूप से 200 यूनिट या उससे अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं की पहचान कर उन्हें योजना की जानकारी देने और शिविरों के माध्यम से आवेदन कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने विकास मित्र, आशा कार्यकर्ता, जीविका कर्मी, पंचायत रोजगार सेवक सहित पंचायत स्तर के सभी कर्मियों को अभियान में सक्रिय रूप से शामिल करने का निर्देश दिया। इन कर्मियों के माध्यम से लोगों को रूफटॉप सोलर, वित्तीय सहायता, सब्सिडी तथा आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। बैठक में बैंकिंग व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। डीएम ने बीडीओ को अपने क्षेत्र के बैंकर्स के साथ नियमित समन्वय बैठक करने तथा लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों का बैंकवार अनुश्रवण कर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2 लाख तक के ऋण के मामलों में सिबिल स्कोर एवं आईटीआर को लेकर प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही कार्रवाई होनी चाहिए और अनावश्यक अड़चन नहीं डाली जानी चाहिए।

जिला पदाधिकारी ने सारण जिले को मिले 19 हजार के लक्ष्य के अनुरूप प्रखंडवार लक्ष्य आवंटित करने का निर्देश दिया। धीमी प्रगति वाले प्रखंडों के अधिकारियों को ठोस कार्ययोजना बनाकर अभियान में तेजी लाने को कहा गया, जबकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों की कार्य-रणनीति को अन्य क्षेत्रों में लागू करने पर भी जोर दिया गया। डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए जागरूकता, आवेदन, ऋण स्वीकृति और सोलर रूफटॉप स्थापना की पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जेई उपस्थित रहे।

नई जमाबंदियों पर FR-ID सृजन में तेजी के निर्देश

- 25 अगस्त तक विशेष अभियान, प्रभारी पदाधिकारी खुद क्षेत्र में उतरकर करेंगे निगरानी

छपरा। नई जमाबंदियों के विरुद्ध FR-ID सृजन की धीमी प्रगति पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 25 अगस्त तक विशेष अभियान चलाकर अधिकतम ऋक्र-कळ सृजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल कार्यालयों में बैठकर समीक्षा करने से लक्ष्य हासिल नहीं होगा, बल्कि प्रखंडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी स्वयं क्षेत्र में जाकर वास्तविक स्थिति की समीक्षा करें और धीमी प्रगति वाले क्षेत्रों में तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई कराएं। जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को सभी प्रखंडों के वरीय प्रभार वाले पदाधिकारियों एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ हाइब्रिड मोड में बैठक आयोजित हुई। इसमें नई जमाबंदियों के विरुद्ध FR-ID सृजन, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मध्याह्न भोजन योजना तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सामने आया कि जिले में लगभग 2.18 लाख नई जमाबंदियों के विरुद्ध अब तक 1.58 लाख ऋक्र-कळ ही सृजित किए गए हैं। करीब 60 हजार जमाबंदियों के विरुद्ध ऋक्र-कळ लंबित रहने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को अभियान चलाकर लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। डीएम ने कृषि विभाग की पूरी टीम को नई जमाबंदियों की सूची उपलब्ध कराकर संबंधित कर्मियों को क्षेत्र में भेजने का निर्देश दिया। कर्मी डोर-टू-डोर संपर्क कर पात्र लाभुकों की पहचान करेंगे तथा FR-ID सृजन की प्रक्रिया को गति देंगे। उन्होंने कहा कि म्यूटेशन एवं परिमार्जन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमाबंदी सृजन के साथ FR-ID जनरेशन भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। न्यूनतम FR-ID सृजन करने वाले प्रखंड कृषि पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में डीएम ने वरीय प्रभारी पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रखंडों का नियमित क्षेत्र भ्रमण कर ऋक्र-कळ, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और MDM की जमीनी स्थिति जांचने को कहा। विद्यालयों में बच्चों को दिए जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की स्वयं जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा में ऐसे केंद्रों को चिन्हित करने को कहा गया, जो पूरे माह में मात्र एक से दस दिन संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों की वास्तविक स्थिति की क्षेत्रीय जांच कर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी लक्ष्य आधारित एवं परिणामोन्मुखी तरीके से कार्य करें। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में किसी भी स्तर की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस ने मनाया सद्भावना दिवस, निकाली सद्भावना यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। आधुनिक भारत के निर्माता, कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति के अग्रदूत तथा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 82वीं जयंती सह सद्भावना दिवस गुरुवार को सारण जिला कांग्रेस कमिटी, छपरा के तत्वावधान में कांग्रेस भवन, साधनापुरी में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सारण जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ. शंकर चौधरी एवं सोनपुर जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार राय ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम से पूर्व कांग्रेस भवन, साधनापुरी से सद्भावना यात्रा निकाली गई, जो नगर पालिका चौक होते हुए थाना चौक तक पहुंची। यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी अमर रहें, प्रेम, एकता और भाईचारा जिंदाबाद तथा सामाजिक सद्भाव जिंदाबाद के नारे लगाए। कांग्रेस भवन में आयोजित जयंती समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. शंकर चौधरी ने कहा कि राजीव गांधी ऐसे दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत को आधुनिक एवं प्रगतिशील राष्ट्र बनाने का सपना देखा। कंप्यूटर, सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार के क्षेत्र में नई सोच के साथ उन्होंने देश को विकसित भविष्य की ओर ले जाने का प्रयास किया। उनका विश्वास था कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसके छात्र, युवा और प्रतिभाएं हैं। सोनपुर जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार राय ने कहा कि वर्तमान समय में देश को आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता की सबसे अधिक जरूरत है। जाति, धर्म और भाषा के नाम पर समाज को बांटने वाली सोच से ऊपर उठकर इंसानियत और भारतीयता को मजबूत करना होगा। यही राजीव गांधी के सपनों को साकार करने की दिशा में सार्थक कदम होगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. कामेश्वर प्रसाद सिंह ह्यविद्वानह्न ने कहा कि राजीव गांधी जयंती सह सद्भावना दिवस पर हम सभी को ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए, जो शिक्षित, वैज्ञानिक सोच वाला, आधुनिक और मजबूत हो तथा जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान, समान अवसर और न्याय मिले। यही राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष डॉ. शंकर चौधरी, सुधीर कुमार राय एवं अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ कांग्रेसजनों को राजीव रत्न सम्मान प्रदान करने की शुरूआत की गई। इस दौरान डॉ. कामेश्वर प्रसाद सिंह विद्वान, प्रो. चंद्रिका यादव, प्रो. जयराम सिंह, मनोज भारद्वाज सहित करीब 15 वरिष्ठ कांग्रेसजनों को माला, अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ह्यभारद्वाजह्न, प्रो. चंद्रिका प्रसाद यादव, प्रो. जयराम सिंह, सुनील कुमार सिंह, केदारनाथ सिंह, अब्दुल कादिर खान, शैलेश कुमार सिंह, सुनीता मिश्रा, हरेश यादव, राहुल कुमार यादव, शिवबालक सिंह, जितेंद्र सिंह, मालिक प्रसाद यादव, लालबाबू गिरि, मनोज पांडे, मनोज कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, फिरोज एकबाल, प्रो. राजेंद्र सिंह, मेक्यानिक प्रसाद, ब्रिजानंद पाठक, लालबाबू सिंह, तारकेश्वर राम, तरुण तिवारी, डॉ. आजाद ब्रजेंद्र, विमल तिवारी, कन्हैया मिश्रा, कुमार विशाल सिंह, गिरजा प्रसाद यादव, धर्मेंद्र कुमार धरम, सिद्धांत कुमार, नरूल हक सहित दर्जनों कांग्रेसजन उपस्थित थे।

प्रखंड में मनाया गया शहीद जयमंगल महतो का 85वां शहादत दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। प्रखंड के वैष्णो देवी गुफा मंदिर सभागार में गुरुवार को शहीद जयमंगल महतो का 85वां शहादत दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय ने की। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद जयमंगल महतो के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई। उपस्थित लोगों ने जयमंगल महतो अमर रहें, भारत माता की जय के नारे लगाए। मुख्य अतिथि इब्छ राजीव कुमार ने कहा कि देश की आजादी में ऐसे वीर सपूतों का बड़ा योगदान है। इन्हीं लोगों की कुर्बानी की बदौलत आज हम आजाद देश में चैन से जी रहे हैं। पूर्व प्राचार्य अम्बिका राय ने कहा कि भारत के इतिहासकार निष्पक्ष नहीं रहे। आजादी की लड़ाई में झलकारी बाई, बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, बांक चमार, नीलाम्बर-पीताम्बर जैसे दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग के शहीदों का नाम इतिहास से गायब है। सारण के शहीदों में जयमंगल महतो का नाम भी शामिल है। इन्होंने अमनौर की रक्षा के लिए अंग्रेजों से तीर-धनुष लेकर लड़ते हुए 20 अगस्त 1942 को शहादत दी। 19 नवंबर 2017 को दैनिक भास्कर की आशा जिंदगी पत्रिका में छपी खबर के बाद लोग इनके बारे में जागरूक हुए। उन्होंने जिला प्रशासन से अमनौर में शहीद की आदमकद मूर्ति स्थापित करने की मांग की। पूर्व मुखिया विजय कुमार विद्यार्थी ने कहा कि हम शहीदों की शहादत को मिटने नहीं देंगे और मूर्ति स्थापना के लिए संघर्ष करेंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला पार्षद अमरेंद्र बैठा, मंडल अध्यक्ष अभिषेक कुमार, युवा नेता शैलेंद्र सिंह कुशवाहा, मेघनाथ प्रसाद, समाजसेवी पंकज यादव, इब्छ विकास महतो, जनराज नेता कुलदीप महासेठ सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। अगस्त क्रांति 1942 के दौरान 17 अगस्त को अंग्रेज सैनिक मढौरा के महता गाछी में गोलीबारी कर रहे थे। इसकी सूचना पर गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने 5 कनाडिया सैनिक और 1 यूरोपियन की हत्या कर शव मही नदी में डुबो दिया था। 20 अगस्त को अंग्रेज अपने सैनिकों की खोज में अमनौर आ रहे थे। इसी बीच जयमंगल महतो जंगल में मवेशी चरा रहे थे। गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले जयमंगल ने अंग्रेजों को आते देख तीर-धनुष उठा लिया और तीरों की बौछार शुरू कर दी। कई अंग्रेज घायल हो गए। इसी दौरान एक अंग्रेज अफसर ने गोली चलाकर उन्हें शहीद कर दिया। उन्होंने गांव की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, इस मौके पर अम्बिका राय, पैक्स अध्यक्ष राजद नेता विजय कुमार विद्यार्थी युवा नेता शैलेन्द्र सिंह कुशवाहा, बीस सूत्री अध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह राजद नेता देवेंद्र प्रसाद सिंह पूर्व जिला पार्षद अमरेन्द्र कुमार बैठा, कुलदीप महासेठ संतोष सिंह, कुंदन कुमार शिक्षक नविन पूरी, शंकर शर्मा, आचार्य सर्व विजय शिक्षक नगरजीत कुमार, सुरेंद्र राम, बीरेंद्र राम, मेघनाथ प्रसाद मुख्यरूप से उपस्थित थे।

सारण में कालाजार नियंत्रण अभियानः केंद्रीय कीट विज्ञान टीम ने प्रभावित गांवों का किया सैंड फ्लाई सर्विलांस

- विशेषज्ञों ने गांवों में बालू मक्खियों के संभावित प्रजनन स्थलों और विश्राम स्थलों का बारीकी से निरीक्षण तथा तय वैज्ञानिक मानकों के अनुसार सैंड फ्लाई का किया कलेक्शन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले में कालाजार उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक वैज्ञानिक और धारदार बनाने के लिए केंद्रीय कीटविज्ञान विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय टीम ने सारण का दौरा किया है। इस दौरान टीम ने जिले के तीन प्रमुख प्रभावित प्रखंडों जैसे - नगरा, गड़खा और दरियापुर के विभिन्न गांवों का सघन क्षेत्रीय भ्रमण किया है। इस संबंध में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीडीसीओ) डॉ भूपेंद्र कुमार ने बताया कि केंद्रीय टीम में शामिल नेशनल एंटोमोलॉजिस्ट आशीष कुमार लामियान, मलेरिया निरीक्षक राजकुमार और जुगुल किशोर मीणा ने चिन्हित गांवों में कालाजार के वाहक (वेक्टर) यानी बालू मक्खी की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। विशेषज्ञों ने गांवों में बालू मक्खियों के संभावित प्रजनन स्थलों और विश्राम स्थलों का बारीकी से निरीक्षण तथा तय वैज्ञानिक मानकों के अनुसार सैंड फ्लाई का कलेक्शन किया है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान संग्रहित की गई बालू मक्खियों को आगे के विस्तृत वैज्ञानिक अनुसंधान और एंटोमोलॉजिकल अध्ययन के लिए सुरक्षित रूप से भेजा गया है। संदिग्ध प्रजनन और विश्राम स्थलों का निरीक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान से मिलेगी मजबूतीः डीवीबीडीसीओ डॉ भूपेंद्र कुमार का मानना है कि इस अध्ययन से प्रभावित क्षेत्रों में वेक्टर की उपलब्धता, घनत्व और अन्य कीट संबंधी पहलुओं की सटीक जानकारी मिल सकेगी। इससे भविष्य में कालाजार नियंत्रण की रणनीतियों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में वैज्ञानिक मदद मिलेगी। इस महत्वपूर्ण अभियान के दौरान केंद्रीय टीम को राज्य और स्थानीय स्तर पर व्यापक तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ है। इस संयुक्त अभियान में निम्नलिखित विशेषज्ञों और टीमों ने सक्रिय सहभागिता निभाई है। जिसमें मुख्य रूप से स्टेट एंटोमोलॉजिस्ट मोहन कुमार, जोनल एंटोमोलॉजिस्ट (मुजफ्फरपुर) नीरज कुमार सिंह और पटना के अभिषेक कुमार, आर एम आर आई एम एस पटना की टीम, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश पांडेय और पीरामल फाउंडेशन की टीम के अलावा डीवीबीडीसीओ, उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डीवीबीडीसी, वीडीसीओ, वीबीडीएस और इंसैक्ट कलेक्टर मौजूद रहे।

बनियापुर में दस-दस पीएम आवास के लाभार्थियों के बीच बीडीओ ने जारी किया स्वीकृति पत्र

बनियापुर। बनियापुर के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी रमेंद्र कुमार की मौजूदगी में प्रधानमंत्री आवास शिविर का आयोजन किया गया, जहां बेदौली पंचायत के दस लाभार्थी एव बनियापुर पंचायत के दस पूर्व में चयनित लाभार्थियों को जांचोपरांत आवास की स्वीकृति प्रदान की गई,, जहां पूर्व में आवास स्वीकृत कई लाभुकों को आवास निर्माण के बाद उन्हें चाभी सौंपी गई। बताते चले कि पूर्व की तरह आवास राशि उठाकर अनियमितता करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई होगी, अब ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश के अनुरूप आवास निर्माण कार्य करवाना है, जिसके लिए आवास लाभार्थियों को दिशा निर्देश दिया गया, स्वच्छता मिशन से अलग शौचालय, बनाना है एक वर्ष के अंदर मकान बनवा लेना है तीन किस्तो में आवास की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। आवास निर्माण के क्रम में उन्हें वी भी जी राम जी के तहत अकुशल मजदूरी भी मुहैया होगी। जहां शिविर में चयनित लाभार्थियों के अलावा सभी पदाधिकारी, आवास पर्यवेक्षक, आवास सहायक, कर्मी शामिल थे।

आज सजेगा ह्यपुरबिया रंग महोत्सव-2026 तीन दिनों तक दिखेगा रंगकर्म का जादू

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। भोजपुरी लोक संस्कृति, साहित्य और रंगकर्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छपरा में तीन दिवसीय पुरबिया रंग महोत्सव-2026 (पुरबिया नाट्य महोत्सव) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कला एवं संस्कृति विभाग (बिहार सरकार) के सौजन्य तथा जिला प्रशासन, सारण के सहयोग से यह आयोजन ह्यएसोसिएशन फॉर सोशल हारमोनी एंड आर्टह्न छपरा द्वारा संपन्न कराया जा रहा है। यह तीन दिवसीय सांस्कृतिक समारोह 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को श्री भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह-सह-आर्ट गैलरी सारण में प्रतिदिन संध्या 5:30 बजे से आयोजित होगा। नाटकों का निर्देशन मोहम्मद जहाँगीर द्वारा किया गया है। तीन दिनों के मुख्य आकर्षण एवं नाट्य प्रस्तुतियाँः 21 अगस्त 2026ः मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी पर आधारित नाटक रामलीला का मंचन। 22 अगस्त 2026ः राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता पर आधारित नाटक कुरुक्षेत्र का मंचन। 23 अगस्त 2026ः मुंशी प्रेमचंद की कहानी पर आधारित नाटक ये कैसी दिल्लगी..? की प्रस्तुति। इस संबंध में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, सारण ने बताया कि इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और नई पीढ़ी को लोक कला एवं रंगकर्म से जोड़ना है। आयोजन समिति एवं जिला प्रशासन ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लें और इसे सफल बनाएँ।

जलजमाव से परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन व प्रतिनिधियों के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रिविलगंज प्रखंड के अंतर्गत कचनार पंचायत के नवादा गांव के मुख्य सड़क पर वर्षों से जलजमाव की समस्या से परेशान लोगों ने स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया।परेशान लोगों ने कहा कि इस गांव में 5 सौ अधिक परिवार के लोग निवास करते है, जो पिछले 4 वर्षों से गांव में जाने वाली मुख्य सड़क पर जलजमाव से परेशान है।लोगो ने कहा कि कुछ असामाजिक व्यक्तियों के अतिक्रमण करने के कारण नाले की पानी का बहाव बंद हो गया है।जिसके कारण गंदे पानी का निकासी नहीं हो रहा है।जलजमाव होने के कारण सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल का लाभ भी लोगो को नहीं मिल पा रहा है।दूषित गंदे पानी की जमाव के वजह से यहां कीड़े मकौड़ों का भी अंबार लग गया है।जिसके कारण लोगों का तबियत हमेशा बिगड़ा रहता है, यहां साइकिल, मोटरसाइकिल सवार हमेशा गिरकर चोटिल हो रहे है।लोग पगडंडी के रस्ते जाने के मजबूर है।लोगो ने कहा यहां 14 कट्टा सरकारी जमीन है जिसे लोग अतिक्रमण कर कब्जा जमाए हुए है।लोगो ने कहा कि इस समस्या के समाधान को लेकर स्थानीय प्रशासन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया गया, इसके अलावा मुख्यमंत्री टोल फ्री नंबर पर भी शिकायत दर्ज कराई गई।फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई।लोगो ने कहा कि नवनिर्वाचित सीओ रवीना गुप्ता को इस समस्या की समाधान को लेकर अवगत कराया गया है उन्होंने आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के अंदर भूमि मापी कराकर अतिक्रमण कारियों को हटाया जाए।लोगो ने स्थानीय प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम पूरे ग्रामवासी घेराव करेंगे।

मंत्री रमा निषाद ने डीएम सारण से मांगी एनओसी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के छपरा सदर प्रखंड में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए एक बड़ी सौगात की राह आसान हो गई है। राज्य सरकार ने छपरा सदर में 100 आसन (सीटों) वाले जननायक कर्पूरी ठाकुर बालिका छात्रावास के निर्माण की दिशा में प्रशासनिक कार्रवाई तेज कर दी है। इस संबंध में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद ने विभागीय स्तर पर त्वरित निर्देश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छपरा (118) की विधायक छोटी कुमारी ने गत 13 अगस्त 2026 को (पत्र संख्या 261/26) विभागीय मंत्री से छपरा में छात्राओं की सुविधा हेतु छात्रावास निर्माण कराने का औपचारिक अनुरोध किया था। जनहित एवं बालिका शिक्षा के विकास से जुड़े इस प्रस्ताव को मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए तुरंत स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। मंत्री रमा निषाद ने पत्र (पत्रांक 1110/का0, दिनांक 20.08.2026) के माध्यम से विधायक छोटी कुमारी को सूचित किया है कि इस परियोजना हेतु जिला पदाधिकारी (डीएम), सारण को त्वरित कार्रवाई का निर्देश जारी कर दिया गया है। डीएम सारण को निर्देशित किया गया है कि वे छपरा सदर प्रखंड में उपयुक्त भूमि का अविलंब चयन करें और अनापत्ति प्रमाण पत्र यथा शीघ्र विभाग को उपलब्ध कराएं।

छपरा सदर प्रखंड में 100 सीट वाले 'जननायक कर्पूरी ठाकुर बालिका छात्रावास' के निर्माण को मिली मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा विधानसभा क्षेत्र में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। छपरा की माननीया विधायिका श्रीमती छोटी कुमारी जी के सतत प्रयासों से पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा छपरा सदर प्रखंड में 100 आसन (सीट) वाले ह्लजननायक कपूर्री ठाकुर बालिका छात्रावासह्व के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि छपरा विधायक छोटी कुमारी जी ने 13 अगस्त 2026 को (पत्रांक 0-261/26) के माध्यम से बिहार सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती रमा निषाद जी को पत्र लिखकर छपरा में छात्राओं के लिए गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा हेतु छात्रावास स्वीकृति का अनुरोध किया था।

छपरा सदर अस्पताल में एक्सरे-सिटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलने से निजी जांच घरों पर निर्भरता हुई कम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। इलाज के दौरान जांच के लिए निजी जांच घरों की दौड़ लगाने वाले मरीजों को अब सदर अस्पताल में ही बड़ी राहत मिल रही है। अस्पताल में एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से मरीजों को समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह सुविधा काफी मददगार साबित हो रही है। सदर अस्पताल में एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की जांच निःशुल्क की जा रही है, जबकि सीटी स्कैन की सुविधा पीपीपी मोड के तहत बाजार दर की तुलना में कम शुल्क पर उपलब्ध कराई जा रही है। मई से जुलाई तक तीन माह के दौरान सदर अस्पताल में 13 हजार 116 लोगों का एक्सरे, 2 हजार 650 मरीजों का अल्ट्रासाउंड और 6 हजार 356 लोगों का सीटी स्कैन किया गया। इसके अलावा इसी अवधि में 1 हजार 432 मरीजों को ईसीजी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में मरीज अब जांच के लिए निजी केंद्रों के बजाय सरकारी अस्पताल की सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

तीन माह में 13 हजार से अधिक लोगों का हुआ एक्सरेः सदर अस्पताल में एक्सरे जांच की सुविधा मिलने से हड्डी, छाती और अन्य बीमारियों से संबंधित जांच के लिए मरीजों को निजी केंद्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। मई से जुलाई तक 13,116 मरीजों का एक्सरे किया गया। अस्पताल में यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को विशेष राहत मिल रही है। पहले जिन मरीजों को एक्सरे के लिए निजी जांच केंद्रों पर जाना पड़ता था, वे अब अस्पताल परिसर में ही जांच कराकर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त कर रहे हैं।

2,650 मरीजों को मिली अल्ट्रासाउंड सुविधाः मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से लेकर पेट और अन्य बीमारियों की जांच में उपयोगी अल्ट्रासाउंड सुविधा का भी मरीज बड़ी संख्या में लाभ उठा रहे हैं। तीन माह में 2,650 मरीजों का अल्ट्रासाउंड किया गया। अल्ट्रासाउंड की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध होने से खासकर गर्भवती महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को राहत मिल रही है। जांच के बाद मरीजों को उसी अस्पताल में चिकित्सकीय परामर्श और आगे के इलाज की सुविधा मिलने से उनकी परेशानी भी कम हो रही है।

कम शुल्क में मिल रही सीटी स्कैन की सुविधाः सदर अस्पताल में सीटी स्कैन सेवा पीपीपी मोड पर संचालित की जा रही है। यहां मरीजों को बाजार की तुलना में निर्धारित कम दर पर सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मई से जुलाई तक 6,356 मरीजों का सीटी स्कैन किया गया। सिर में चोट, गंभीर दुर्घटना, मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं और अन्य जटिल बीमारियों की जांच में सीटी स्कैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सदर अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध होने से गंभीर मरीजों को निजी जांच केंद्रों के चक्कर लगाने की जरूरत कम हुई है और समय पर जांच रिपोर्ट मिलने से इलाज शुरू करने में भी सुविधा हो रही है।

1,432 मरीजों की हुई ईसीजी जांचः हृदय से संबंधित समस्याओं की प्रारंभिक जांच के लिए अस्पताल में ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध है।

संक्षिप्त खबरें

पीएम व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभुकों को मिली स्वीकृति पत्र व गृह प्रवेश की चाबी

बड़हरा। प्रखंड सभागार बड़हरा में बुधवार को पीएम आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आवास निर्माण पूरा करने वाले लाभुकों को गृह प्रवेश की चाबी, स्वीकृति पत्र एवं संदेश पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलेश कुमार ने योजनाओं के लाभ और आवास निर्माण पूर्ण होने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन के साथ हुई। इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की आवास योजनाओं के उद्देश्यों और लाभुकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। इसके बाद प्रखंड स्तर पर मौजूद लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र, संदेश पत्र और गृह प्रवेश की चाबी वितरित की गई। कार्यक्रम में सात लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इनमें पश्चिमी बबुरा की रेणु देवी व सुनील कुमार, मटुकपुर की चंद्रावती देवी व राजा राम बिन, एकौना की आरती देवी तथा नेकनामटोला की दुर्गावती देवी समेत अन्य लाभुक शामिल रहे। वहीं, आवास निर्माण पूरा करने वाले लाभुकों को गृह प्रवेश की चाबी भी सौंपी गई। इनमें मटुकपुर के राम दयाल महतो, हरेंद्र बिन, पकड़ी के संजय यादव, सेमरिया पड़रिया के सिद्धू प्रसाद, नटवर शर्मा, देवेंद्र सिंह, संगीत देवी, रेणु देवी, धन मुन्ना देवी, सविता देवी, राज कुमार साह, ऋषिकेश प्रसाद, त्रुणा राम, सही प्रसाद और निवास शर्मा समेत अन्य लाभुक शामिल थे।

संत रविदास जयंती पर निकली कलश यात्रा, रविदास स्थान पर स्थापित की गई मिट्टी

आरा। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर उनके जन्मस्थान से लाई गई पवित्र मिट्टी को कलश में रखकर गुरुवार को कोईलवर में कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एनडीए समर्थक एवं विकास मित्र शामिल हुए। कलश यात्रा प्रखंड कार्यालय परिसर से शुरू होकर कोईलवर नगर के वार्ड संख्या 12 स्थित दलित बस्ती से गुजरते हुए सोन नदी के तट पर स्थित संत रविदास स्थान पहुंची। यहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद जन्मस्थान से लाई गई मिट्टी को रविदास स्थान पर स्थापित किया गया। इस दौरान संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीत कुमार रजक, महामंत्री चंदन निषाद, कल्याण पदाधिकारी आकाश कुमार, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष जनार्दन पासवान, वार्ड पार्षद वीरेंद्र राम, कोईलवर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष सबिता सिंह, ऋतुराज, जदयू नेता अजीत चंद्रवंशी, श्रीभगवान, महबूब खान, गणेश राम, शंकर राम, विष्णु राम समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दलीपपुर में जर्जर उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण, जल्द बदलेगा भवन

जगदीशपुर।बीस सूत्री अध्यक्ष अनूप पटेल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी क्रांति कुमार ने पूर्व में बीस सूत्री समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा उठाए गए ज्वलंत मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को धरातल पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक के दौरान ग्राम पंचायत दलीपपुर में उप स्वास्थ्य केंद्र के जर्जर भवन और क्षेत्र में फैली जल जमाव की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया था। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि भवन की जर्जर स्थिति के कारण पिछले काफी समय से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसे संज्ञान में लेते हुए प्रशासन ने निर्णय लिया है कि ग्रामीणों को समय पर सुलभ इलाज उपलब्ध कराने के लिए बहुत जल्द इस उप स्वास्थ्य केंद्र को वैकल्पिक एवं सुरक्षित भवन में स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, समिति के सदस्यों द्वारा उठाए गए अन्य विकासशील मुद्दों का भी चरणबद्ध तरीके से धरातल पर निरीक्षण कर त्वरित समाधान करने का आश्वासन दिया गया। इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रभारी डॉ. एस. कुसुन, अनुमंडलीय अस्पताल के प्रबंधक कृष्ण कुमार, बड़ा बाबू संतोष कुमार, प्रवीण राम, कृष्ण साह, प्रद्युम्न पटेल, स्वास्तिक कुमार, बवन चौधरी सहित दर्जनों स्थानीय गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नीतीश कुमार से मिले छात्र जदयू के भोजपुर जिलाध्यक्ष, छात्र समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। छात्र जदयू भोजपुर जिलाध्यक्ष प्रीतम कुशवाहा और जिला उपाध्यक्ष मो. सैफ अख्तर ने गुरुवार को पटना स्थित सात देशरत्न मार्ग आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान नेताओं ने भोजपुर जिले की प्रमुख जनसमस्याओं के साथ-साथ छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उनके समक्ष रखा। भेंट के दौरान जिले में शिक्षा, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और छात्र कल्याण से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। छात्र नेताओं ने विद्यार्थियों की समस्याओं तथा जिले के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया। नीतीश कुमार ने छात्र नेताओं की ओर से रखी गई समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों से समन्वय कर समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं और छात्रों का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस दौरान नीतीश कुमार ने भोजपुर जिले में हो रहे विकास कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भोजपुर के समग्र विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। छात्र जदयू नेताओं ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिलने पर आभार जताया।

काली पट्टी बांधकर काम पर लौटे एमओ, आज से विरोध प्रदर्शन शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। जन वितरण प्रणाली से जुड़े प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों (एमओ) ने अपनी मांगों को लेकर गुरुवार से काली पट्टी बांधकर काम शुरू किया। राज्यव्यापी विरोध के तहत एमओ 25 अगस्त तक काली पट्टी लगाकर अपने सरकारी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। पीरो में एमओ समदर्शी पासवान, चरपोखरी अंशु कुमार दीपक,व तरारी एमओ धर्मवीर कुमार भारती ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। एमओ धर्मवीर कुमार भारती का कहना है कि मांगों के समाधान को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए यह सांकेतिक आंदोलन शुरू किया गया है। यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और तेज किया जा सकता है। अनाज आपूर्ति व्यवस्था पर पड़ सकता है असर एमओ के आंदोलन से जन वितरण प्रणाली के तहत होने वाली अनाज आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इससे राशन दुकानों के संचालन और लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर भी असर पड़ सकता है।

समरसता संकल्प दिवस पर संत रविदास के विचारों को आत्मसात करने का लिया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड मुख्यालय बड़हरा में संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बड़हरा प्रखंड परिसर से हुई। इसके बाद सेमरिया-पड़रिया मार्ग होते हुए महादलित बस्ती पड़रिया पहुंचकर संत रविदास जी महाराज के जीवन, संघर्ष और उनके सामाजिक समरसता के संदेश के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलेश कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कालिम अख्तर, बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार ह्यसंटूह्न, वरीय नोडल कृषि पदाधिकारी सुमन जी, अनिल कुमार, नारायण जी, सुदर्शन जी, रमेश, मेघनाथ, नीलू, पिंकी एवं शोभा कुमारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी महाराज ने समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक भेदभाव को समाप्त करने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने की जरूरत है। इस दौरान सुमन जी, बीडीओ नीलेश कुमार, अनिल कुमार, सुदर्शन, नारायण, सुमित अजय, रजनीकांत, मेघनाथ, माया कुमारी, शोभा, पिंकी, महामुनि देवी, नीलू, नीशू, मंजू देवी, रीता देवी, राशि कुमारी, सुनील कुमार, हीरा झरी एवं नीशू भारती समेत कई लोगों ने अपने विचार रखे और संत रविदास जी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

बभनगांवा में 23 अगस्त से छह दिवसीय झूलनोत्सव भजन-कीर्तन से गूंजेगा ठाकुरबाड़ी परिसर

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा, सावन माह की पावन बेला में बड़हरा प्रखंड के बभनगांवा गांव स्थित श्री ठाकुरबाड़ी एवं काली मंदिर परिसर में 23 अगस्त से छह दिवसीय झूलनोत्सव धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। झूलनोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजन को लेकर गांव के लोगों में खासा उत्साह है।मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रेम शंकर उपाध्याय उर्फ पंडित जी एवं सचिव संतोष कुमार उपाध्याय ने बताया कि छह दिवसीय झूलनोत्सव का शुभारंभ 23 अगस्त को भव्य महाआरती के साथ किया जाएगा। सावन की हरियाली और धार्मिक आस्था के बीच भगवान श्रीकृष्ण सहित अन्य देवी-देवताओं की झूला झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगी। प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान के साथ भजन-कीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।आयोजकों के अनुसार झूलनोत्सव के दौरान विभिन्न कलाकारों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम होते ही ठाकुरबाड़ी परिसर भक्ति गीतों से गूंज उठेगा। श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना और दर्शन की विशेष व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि सावन के पवित्र महीने में झूलनोत्सव का विशेष धार्मिक महत्व है। इस दौरान भगवान के झूले की पूजा और दर्शन करने से मन को शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है।झूलनोत्सव को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों की टोली लगातार तैयारियों में जुटी है। मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सजावट, रोशनी और श्रद्धालुओं के बैठने समेत अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।आयोजन की सफलता में शिव शंकर उपाध्याय, कपिल उपाध्याय, लक्ष्मण उपाध्याय, पप्पू उपाध्याय, बिमलेश उपाध्याय, अशोक उपाध्याय, कमलेश उपाध्याय, संजय उपाध्याय, अभय उपाध्याय, अजय उपाध्याय, कुंदन उपाध्याय, लाला उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि झूलनोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। छह दिनों तक पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा।

वैदिक संस्कृत प्रश्नोत्तरी में हंसराज सदन रहा प्रथम

आरा भोजपुर। भोजपुर जिला के डीएवी पब्लिक स्कूल धनुपरा में गुरुवार को वेद प्रचार सप्ताह के चतुर्थ दिवस के अवसर पर वैदिक संस्कृत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चार सदनों में कराया गया जिसमें हंसराज, श्रद्धानन्द, दयानन्द एवं विरजानन्द ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता में हंसराज सदन के विद्यार्थियों में सर्वाधिक 60 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।श्रद्धानन्द एवं दयानन्द सदन के विद्यार्थियों ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि विरजानन्द सदन चौथे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता रोचक होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक भी रही।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या निशु जायसवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृत भाषा हमारी संस्कृति की जड़ है। संस्कृत के बिना संस्कार की कल्पना नहीं की जा सकती।उन्होंने विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा एवं वैदिक संस्कृति के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में संस्कृत आचार्यों द्वारा शांति पाठ कराया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिन्दू जागरण मंच के बैनर तले अखंड भारत कार्यक्रम में राष्ट्र एकता और सांस्कृतिक विरासत का संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। हिंदू जागरण, आरा (भोजपुर) के तत्वावधान में बुधवार को श्री माँ विंध्यवासिनी मैरिज हॉल, मीरगंज, आरा में अखंड भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की साझा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा राष्ट्र की एकता और सामाजिक समरसता का संदेश देना रहा। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश सिंह ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संयोजक सुरेंद्र सिन्हा जी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सह-संयोजक सोना लाल जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि अखंड भारत केवल भौगोलिक अवधारणा नहीं, बल्कि हमारी साझा सभ्यता, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी को मजबूत करना आज की आवश्यकता है। कार्यक्रम में हिंदू जागरण मंच के सह-संयोजक विशाल सिंह, रोहित सिंह बजरंगी, अरुण गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी, दायित्ववान कार्यकर्ता एवं सनातनप्रेमी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने युवाओं एवं कार्यकताओं से अपनी संस्कृति और विरासत को समझने, समाज में आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों में राष्ट्र एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता और एकता का भाव देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के जयघोष के साथ हुआ। हिंदू जागरण, आरा (भोजपुर) की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं सनातनप्रेमी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सेवा नियमितीकरण अधिकार मार्च में शामिल होंगे अतिथि शिक्षक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। अतिथि शिक्षकों ने सेवा सुरक्षा एवं सेवा नियमितीकरण की मांग को लेकर 25 अगस्त 2026 को पटना में आयोजित होने वाले ह्लसेवा नियमितीकरण अधिकार मार्चह्व में शामिल होने के लिए सामूहिक अवकाश देने की मांग की है। इस संबंध में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के कुलपति को समस्त अतिथि शिक्षकों की ओर से आवेदन सौंपा गया है। आवेदन में कहा गया है कि प्रांतीय संगठन के आह्वान पर 25 अगस्त को पटना में अतिथि शिक्षकों की सेवा सुरक्षा एवं नियमितीकरण की मांग को लेकर अधिकार मार्च आयोजित किया गया है। इसमें बिहार के विभिन्न परंपरागत विश्वविद्यालयों में कार्यरत अतिथि शिक्षक शामिल होंगे। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी सेवा की स्थिरता, भविष्य की सुरक्षा और नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर सरकार एवं विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते रहे हैं। अतिथि शिक्षकों ने कुलपति से अनुरोध किया है कि 25 अगस्त को वीकेएसयू के अंतर्गत कार्यरत सभी अतिथि शिक्षकों को सामूहिक अवकाश प्रदान किया जाए, ताकि वे पटना पहुंचकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अधिकार मार्च में भाग ले सकें। उनका कहना है कि सामूहिक अवकाश मिलने से वे बिना प्रशासनिक कठिनाई के प्रांतीय संगठन के कार्यक्रम में सहभागिता कर सकेंगे।आवेदन की प्रतिलिपि विश्वविद्यालय के कुलसचिव, सभी अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों तथा स्नातकोत्तर विभागाध्यक्षों को भी भेजी गई है। अतिथि शिक्षकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से सकारात्मक एवं सहयोगात्मक निर्णय लेने की अपील की है।वीकेएसयू अतिथि प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आदित्य कुमार आनन्द ने कहा कि सेवा नियमितीकरण की मांग को लेकर 25 अगस्त को पटना में आयोजित अधिकार मार्च में सभी अतिथि प्राध्यापक शामिल होंगे और इस दौरान सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षक अपनी सेवा सुरक्षा एवं नियमितीकरण की मांग को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूती से उठाएंगे।

वीकेएसयू पीजी प्रवेश परीक्षा स्थगित अब 27 अगस्त को होगी परीक्षा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने पीजी प्रवेश परीक्षा 2026 (सत्र 2026-28) को स्थगित कर दिया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक की ओर से 20 अगस्त को जारी सूचना में बताया गया है कि अपरिहार्य कारणों से 25 अगस्त 2026 को प्रस्तावित पीजी एंट्रेंस टेस्ट अब निर्धारित तिथि पर आयोजित नहीं होगी। परीक्षा की नई तिथि 27 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, 27 अगस्त को परीक्षा पूर्व से निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर अपने निर्धारित समय के अनुसार आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए पूर्व निर्धारित केंद्रों पर ही पहुंचना होगा। परीक्षा केंद्रों में किसी प्रकार के बदलाव की सूचना जारी नहीं की गई है। परीक्षा नियंत्रक ने सभी परीक्षा केंद्राधीक्षकों, संबंधित अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को नई तिथि के अनुसार आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही समर्थ पोर्टल के नोडल पदाधिकारी और परीक्षा विभाग के संबंधित कर्मियों को भी सूचना से अवगत कराया गया है।पीजी में नामांकन के इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा की नई तिथि को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारी जारी रखें।विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के बाद 25 अगस्त को परीक्षा होने को लेकर बनी असमंजस की स्थिति भी समाप्त हो गई है। अब सभी अभ्यर्थियों को 27 अगस्त को परीक्षा में शामिल होना होगा।

नाला बना खेतों का सहारा, बिना बिजली गंदा पानी हो रहा साफ

प्रात: किरण संवाददाता

चरपोखरी/भोजपुर। गांवों में नालियों से निकलने वाला गंदा पानी अक्सर परेशानी का कारण बन जाता है। जलजमाव, दुर्गंध और दूषित पानी से जहां ग्रामीणों को परेशानी होती है, वहीं खेतों तक पहुंचने वाला यह पानी फसलों के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। लेकिन भोजपुर के चरपोखरी प्रखंड के मुकुंदपुर पंचायत स्थित हरपुर गांव में इसी समस्या का एक प्राकृतिक समाधान सामने आया है। यहां फाइटोराइट तकनीक पर आधारित इको-फ्रेंडली प्लांट तैयार किया गया है। खास बात यह है कि पानी को साफ करने के लिए न बिजली की जरूरत पड़ती है और न ही किसी रासायनिक पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। पत्थर, गिट्टी, कोयले और काना लिली जैसे पौधों की मदद से नालियों से आने वाले धूसर जल का प्राकृतिक तरीके से उपचार किया जा रहा है। 16.93 लाख रुपये की लागत से तैयार हुआ प्लांट स्वच्छ भारत मिशन और लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत तैयार इस परियोजना पर करीब 16 लाख 93 हजार 500 रुपये खर्च हुए हैं। परियोजना में 70 प्रतिशत राशि स्वच्छ भारत मिशन तथा शेष 30 प्रतिशत राशि 15वें वित्त आयोग से जुटाई गई है। प्लांट को मनरेगा की जिला स्तरीय तकनीकी टीम द्वारा तैयार मॉडल के आधार पर विकसित किया गया है। करीब 50 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा यह संयंत्र लगभग एक हजार की आबादी से निकलने वाले धूसर जल के उपचार के उद्देश्य से तैयार किया गया है। पहले कचरा रुकेगा, फिर पानी होगा साफ प्लांट में नालियों से आने वाले पानी को पहले स्क्रीनिंग चैंबर से गुजारा जाता है। इसके बाद भारी कचरे को नीचे बैठाने के लिए करीब 20.10 फीट का सैटलिंग टैंक बनाया गया है। पानी आगे स्टोरेज टैंक और फाइटोराइट बेड की ओर जाता है। यहां बड़े पत्थरों और अलग-अलग आकार की गिट्टियों की परतें पानी को छानने का काम करती हैं। करीब 1000 घन फीट कोयले का इस्तेमाल भी किया गया है। गुरुत्वाकर्षण के कारण पानी धीरे-धीरे इन परतों से गुजरता है और उसमें मौजूद कई अशुद्धियां नीचे रह जाती हैं। काना लिली पौधा निभा रहा अहम भूमिका प्लांट के ऊपरी हिस्से में बलुई मिट्टी की परत पर काना लिली के पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों की घनी जड़ें पानी में मौजूद कुछ पोषक तत्वों और अशुद्धियों को सोखने में मदद करती हैं। साथ ही, पौधों की जड़ों के आसपास होने वाली प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया पानी की गुणवत्ता सुधारने में सहायक होती है इस पूरी प्रक्रिया के बाद उपचारित पानी को आगे निकाला जाता है। गांव में इस पानी का उपयोग अब किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए किया जा रहा है। यानी जिस नाले का पानी पहले समस्या माना जाता था, वही पानी अब खेती के काम आ रहा है। बिना मशीन और केमिकल के समाधान चरपोखरी प्रखंड के बीडीओ कुमार विमलादित्य के अनुसार, हरपुर का यह संयंत्र बिना बिजली और भारी मशीनरी के धूसर जल के प्रबंधन का प्रयोग है। प्रखंड में ऐसे दो प्लांट पर काम चल रहा है, जिनमें हरपुर का संयंत्र चालू हो चुका है। यह प्रयोग गांव के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे नालियों के पानी को खुले में बहने से रोकने के साथ उसका उपचार और पुनः उपयोग संभव हो रहा है। यदि इस तरह की व्यवस्था अन्य गांवों में भी प्रभावी ढंग से लागू होती है तो जलभराव और धूसर जल प्रबंधन की समस्या से निपटने में मदद मिल सकती है।

डॉ. कुमार निर्भय बने जैन कॉलेज के भूगोल विभागाध्यक्ष, शिक्षा जगत में खुशी

आरा। शिक्षकों, छात्रों, शोधार्थियों व बुद्धिजीवियों ने दी बधाई, नई जिम्मेदारी से विभाग को नई दिशा मिलने की उम्मीद हर प्रसाद दास जैन कॉलेज, आरा के भूगोल विभाग में डॉ. कुमार निर्भय को विभागाध्यक्ष बनाए जाने पर कॉलेज परिवार सहित शिक्षाजगत में खुशी का माहौल है। उनके विभागाध्यक्ष बनने की सूचना मिलते ही छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में विभाग की शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को नई गति मिलेगी।बधाइयों का लगा तांताडॉ. कुमार निर्भय को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। शिक्षक डॉ. संदीप सागर, पूर्व विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, एच.डी. जैन कॉलेज, आरा, डॉ. अंकुर त्रिपाठी, डॉ. संजय चौबे, डॉ. सुनील कुमार सहित शोधार्थी देव कुमार शर्मा, मुरली मनोहर जोशी, विकास कुमार समेत सैकड़ों लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। बधाई देने वालों ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक विभाग की मजबूती कुशल नेतृत्व और बेहतर अकादमिक वातावरण पर निर्भर करती है। ऐसे में डॉ. कुमार निर्भय के अनुभव का लाभ भूगोल विभाग को मिलने की उम्मीद है।विद्यार्थियों में उत्साह नई जिम्मेदारी मिलने से विद्यार्थियों और शोधार्थियों में भी उत्साह है। छात्रों को उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में अध्ययन-अध्यापन के साथ शोध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। विभाग में विद्यार्थियों को बेहतर अकादमिक मार्गदर्शन और शोध के नए अवसर उपलब्ध होने की अपेक्षा जताई जा रही है।नई जिम्मेदारी, नई उम्मीदें विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. कुमार निर्भय के सामने विभाग की शैक्षणिक व्यवस्था को और मजबूत करने, शोध कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। लोगों ने विश्वास जताया कि वे अपनी कार्यशैली और अनुभव से इस दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे। उनके नेतृत्व में भूगोल विभाग को नई सोच, ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है।

नए डीएम मनेश कुमार मीणा ने संभाला कार्यभार

प्रात: किरण संवाददाता

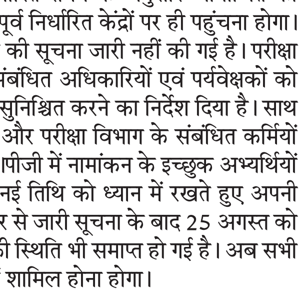

आरा। 2015 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी मनेश कुमार मीणा ने गुरूवार को विधिवत रूप से भोजपुर के नए जिलाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने उन्हें पदभार सौंपा। इसके साथ ही भोजपुर में प्रशासनिक नेतृत्व की नई पारी की शुरूआत हो गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने जिले के विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि भोजपुर में विकास की रफ्तार को और तेज करना तथा बिहार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र लोगों तक पहुंचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित विकास योजनाओं की प्रभावी निगरानी करते हुए उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा। प्रशासनिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा आम लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मनेश कुमार मीणा इससे पहले पटना में निदेशक बिहार रिसोर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के पद पर कार्यरत थे। प्रशासनिक क्षेत्र में अनुभव रखने वाले मनेश मीणा के सामने भोजपुर जिले में विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। पदभार ग्रहण के साथ ही जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नए जिलाधिकारी का स्वागत किया और उनके नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

निवर्तमान डीएम को दी गई विदाई, नए जिलाधिकारी का स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर के निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के सम्मान में गुरुवार को विदाई समारोह तथा नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों ने निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके कुशल प्रशासनिक नेतृत्व, जनहित के प्रति संवेदनशीलता तथा जिले के विकास एवं सुशासन के लिए किए गए कार्यों को याद किया। उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं आगामी दायित्वों में सफलता की शुभकामनाएं दीं। वहीं, नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता मीणा (क्म्ब्ळर) का गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। अधिकारियों ने उन्हें नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।नवपदस्थापित जिलाधिकारी ने अधिकारियों से आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया।समारोह में अधिकारियों एवं कर्मियों ने जिले के विकास, सुशासन और जनसेवा के कार्यों को मिलकर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, शुक्रवार, 21 अगस्त 2026

संक्षिप्त खबरें

ओबरा पुलिस द्वारा चलाई जा रही है वाहन जांच अभियान

औरंगाबाद। ओबरा पुलिस ने अपराध की रोकथाम विधि व्यवस्था संधारण एवम आम जनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ओबरा के बेल मोड़ ब्लॉक के समीप विभिन्न जगहों पर संघन वाहन जांच अभियान चलाई जा रही है। थानाध्यक्ष नीतिश कुमार के नेतृत्व मे पुलिस पदाधिकारी एवम पुलिस दल द्वारा नियमित पेट्रोलिंग के दौरान वाहन जांच की जा रही है। एनएच 139 पर वाहनों की संघन जांच की जा रही है। तथा जांच के दौरान चालकों से महत्वपूर्ण कागजों की सत्यापन ड्राइविंग लाइसेंस हेलमेट वाहन निबंधन बीमा एवम अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई है साथ ही यातायात नियमों का उलंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटरवाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विधि सम्मत करवाई की जा रही है । थानाध्यक्ष नीतिश कुमार ने बताया कि, वाहन जांच अभियान का उद्देश्य अपराधियों की गति विधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना है एवम अवैध गतिविधियों की रोकथाम करना तथा आमजन के लिए सुरक्षित अवन शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करना है। थानाध्यक्ष नीतिश कुमार एवम अपर थानाध्यक्ष कुणाल सिंह ने आम नागरिकों से अपील की है कि,वे यातायात नियमों का पालन करे आवश्यक दस्तावेज सात रखे तथा वाहन जांच के दौरान पुलिस को सहयोग करे । जनसहभागिता एवम पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ही सुरक्षित एवम अपराध मुक्त समाज का निर्माण संभव है ।

सड़क दुर्घटना में हुई युवक की मौत पर मुआवजा राशि वितरित

औरंगाबाद। जिले के ओबरा प्रखंड के महथू गांव निवास केदार विश्वकर्मा के पुत्र अभिषेक कुमार के एनेच 139 पर 2 दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में मौत के बाद ओबरा अंचल अधिकारी राकेश कुमार ने शुक्रवार को अंचल कार्यालय कच्छ में मृतक अभिषेक कुमार के पिता केदार विश्वकर्मा को चार लाख रुपए का चेक का वितरण किया वितरण के दौरान मृतक के पिता को उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि मनुष्य को विपत्ति के समय धैर्य से कम लेना चाहिए सरकार के द्वारा सामूहिक सड़क दुर्घटना के तहत राशि उपलब्ध कराई है उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के द्वारा जो400000 उपलब्ध कराया जा रहा है उसे सही रूप में खर्च करें उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के परिजन को सरकार के द्वारा सामूहिक सड़क दुर्घटना के तहत यह राशि उपलब्ध कर रही है इस मौके पर राजस्व अधिकारी राज नारायण राय सड़क दुर्घटना रोकथाम समिति के अध्यक्ष पुष्कर अग्रवाल कोषाध्यक्ष सहजानंद कुमार एवं आनंद विश्वकर्मा के अलावे अंचल नाजिर प्रमुख रूप से मौजूद रहे जानकारी देते हुए सड़क दुर्घटना रोकथाम समिति के अध्यक्ष पुष्कर अग्रवाल ने बताया कि अंचल अधिकारी के द्वारा मृतक के पिता को त्वरित राशि उपलब्ध करने का कार्य की है जो पिडीत परिवार के हित मे सराहनीय है।

जगजीवन महाविद्यालय में सद्भावना दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

- स्वामी विवेकानंद का विचार और सामाजिक सद्भावना विषय पर चर्चा

गया। जगजीवन महाविद्यालय के डॉ. फागुनी राम सभागार में 20 अगस्त 2026 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा जारी एन.एस.एस. कार्यक्रम तालिका के आलोक में एवं प्रधानाचार्य के निदेर्शानुसार सद्भावना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

संगोष्ठी का विषय स्वामी विवेकानंद का विचार और सामाजिक सद्भावनाह्व रखा गया था।इस कार्यक्रम की शुरूआत राजकीय निर्देश के अनुरूप वंदेमातरम के सामूहिक गायन के साथ हुई है।राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अनुरानी ने संचालन एवं स्वागत वक्तव्य में एन. एस.एस. के उद्देश्य और कार्यविधि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की के लिए सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखना होगा।

स्वामी विवेकानंद के विचारों को जानना, समझना और अंगीकार करना सामाजिक सद्भावना के लिए अत्यंत आवश्यक है। हम सभी को उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी की गया शाखा की पदाधिकारी कुमारी सुमित्रा ने पी.पी.टी. प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन, युवा शक्ति और सामाजिक समरसता पर विस्तार से चर्चा की है।

आर्थोपेडिक समस्याओं के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग की पहल

जेपीएन सदर अस्पताल में लगाया गया है सी–आर्म मशीन

- बुधवार को 30 वर्षीय युवा की टूटी अंगुलियों की मशीन से हुई पहली सर्जरी

प्रात: किरण संवाददाता

गया। जिला में आथोर्पेडिक समस्याओं के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नई पहल की गयी है। इस पहल में शहर के जयप्रकाश नारायण अस्पताल में आथोर्पेडिक सर्जरी के लिए सी–आर्म मशीन लगायी गयी है।

इस मशीन को फ्लोरोस्कोपी मशीन भी कहते हैं। सी-आर्म मशीन एक विशेष प्रकार की पोर्टेबल एक्स-रे मशीन होती है जो अंग्रेजी के अक्षर सी के आकार की होती है। रियर टाइम इमेजिंग की मदद से ऑपरेशन के दौरान यह डॉक्टर को लाइव मॉनीटर पर हड्डी के अंदरूनी हिस्से की सटीक स्थिति दिखाती रहती है। इस तकनीक में बिना बड़ा कट लगाए, एक छोटी सी सुई या छेद के जरिए हड्डी को अपनी सही जगह पर सेट किया जाता है। सी-आर्म के मॉनीटर

में देखते हुए, सर्जन टूटी हुई हड्डी के टुकड़ों को आपस में मिलाते हैं। इसके बाद, त्वचा के ऊपर से ही एक विशेष पतली और मजबूत धातु की तार जिसे के–वायर कहते हैं को ड्रिल के जरिए हड्डी के आर-पार डाल दिया जाता है। यह वायर टूटी हुई हड्डियों को आपस में मजबूती से जोड़कर रखती है ताकि वे हिलें नहीं और सही दिशा में प्राकृतिक रूप से जुड़ सकें।

नया आर्थोपेडिक ऑपरेशन थियेटर हुआ तैयार :

डीपीएम स्वास्थ्य नीलेश कुमार ने बताया कि जेपीएन अस्पताल में आथोर्पेडिक समस्या के निदान के लिए नया आथोर्पेडिक ऑपरेशन थियेटर तैयार किया गया है। बताया कि एक तीस वर्षीय राजमजूदर का काम करने के दौरान कलाई के उपर उंगली वाला हिस्सा टूट गया था।

इसे सी–आर्म मशीन का उपयोग करते हुए के–वायर सर्जरी की गयी। बुधवार को हुए इस सर्जरी के दौरान डॉ विशाल कुमार तथा डॉ अभिषेक कुमार की टीम शामिल रही। चिकित्सकों ने बताया कि पारंपरिक ओपन सर्जरी जिसमें चीरा लगाकर प्लेट लगाई जाती है की तुलना में के–वायर सर्जरी बेहतर रिजल्ट देता है।

इसमें ब्लीडिंग और ऑपरेशन के बाद का दर्द बहुत कम होता है। मरीज को अस्पताल में ज्यादा दिन नहीं रुकना पड़ता और वह जल्दी सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है। तीन से छह सप्ताह में हड्डी पूरी तरह जुड़ जाती है। इसके बाद तार को बिना किसी बड़े ऑपरेशन किये आसानी से निकाल लिया जाता है।

बिहार आपूर्ति सेवा संघ का 20 से 26 अगस्त तक सांकेतिक विरोध होगा प्रारंभ

- गया जिले में काली पट्टी धारण कर 10 सूत्री मांगों के समाधान की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। बिहार आपूर्ति सेवा संघ द्वारा वर्षों से लंबित सेवा-हित के निर्णयों, मूलभूत संसाधनों की कमी एवं जमीनी कठिनाइयों के समाधान की मांग को लेकर * 20 अगस्त 2026 से 26 अगस्त 2026 तक काली पट्टी धारण कर सांकेतिक विरोध गया जिला मे प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें सदर अनुमंडल गया जी,नीमचकबथानी अनुमंडल,टेकारी अनुमंडल और सभी अनुमंडल मे एम ओ द्वारा काला बिल्ला लगाकर विरोध जताया जा रहा है। जिसमें राकेश कुमार,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, वजीरगंज अमरेंद्र कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सदर गया, अर्चना आनंद,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, बोधगया, अजित कुमार सिंह,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, टनकुप्पा, मुकेश कुमार गुप्ता,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, फतेहपुर, स्मिता सिंहा,प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, मानपुर आदी काफी संख्या में एम ओ शामिल है।

इस सांकेतिक विरोध की पूर्व सूचना खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार सरकार के साथ-साथ राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को संघ द्वारा पत्र के माध्यम से पूर्व में ही दी जा चुकी है।

संघ स्पष्ट करना चाहता है कि यह कार्यक्रम किसी टकराव, असहयोग अथवा जनहित के कार्यों को बाधित करने के उद्देश्य से नहीं है। इस अवधि में आपूर्ति सेवा के पदाधिकारी अपने नियमित सरकारी दायित्वों एवं जनहित से जुड़े कार्यों का निर्वहन सामान्य रूप से करते रहेंगे। काली पट्टी केवल अपनी लंबित समस्याओं एवं मांगों के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रतीक है।

संघ ने यह भी मांग की है कि इस प्रकार की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए की गई एक दिन की वेतन कटौती की कार्रवाई तत्काल वापस ली जाए।संघ का उद्देश्य किसी भी स्थिति में राशन कार्ड अभियान, खाद्यान्न वितरण अथवा अन्य जनकल्याणकारी कार्यों को बाधित करना नहीं है। बल्कि उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन पदाधिकारियों के माध्यम से राज्य की खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन होता है, उन्हें कार्य के अनुरूप संसाधन, पर्याप्त मानवबल, स्पष्ट वैधानिक अधिकार तथा न्यायसंगत सेवा-संरचना उपलब्ध हो।

इढरउ से चयनित अन्य संवर्गों के समान पेय लेवल-7 से पेय लेवल-9 में प्रोन्नति की व्यवस्था नवंबर 2023 के बाद लंबित 200 पदों पर डीपीएस के माध्यम से अविलंब पदोन्नति 18 वर्षों से लंबित कैडर रिसट्रिरिंग को शीघ्र पूरा किया जाए। प्रत्येक प्रखंड कार्यालय को 2010 के आदेश अनुसार 2 कमरा, 2 सहायक, 2 अनुसेवक उपलब्ध कराया जाए।

पदनाम आपूर्ति निरीक्षक से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकार किया जाए एवं राजपत्रित दर्जा व डीडीओ शक्ति दी

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में भारत के अति प्राचीन 12 द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक माहा दर्शन का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अशोक विहार कॉलोनी गोगरी दादा बाईपास सेवा केंद्र के प्रांगण में श्रावण मास के पावन अवसर पर भारत के अति प्राचीन 12 द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक माहा दर्शन का आयोजन किया गया है जिसका शुभारंभ बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार सभी का आरती ् किया है। जिसमें गया के सुरेंद्र यादव की मुखिया, संतोष सिंह पूर्व पार्षद केंदुई, समाजसेवी मनोज कुमार शर्मा , सुनील सिंह अमर जी एवं अनगण्य मान्य

लोग काफी संख्या में आरती कर ज्योतिर्लिंग दर्शन किए और उसका आनंद लिए है ।डॉक्टर प्रेम कुमार अध्यक्ष सभी को संदेश दिए

की ब्रह्माकुमारी द्वारा श्रावण मास के अवसर पर 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन करने और मानव मे सुख शांति प्रेम आए यहां सभी ब्रह्मा कुमार- ब्रह्माकुमारी भाई बहने सेवा करते हैं.। जिससे मानव में बदलाव दिख रहा है आप सभी भी एक साथ द्वादश ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर जीवन में सुख शांति प्राप्त करें पूर्व पार्षद संतोष सिंह जी ने कहा कि संस्था के लोगों के द्वारा द्वादश ज्योर्तिलिंगम का एक साथ दर्शन कराकर सभी मनोकामना पूर्ण कर रहे हैं ।

जबकि बाबा बैद्यनाथ विश्वनाथ महाकालेश्वर कितना दूर-दूर लोग जाकर दर्शन कर रहे हैं। यहां तो घर बैठे सभी का एक साथ दर्शन हो रहा है ।इसका सभी अवश्य लाभ ले इसमें सभी ब्रह्मा कुमार -कुमारी भाई बहन ने भी सम्मिलित होकर आरती की ब्रह्माकुमारी बबीता बहन ने बताया समय का बहुत-बहुत महत्व होता है अभी जो समय चल रहा है इसमें स्वयं परमपिता परमात्मा शिव परम शिक्षक बन राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं ।जिस ज्ञान के द्वारा फिर से जीवन में सुख शांति आनंद प्रेम खुशियों से जीवन भरपूर बनाएं आप सभी सपरिवार द्वादश ज्योर्तिलिंगम आध्यात्मिक महा दर्शन करने अवश्य पधारे।

जगजीवन कॉलेज शिक्षक संघ ने कुलपति से मुलाकात कर अपने मांग से कराया अवगत

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।आज मगध विश्वविद्यालय के अंगीभूत महाविद्यालयों जिनमें जगजीवन कॉलेज, गया जी, गया कॉलेज, गया जी, गौतम बुध महिला कॉलेज, गया जी, अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया जी, किशोरी सिंह महिला कॉलेज, औरंगाबाद, एस. एम. एस. जी. कॉलेज शेरघाटी, एस. एन. सिन्हा कॉलेज, टेकारी के शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कुलपति से लंबे समय से लंबित मामलों, जिनमें सेवा संपुष्टि, एनपीएस, मातृत्व, पितृत्व एवं शिशु देखभाल अवकाश, वेतन विसंगती के साथ अन्य दूसरे महत्त्वपूर्ण मामलों को लेकर कुलपति से मुलाकात की है। जगजीवन कॉलेज शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. संगीता कुमारी, संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन, कोषाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग से चयनित प्राध्यापकों की एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूरी हो गई है। लंबे समय तक सेवा संपुष्टि लंबित रहने से शिक्षकों का मनोबल प्रभावित होता है तथा वे निरंतर मानसिक एवं प्रशासनिक असुरक्षा की स्थिति में कार्य करने को विवश होते हैं। दूसरी सबसे बड़ी समस्या एनपीएस की है। बिहार लोक सेवा आयोग एवं बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग से नियुक्त सहायक प्राध्यापकों के वेतन से 10 प्रतिशत कर्मचारी अंशदान की नियमित रूप से कटौती कर एनपीएस खाते में जमा की जा रही है, किंतु नियमानुसार देय 14 प्रतिशत सरकारी,नियोक्ता अंशदान विगत मार्च, 2025 से एनपीएस खाते में जमा नहीं किया जा रहा है। यह चिंता का विषय है। इसके साथ ही मगध विश्वविद्यालयों में पदस्थ महिला शिक्षकों को नियमानुसार 6 महीने 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश प्रदान किया जाना चाहिए। पुरुष शिक्षकों को 15 दिन का पितृत्व अवकाश भी दिया जाना अपेक्षित है। इसके साथ ही सभी महिला शिक्षकों को 2 वर्ष का शिशु देखभाल अवकाश भी दिया जाना अत्यावश्यक है। लेकिन, यह इतना संवेदनशील विषय होने के बावजूद इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आज की यह मुलाकात मगध विश्वविद्यालय उपर्युक्त मुद्दों के संबंध में माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने आश्वासन दिया है कि इन समस्याओं का निराकरण करने की दिशा में ठोस कदम उठाया

अरवल जिला 26वां वर्षगांठ मना रहा है ,अभी तक रेल का सपना अधूरा है:मनोज यादव

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिले में रेलवे लाइन के लिए जनता के द्वारा 13 वर्षों से आंदोलन लगातार जारी है फिर भी डबल इंजन की सरकार इस परियोजना को धरातल पर अभी तक नहीं लाई है इसी संदर्भ में

आज जिले की स्थापना दिवस के अवसर पर रेलवे संघर्ष समिति एवं अरवल विकास मंच के द्वारा रेल आंदोलन के सूत्रधार मनोज सिंह यादव के नेतृत्व में बस स्टैंड में सैकड़ो लोगों के साथ एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम करते हुए सरकार को ध्यान आकृष्ट करने के लिए उपवास किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोज सिंह यादव ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा बिहटा अनुग्रह नारायण रोड के लिए पूर्ण बजट 3600 करोड़ राशि आवंटन होने के बाद सरकार के गजट होने के बाद रेलवे अधिकारी एवं बिहार सरकार द्वारा अभी तक जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया नहीं की जा रही है सरकार उदासीन रही तो फिर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा मनोज सिंह यादव ने कहा कि अरवल जिला के विकास के लिए अरवल जिला में फोरलेन की समस्या ट्रामा सेंटर की समस्या बाईपास की समस्या आए दिन भ्रष्टाचार का मामला जब तक निदान नहीं होगा जिले अरवल का विकास अधूरा है स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के पदाधिकारी एवं चुनिंदा नेतागण जानबूझकर बंद कमरे में स्थापना दिवस मनाते हैं ताकि जनता अपने मुद्दा नहीं उठा सके जिला प्रशासन के लोग चाहते हैं कि हमारे भ्रष्टाचार का कलई ना खुल जाए इसलिए आम जनता को आम जनप्रतिनिधि को स्थापना दिवस से दूर रखते हैं जिला प्रशासन से अरवल विकास मंच मांग करता है कि आने वाला अगले साल का स्थापना दिवस गांधी मैदान अरवल में किया जाए ताकि जनता भी अपने जिला का स्थापना दिवस गौरव पुर्वक मनाये उपवास कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज सिंह यादव धनंजय कुमार चंद्रकांत कुमार रजनीश कुमार मंटू कुमार विजय बिहार ओम प्रकाश कुमार पप्पू कुमार खंडू पासवान उपेंद्र राजवंशी गजेंद्र राजवंशी बिजेंदर कुशवाहा विनोद कुमार रामजन्म चंद्रवंशी छोटू कुमार एवं सैकड़ो लोगों ने जिले अरवल के विकास की बात मजबूती तरीका से रखने का काम किया एकदिवसीय उपवास को समाजवादी नेता राम अयोध्या प्रसाद विद्यार्थी जूस पिलाकर समाप्त करवाया आंदोलनकारी ने कहा कि यह आंदोलन 13 वर्षों से जारी है ।

गयाजी के समग्र विकास के लिए आज हुई एक और सार्थक शुरूआत: जीतन मांझी

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी से पूर्व में प्रवाहित होने वाली मोक्षदायिनी फल्गु (निरंजना) नदी के पुनर्जीवन के लिए उठाए जा रहे कदम पर केंद्रीय मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने खुशी जताई है। श्री मांझी ने कहा है कि केंद्र सरकार की तरफ से की जा रही पहल जल्द रंग लाएगी। दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों की हुई अहम बैठक में इसके ब्लू प्रिंट पर चर्चा हुई है। पितरों के तर्पण के महीने पितृपक्ष के पहले ये अच्छी खबर आयी है।

केंद्रीय मंत्री मांझी ने कहा है कि पुराने मान्यता और वास्तविकता के मुताबिक फल्गु नदी में धाराप्रवाह पानी नहीं आ सकता। लेकिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

जी के भागिरथी प्रयास से फल्गु नदी में जलधारा लाने का संकल्प पूरा होगा।

मांझी ने कहा कि मोक्ष की नगरी गयाजी के चहुंमुखी विकास के लिए हमने जिस तरह हर सड़क को जोड़ लिया उसी तरह से अब नदियों को भी जोड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि मोक्षदायिनी फल्गु (निरंजना) नदी के पुनर्जीवन के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई है। इस बैठक में यह तय किया गया कि जल्द ही फल्गु नदी उड़ाही का काम शुरू हो जाएगा। मांझी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गयाजी का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सांसद प्रतिनिधि ई.नंदलाल मांझी एवं जिला अध्यक्ष टूटू खां ने कहा के गया जिला के लिए फल्गु नदी जीवनदायनी है सालों भर पानी रहने से तर्पण के साथ-साथ गया शहर वासियों को पेयजल की समस्या से निजात मिलेगी साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव होगा। दूरदर्शी सोच के साथ साथ जनहित और लोकहित के लिए हर संभव प्रयाश जारी रहेगा ।

शेरघाटी मे आपूर्ति सेवा संघ के आव्हान पर सांकेतिक विरोध जारी मांगें पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी मे बिहार आपूर्ति सेवा संघ के आह्वान पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शेरघाटी अनुमंडल क्षेत्र के आपूर्ति विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने गुरुवार, 20 अगस्त से हाथ पर काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध शुरू किया। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो सामूहिक अवकाश के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है।सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी शशि भूषण शर्मा ने बताया कि संघ के आह्वान पर 20 से 26 अगस्त 2026 तक सांकेतिक विरोध के माध्यम से शासन-प्रशासन का ध्यान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मियों की समस्याओं की ओर आकृष्ट कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संघ की प्रमुख मांगों में प्रत्येक प्रखंड को विभागीय वाहन उपलब्ध कराने, प्रखंड आपूर्ति कार्यालयों को पर्याप्त संसाधन एवं बजट देने, प्रथम प्रोन्नति पर पे लेवल-9 देने, करीब 200 रिक्त पदों पर शीघ्र डीपीसी एवं प्रोन्नति करने तथा 18 वर्षों से लंबित आपूर्ति सेवा के कैडर रिस्ट्रक्चरिंग की मांग शामिल है।इसके अलावा प्रत्येक प्रखंड कार्यालय में दो सहायक और दो अनुसेवक उपलब्ध कराने, आपूर्ति निरीक्षक के पदनाम को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी करने के साथ राजपत्रित दर्जा देने, पीडीएस से संबंधित प्रशासनिक एवं प्रवर्तन शक्तियां उपलब्ध कराने, अतिरिक्त अथवा अवकाश दिवस में किए गए कार्य के लिए भोजन एवं प्रतिपूरक अवकाश देने तथा राशन कार्ड अभियान के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। संघ ने अनुचित वेतन कटौती एवं दंडात्मक कार्रवाई वापस लेने की भी मांग की है।सांकेतिक विरोध में सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी शशि भूषण शर्मा, बाराचट्टी के सिद्धार्थ कुमार, गुरुआ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आदि थे।

राजीव गांधी के सपने आधुनिक भारत की नींव: प्राध्यापिका

प्रात : किरण संवाददाता

गया कॉलेज के राजनीति शास्त्र विभाग एवं लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सद्भावना दिवस के अवसर पर 21वीं सदी में राजीव गांधी के सपनों का भारत विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय तिवारी एवं लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया है।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आयुष कुमार, ऋषि कुमारी, ज्योति कुमारी एवं अंकित कुमार ने राजीव गांधी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। सहायक प्राध्यापिका स्वीटी कुमारी ने राजीव गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों और योगदान की चर्चा की गई है। वहीं, पुष्पा कुमारी सोनी ने पंचायती राज की अवधारणा एवं विकेंद्रीकरण के महत्व को रेखांकित किया है।इस कार्यक्रम का संचालन लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में राजीव गांधी की बहुआयामी प्रतिभा और दूरदर्शी सोच पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीक, दूरसंचार और नई शिक्षा नीति जैसे क्षेत्रों में राजीव गांधी ने महत्वपूर्ण पहल की थी।अध्यक्षीय भाषण में डॉ. संजय तिवारी ने राजीव गांधी को युगपुरुष बताते हुए उनके विचारों और आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान को याद किया है। धन्यवाद ज्ञापन राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशान्त ने किया है। उन्होंने सद्भावना दिवस मनाने की सार्थकता पर प्रकाश डाला। कहा : आपसी भाईचारा, सद्भाव और सामाजिक एकता नीवं है।

सोलर मेला का भव्य आयोजन किया गया

- नगर आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने प्रचार प्रसार के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली सोलर रथ रवाना किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।आज गया जिला अंतर्गत हरिदास सेमिनरी में सोलर मेला 2026 का आयोजन किया गया है जिसमें जिला पदाधिकारी महोदय शशांक शुभंकर एवं नगर आयुक्त के द्वारा सोलर से संबंधित मेले का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही इस मेले के पश्चात पूरे गया जिले में प्रचार प्रसार हेतु पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने हेतु सोलर रथ को

उनके द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। इसके साथ ही उनके द्वारा सभी उपभोक्ताओं को हरित ऊर्जा के रूप में सोलर रूफटॉप पैनल अपने छतों पर लगवाने हेतु भी आग्रह किया गया है।इस मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया एवं सोलर मेला में लगभग 150 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया एवं कई बैंकों के द्वारा करीब 25 से अधिक सोलर लोन उक्त सोलर मेले में उपभोक्ताओं को दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त गया जिले में सोलर रूफटॉप पैनल लगाने हेतु पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत अच्छा कार्य करने वाले सोलर वेंडर, जिला स्तरीय बैंक एवं विभागीय पदाधिकारी को सम्मानित किया गया है।

विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालय के शिक्षक संघ द्वारा शिक्षकों के कई लंबित मांगों को लेकर कुलपति से एक बैठक कर ज्ञापन दिया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।मगध विश्वविद्यालय के कई अंगीभूत महाविद्यालय के शिक्षक संघ के द्वारा जिसमें गया कॉलेज गया, जे जे कॉलेज गया, जीबीएम कॉलेज गया, ए एम कॉलेज गया, एस एम एस जी कॉलेज शेरघाटी, एस एन सिन्हा कॉलेज टेकारी और किशोरी सिन्हा महिला कॉलेज औरंगाबाद, कुलपति महोदय से मुलाकात कर गुरुवार एक बैठक किया गया है। शिक्षकों के विभिन्न मुद्दों पर एक सार्थक बातचीत के बाद कुलपति ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इन सभी मुद्दों पर विश्वविद्यालय विचार कर समाधान करेगी।

गया कॉलेज के शिक्षक संघ द्वारा विभिन्न मांगो को माननीय कुलपति महोदय के समक्ष रखा गया जो निम्नलिखित है

मगध विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त सीनियर तथा नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों को कई माह से वेतन भुगतान नहीं होने के कारण आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों के बकाया वेतन का अविलंब भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। विश्वविद्यालय कई नव नियुक्त शिक्षकों का वेतन एक्सपीरियंस वेरिफिकेशन के नाम पर रोकी रखी है जबकि अन्य सभी वश्वविद्यालय में वेतन दिया जा रहा है।निर्धारित अवधि एवं आवश्यक शर्तें पूरी कर चुके सहायक प्राध्यापकों की सेवा संपुष्टि लंबित रहने से उनके मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पिछले कई महीनों से वेतन से एनपीएस के लिए काटी गई राशि के समुचित समायोजन एवं संबंधित अभिलेखों को अद्यतन करने की मांग की गई है। परंतु इसका कोई समाधान नहीं हो रहा है।

महिला शिक्षकों को नियमानुसार मातृत्व अवकाश, पुरुष शिक्षकों को पितृत्व अवकाश तथा पात्र शिक्षकों को शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किए जाने की मांग की गई है। बिहार सरकार के अंतर्गत ये सारी सुविधाएं दी जा रही है परंतु विश्वविद्यालय में ये मामला लंबित है। शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लंबित महंगाई भत्ता के भुगतान का मामला भी प्रमुखता से उठाया गया है।

गया कॉलेज शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध किया है कि उपर्युक्त सभी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए।

संघ ने कहा कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का समयबद्ध समाधान होने से उनका मनोबल बढ़ेगा और वे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन और अधिक उत्साह एवं समर्पण के साथ कर सकेंगे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातः किरण

पटना, शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026

ग्रामीण परिवेश में रह रहे लोगों का सपना हुआ साकार, 33084 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत सौंपी गई चाबी

■ पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद सभागार में संपन्न हुआ गृह प्रवेश का भव्य कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। ग्रामीण विकास की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ढटअ -ॠ अंतर्गत आज पूर्वी चंपारण जिला में 33084 लाभुकों को नव निर्मित आवास की चाबी सौंपी गई और उनका गृह प्रवेश कराया गया। जिला स्तर पर पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद सभागार भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विधायक पिपरा श्याम बाबू प्रसाद यादव, विधायक सुगौली राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार, अपर समाहर्ता लोक शिकायत शैलेंद्र कुमार भारती, अपर समाहर्ता विभागीय जांच मो सिबगतुल्लाह सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास के लाभुक उपस्थित थे। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में बिहार में पूर्ण किए गए 3.35 लाख आवासों का गृह प्रवेश, आवास का चाबी एवं नए चयनित लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का वितरण तथा केंद्र सरकार द्वारा बिहार राज्य को लक्ष्य का आवंटन से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन पटना में किया गया था जिसका सीधा प्रसारण डॉ राजेंद्र प्रसाद सभागार (मोतिहारी) में कराया गया।

पटना में आयोजित कार्यक्रम में सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री, बिहार, माननीय उपमुख्यमंत्री श्री विजेंद्र प्रसाद यादव, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के साथ शिवराज सिंह चौहान, मंत्री, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार भी उपस्थित थे। डॉ राजेंद्र प्रसाद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के 11 लाभुकों को नव निर्मित आवास का प्रतीकात्मक चाबी एवं शुभकामना संदेश दिया गया इसके अतिरिक्त कुल 11 लोगों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति संबंधी स्वीकृत्यदेश भी दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि 2024- 25 एवं 2025-26 अंतर्गत जिले को कुल 106357 आवास का लक्ष्य प्राप्त हुआ था जिसके विरुद्ध 106291 आवास के लिए स्वीकृति प्रदान की गई थी। वर्तमान में 33084 आवास को पूर्ण कराया गया है। आवास पूर्ण करने वाले लाभुकों को आज आवास का चाबी सौंपा गया है। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में फूलमाला देवी, चंद्रावती देवी, इन्द्रासनी देवी, कृष्णा चौधरी, नगीना साह, महेंद्र राय, रंगीता देवी, शिवधारी सहनी, मीना देवी, जगन्नाथ दास, गीता देवी को आवास की चाबी माननीय विधायक गण और जिलाधिकारी के द्वारा प्रदान की गई। आज के कार्यक्रम में कुल 11 लोगों को प्रधानमंत्री आवास संबंधी स्वीकृत्यादेश भी प्रदान किया गया जिसमें सुशीला देवी, फुलगनी देवी, पुष्पा देवी, सुकन देवी, शांति देवी, शत्रुघ्न सहनी, प्रगण सहनी, रमेश सहनी, रतनी देवी, रामप्रवेश सहनी और बच्चन दास शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जो आवास अभी पूर्ण नहीं हुए हैं उसके पूर्णता के लिए ग्रामीण विकास विभाग लगातार कार्य कर रहा है।

उप विकास आयुक्त के स्तर पर उसकी प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और शीघ्र ही इन आवासों को भी पूर्ण करा लिया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना अंतर्गत 2023- 24 एवं 2025-26 में कुल 1904 अवसान का लक्ष्य प्राप्त हुआ था जिसके विरुद्ध वर्तमान में 1720 आवासों को पूर्ण कर लिया गया है। इस मद में 1,20,000 रू को राशि राज्य सरकार के द्वारा जाती है।

जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि ग्रामीण विकास की योजनाओं में मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना को भी पूर्वी चंपारण जिला में सफलतापूर्वक लागू कराया गया है। इस योजना अंतर्गत वैसे लाभुक जिनका आवास 2010 से पहले बना था और आवास की स्थिति अच्छी नहीं थी, उन आवासों के जीर्णोद्धार के लिए एक मुस्त 50000 की राशि सरकार के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। इस मद में पूर्वी चंपारण जिला में 2890 आवासों के जीर्णोद्धार के लक्ष्य के विरुद्ध 2834 आवासों का जीणोद्धार कराया गया है। यह योजना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अति पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए है। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना से आच्छादित जिला के सभी लाभुकों को शुभकामनाएं दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण परिवारों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है जो पात्र परिवारों को उनके लिए घर की सपना को साकार करती है। यह योजना ग्रामीण परिवेश में सामान्य जीवन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करती है। गृह प्रवेश के इस समारोह में उपस्थित माननीय विधायक गण के द्वारा भी प्रधानमंत्री आवास के लाभुकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई एवं उनके सफल तथा उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर निदेशक डीआरडीए डॉक्टर कुंदन कुमार एवं जयराम चौरसिया सहित ग्रामीण विकास विभाग के सभी पदाधिकारी एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

14 गरीब परिवारों का पूरा हुआ पक्के घर का सपना, विधायक ने सौंपी आवास की चाबी

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गुरुवार को मैनाटांड प्रखंड सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 14 लाभार्थियों को उनके नवनिर्मित पक्के मकान की चाबी सौंपी गई। मुख्य अतिथि विधायक समृद्ध वर्मा ने लाभार्थियों को चाबी प्रदान कर उनके नए घर में प्रवेश की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बीडीओ दीपक राम और ग्रामीण आवास पर्यवेक्षक हेमंत कुमार समेत प्रखंड के अन्य कर्मी मौजूद रहे। चाबी मिलने के बाद लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। विधायक समृद्ध वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सम्मान के साथ पक्का घर उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने लाभार्थियों से सरकार से प्राप्त राशि का उचित उपयोग करते हुए समय पर आवास निर्माण पूरा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आवास योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है, ताकि कोई पात्र परिवार पक्के मकान से वंचित न रहे। बीडीओ दीपक राम ने बताया कि वित्तीय वर्ष के दौरान आवास निर्माण के लिए राशि प्राप्त कर मकान का पूर्ण निर्माण कराने वाले 14 लाभार्थियों को गुरुवार को आवास की चाबी दी गई। वहीं, पांच अन्य लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त की स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।बीडीओ ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम में ग्रामीण आवास सहायक कुमार सानू, कमलेश कुमार गुप्ता, अनूप कुमार, सचिन कुमार, अमरेंद्र कुमार, कुलदीप कुमार शर्मा, जयदेव पासवान सहित अन्य कर्मी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अफवाह पर लगा विराम, गुम हुई महिला सकुशल मिली

बगहा। नौरंगिया थाना क्षेत्र इलाके में एक महिला के कुछ घंटों तक घर से गायब रहने के बाद बाघ के हमले की अफवाह फैल गई। महिला के लापता होने की सूचना के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं और आशंका जताई जाने लगी कि कहीं बाघ ने एक और महिला को अपना शिकार तो नहीं बना लिया। हालांकि, कुछ देर बाद महिला के सकुशल मिलने की सूचना के साथ ही अफवाहों पर विराम लग गया। मदनपुर रेंज के रेंजर नसीम अहमद ने बताया कि महिला सकुशल मिल गई है और वह अपने परिजनों के पास पहुंच चुकी है। गौरतलब है कि पिछले 17 दिनों के दौरान बाघ के हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत की घटनाओं के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ऐसे में महिला के कुछ समय के लिए घर से गायब रहने की सूचना मिलते ही अफवाह तेजी से फैल गई।

6 मई 2025 से पहले जारी चेकों के आधार पर 'चेक अनादर' का मामला दर्ज करने का रास्ता खुला

बगहा। नेपाल के सर्वोच्च अदालत ने पुराने चेक बाउंस मामलों को लेकर महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। अदालत के आदेश के बाद 6 मई 2025 से पहले जारी पुराने चेकों के आधार पर ह्यचेक अनादरह्न का मामला दर्ज करने का रास्ता फिलहाल खुल गया है। इससे पुराने चेक बाउंस मामलों से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, विनिमय अधिकारपत्र ऐन, 2034 की धारा 107क से संबंधित नई कानूनी व्यवस्था को लेकर विवाद के बीच सर्वोच्च अदालत की संवैधानिक इजलास ने अंतरिम आदेश जारी किया। आदेश के तहत पुराने चेकों के संबंध में तत्काल नई व्यवस्था लागू नहीं होगी और पहले से लागू व्यवस्था के अनुसार कार्रवाई का रास्ता कायम रहेगा। इसका सीधा असर उन मामलों पर पड़ सकता है, जिनमें पुराने चेक बैंक में जमा होने के बाद पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण वापस हो गए थे।

हरसिद्धि में मां की हत्या का 12 घंटे में खुलासा, पुत्र गिरफ्तार

मोतिहारी पु.च. हरसिद्धि थाना पुलिस ने हत्या के एक मामले का महज 12 घंटे के अंदर सफल उद्भेदन करते हुए मृतका के पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त खून लगा डैगर, चाकू तथा मृतका की हत्या के बाद उसके पास से लिए गए 45 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बनकटवा निवासी झुमन मियां ने हरसिद्धि थाना में आवेदन देकर बताया कि 18 अगस्त को उनकी पत्नी नजमा खातुन अपने पुत्र आलम हुसैन के साथ अरेराज बैंक से 45 हजार रुपये निकालकर मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। इसी दौरान खोरी पाकड़ चिमनी के समीप चार अपराधियों ने उन्हें और उनके पुत्र को रोककर मारपीट की तथा नजमा खातुन को रुपये सहित उठाकर ले गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। टीम ने मामले की जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान मृतका के पुत्र आलम हुसैन के बयान में लगातार विरोधाभास पाया गया। घटनास्थल के रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी यह सामने आया कि मृतका और उसका पुत्र सेवराहा की ओर से आ रहे थे तथा उनके पीछे कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं था।

आवासीय विद्यालय में बच्चों ने खोली बदहाली की पोल

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी के सुगौली प्रखंड के सुगांव स्थित भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में बदहाल व्यवस्था को लेकर गुरुवार को बच्चों का दर्द सामने आया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सदर एसडीएम अरुण कुमार पांडेय और एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया और कक्षा में बच्चों से सीधे बातचीत कर समस्याओं की जानकारी ली। बच्चों ने एचएम और बीडब्ल्यूओ पर शराब के नशे में विद्यालय आने और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया। सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर विधालय में शराब जाता कैसे हैं। बच्चों का दावा है कि अधिकारियों के आने से पहले उन्हें शिकायत नहीं करने की धमकी दी गई थी। वहीं, दो दिन पहले खराब भोजन के विरोध में करीब 20 घंटे तक चले प्रदर्शन का मुद्दा भी बच्चों ने डीएम के सामने उठाया। बच्चों ने कहा कि अधिकारियों के जाते ही भोजन व्यवस्था फिर पुराने ढर्रे पर लौट गई। शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित होने की शिकायत करते हुए विद्यार्थियों ने डीएम से एचएम और बीडब्ल्यूओ को हटाने की मांग की। निरीक्षण में भोजन, मेस और अन्य सुविधाओं से जुड़ी कई शिकायतें भी सामने आईं। डीएम ने जिला कल्याण पदाधिकारी को सभी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। एसडीओ को महीने में कम से कम एक बार विद्यालय पहुंचकर बच्चों से संवाद करने तथा बीडीओ और थाना प्रभारी को भी नियमित निरीक्षण करने को कहा गया है।

तमकुहवा में बच्ची की मौत के मामले में CCTV फुटेज सामने आया

बगहा। बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना क्षेत्र के तमकुहवा चौक के समीप गन्ने के खेत से करीब पांच वर्षीय बच्ची का शव बरामद होने के मामले में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद जांच तेज हो गई है। करीब तीन मिनट के वायरल फुटेज में लाल साड़ी पहने एक महिला बच्ची के पास बैठी दिखाई दे रही है। फुटेज सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी कैमरा तमकुहवा स्थित हीरो एजेंसी के सामने लगा है। जिस स्थान का फुटेज सामने आया है, वह बच्ची का शव मिलने वाली जगह से करीब 100 मीटर की दूरी पर बताया जा रहा है। फुटेज में महिला कुछ देर तक बच्ची के पास बैठी दिखाई देती है।

नेपाल से भटककर इनरवा पहुंचा गैंडा, ग्रामीणों में दहशत

■ खेत में फसल चरते दिखा गैंडा, पुलिस-एसएसबी ने की घेराबंदी, रेस्क्यू के दौरान नेपाली वनकर्मी घायल

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। नेपाल के जंगल से भटककर एक गैंडा गुरुवार को भारतीय क्षेत्र के इनरवा पहुंच गया। खेत में गैंडे को फसल चरते देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना इनरवा पुलिस और एसएसबी को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर लोगों को गैंडे से दूर रहने की अपील की। मामले की जानकारी वन विभाग को दी गई। सूचना पर मंगूराहा वन क्षेत्र के रेंजर पंकज कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गैंडा नेपाल के जंगल से भटककर भारतीय क्षेत्र में आया है। इसकी जानकारी नेपाल वन विभाग को भी दे दी गई है। सूचना के बाद नेपाल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गैंडे को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करने का अभियान शुरू किया। रेस्क्यू में मंगूराहा वन विभाग की टीम भी सहयोग कर रही है। रेस्क्यू अभियान के दौरान गैंडे ने हमला कर दिया, जिसमें नेपाल के वनकर्मी एन बहादुर बस्नेत घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए नेपाल पुलिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वन विभाग की टीमें लगातार गैंडे की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। रेंजर पंकज कुमार ने बताया कि गैंडे को सुरक्षित पकड़ने का प्रयास जारी है। रेस्क्यू पूरा होने के बाद गैंडे को सकुशल नेपाल भेज दिया जाएगा।

नागपंचमी मेले में नियमों का उल्लंघन, 28 लोगों पर प्राथमिकी

सुगौली। प्रखंड के सुकुलपाकड़ पंचायत स्थित सिकरहना घाट के आगे एनएच-28 पर 17 अगस्त को आयोजित नागपंचमी मेले में नियमों के उल्लंघन को लेकर सुगौली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मेले में लाइसेंस की निर्धारित नियमावली का उल्लंघन कर अत्यधिक भीड़ जुटाने तथा तेज आवाज में साउंड सिस्टम और डीजे बजाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष अनिष कुमार सिंह ने बताया कि मामले में लाइसेंसधारी समेत कुल 23 लोगों को नामजद किया गया है। इसके अलावा तेज आवाज में डीजे बजाने के आरोप में पांच डीजे संचालकों के खिलाफ भी नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस प्रकार प्राथमिकी में कुल 28 लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस के अनुसार मेले के आयोजन के लिए निर्धारित नियमों एवं शर्तों का पालन करना आवश्यक था। इसके बावजूद मेले में अत्यधिक भीड़ जुटाने और तेज आवाज में साउंड व डीजे बजाने की शिकायत प्रशासन को मिली थी। शिकायत के बाद एसडीएम के आदेश पर सुगौली पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

17 दिनों से लापता 11 वर्षीय गौतम का गंडक नदी से शव बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। (नसीम खान क्या)

नगर थाना क्षेत्र के रत्नमाला के पास गुरुवार को गंडक नदी से 17 दिनों से लापता 11 वर्षीय गौतम कुमार का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं घटना के बाद आसपास के इलाके में भी शोक का माहौल है। मृतक की पहचान नगर परिषद के वार्ड नंबर-26 स्थित रामधाम मंदिर निवासी तुलसी साह के 11 वर्षीय पुत्र गौतम कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गौतम पिछले 17 दिनों से लापता था। उसके लापता होने के बाद परिजन और ग्रामीण लगातार उसकी तलाश में जुटे थे। काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई थी। बतादें, गौतम की बरामदगी की मांग को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने चार अगस्त को सड़क जाम कर प्रदर्शन भी किया था। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पुलिस और प्रशासन से बच्चे को जल्द से जल्द बरामद करने की मांग की थी। इसके बाद पुलिस मामले की जांच करते हुए गौतम की तलाश में जुटी थी। इसी बीच गुरुवार को रत्नमाला के पास गंडक नदी में एक शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाया। एसडीपीओ निहार भूषण ने शव बरामद होने की पुष्टि की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चलने की बात पुलिस की ओर से कही जा रही है। वहीं, गौतम की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसएसबी 21वीं वाहिनी ने दो घटनाओं में दिखाई मानवता

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 21वीं वाहिनी ने लगातार दो अलग-अलग घटनाओं में त्वरित मानवीय सहायता पहुंचाकर ह्यसेवा, सुरक्षा, बंधुत्वह्न के मूलमंत्र को चरितार्थ किया। एक ओर दुर्गम दोन क्षेत्र में प्रसव पीड़िता को विशेष 4x4 एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं दूसरी ओर पटखौली में सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। दोन क्षेत्र के नौरंगिया गांव निवासी चुनमुन कुमारी को प्रसव पीड़ा होने की सूचना पर कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के निर्देश पर सीमा चौकी कुमारचिनवा की टीम तत्काल सक्रिय हुई। एसएसबी की विशेष 4x4 एंबुलेंस से प्रसव पीड़िता को सुरक्षित हरनाटांड़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका सफल प्रसव हुआ। एसएसबी के अनुसार मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। वहीं, 19 अगस्त की शाम करीब 7:10 बजे पटखौली मदरसा के पास मोटरसाइकिल सवार उत्तर प्रदेश निवासी वाडू यादव हादसे में घायल हो गए। बताया गया कि मोटरसाइकिल के सामने अचानक भैंसों का झुंड आ जाने से बाइक फिसल गई, जिससे उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही कमांडेंट के निर्देश पर एसएसबी की मेडिकल टीम और विशेष 4x4 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। टीम ने घायल को प्राथमिक उपचार दिया और उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल, बगहा पहुंचाया, जहां उनका आवश्यक उपचार किया गया।

नेपाल के जाजरकोट और रोल्पा में भारी बारिश से तबाही, कई परिवार विस्थापित

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में लगातार हो रही मानसूनी बारिश के कारण जाजरकोट और रोल्पा जिलों में भूस्खलन की घटनाओं ने भारी तबाही मचाई है। रोल्पा में एक बड़े भूस्खलन में 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि तीन लोग अब भी लापता बताए गए हैं। वहीं जाजरकोट में भूस्खलन और कटाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और दर्जनों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। बतादें, रोल्पा जिले के थबाङ ग्रामीण नगरपालिका-5 के कोटलाबारा क्षेत्र में रात करीब 8:40 बजे भारी बारिश के बाद पहाड़ी से मलबा नीचे आया। इसकी चपेट में कई घर, दुकानें और पशु शेड आ गए। शुरूआती रिपोर्ट में करीब सात परिवार प्रभावित बताए गए थे। बाद में घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई और तीन लोग लापता बताए गए। इसके बाद अगली रात सुनछहरी ग्रामीण नगरपालिका-2 के फलाबाङ गांव में भी भूस्खलन से दो मकान दब गए। इस घटना में चार लोगों की मौत की सूचना सामने आई। लगातार बारिश के कारण जिले के कई गांवों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। वहीं, जाजरकोट जिले के भेरी नगरपालिका क्षेत्र में बारिश और भूस्खलन से मकानों को नुकसान पहुंचा। एक दो मंजिला पत्थर-मिट्टी का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसमें रहने वाला पांच सदस्यीय परिवार रिश्तेदार के यहां चला गया।

सोलर मेला-सह-लोन मेला का हुआ सफल आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। कंपनी मुख्यालय एवं जिला पदाधिकारी, बेतिया के निदेर्शानुसर गुरुवार को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बगहा में सोलर मेला-सह-लोन मेला का सफल आयोजन किया गया। इसमें अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा चांदनी कुमारी, माननीय श्री राम सिंह, कमाण्डेंट 21इठ रइ श्री तपेश्वर राउत एवं कमाण्डेंट 65इठ रइ डॉ बिपिन आदि उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निदेर्शानुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ताओं को सोलर पैनल अधिष्ठापन योजना से जोड़ने के उद्देश्य से आज दिनांक 20 अगस्त, 2026 को विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बगहा के परिसर में सोलर मेला-सह-लोन मेला का सफल आयोजन किया गया। आयोजित सोलर मेला-सह-लोन मेला में अनुमंडल पदाधिकारी स्वयं शामिल हुईं तथा मेले में की गई व्यवस्थाओं एवं योजना से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया। उपस्थित पदाधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों एवं सोलर वेंडर्स को आपसी समन्वय के साथ अधिक से अधिक पात्र उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने तथा आवेदन से लेकर ऋण स्वीकृति एवं सोलर पैनल इंस्टॉलेशन तक की प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग प्रदान करने का निर्देश दिया गया। मेले में बड़ी संख्या में आमजनों ने भाग लेकर सोलर रूफटॉप योजना, उपलब्ध सब्सिडी, बैंक ऋण एवं सोलर पैनल इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त की। मेले के दौरान कुल 82 उपभोक्ताओं के आवेदन पीएम सूर्य घर पोर्टल पर ऑनलाइन किए गए। इनमें से 6 आवेदकों के ऋण तत्काल स्वीकृत किए गए, जबकि 18 आवेदनों पर ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त, मेले में 250 लोगों को योजना से संबंधित जानकारी देते हुए आवश्यक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया गया, जबकि 16 उपभोक्ताओं द्वारा सोलर पैनल इंस्टॉलेशन हेतु अग्रिम प्रक्रिया पूर्ण की गई। सोलर मेला-सह-लोन मेला में पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक एवं ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकृत सोलर वेंडर्स भी उपस्थित रहे। बैंक प्रतिनिधियों द्वारा लाभुकों को ऋण प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं अधिकृत सोलर वेंडर्स द्वारा सोलर पैनल की स्थापना, क्षमता चयन एवं तकनीकी प्रक्रिया के संबंध में उपभोक्ताओं का मार्गदर्शन किया गया। मेले के सफल आयोजन में सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। पदाधिकारियों द्वारा आमजनों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभों से अवगत कराते हुए अधिकाधिक पात्र उपभोक्ताओं को योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। सोलर पैनल लगाने वाले कंज्यूमर को सोलर अग्रदूत सम्मान से सम्मानित किया गया। वहीं सभी प्रखंड में सोलर जागरूकता हेतु हरी झंडी दिखा कर सोलर रथ किया गया रवाना। जिला प्रशासन द्वारा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैंकों, अधिकृत सोलर वेंडर्स एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए लंबित ऋण आवेदनों के शीघ्र निष्पादन तथा सोलर पैनल इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया में लाभुकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने पर विशेष बल दिया गया।

जंगल किनारे गन्ने के खेतों में मचान लगाकर वन विभाग की जा रही निगरानी

■ बाघ की गतिविधियों पर नजर, दूरबीन से निगरानी के साथ ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने की दी जा रही चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। जंगल से सटे गन्ने के खेतों में वन विभाग ने वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। वनकर्मियों द्वारा गन्ने के खेतों में मचान तैयार कर दूरबीन के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। साथ ही जंगल के किनारे जाने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की जा रही है। वन विभाग की टीम गन्ने के खेतों और जंगल की सीमा से सटे इलाकों में विशेष निगरानी कर रही है। मचान पर तैनात वनकर्मी दूरबीन के माध्यम से आसपास के क्षेत्र पर नजर रख रहे हैं, ताकि किसी भी वन्यजीव की गतिविधि का समय रहते पता लगाया जा सके। रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि जंगल से सटे गन्ने के खेतों में मचान लगाकर वनकर्मियों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। ग्रामीणों को भी जंगल के किनारे जाने से बचने और सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता के अनुसार निगरानी और बढ़ाई जाएगी। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि खेतों में काम करने के दौरान विशेष सावधानी बरतें और किसी वन्यजीव की मौजूदगी की सूचना मिलने पर तत्काल वन विभाग को जानकारी दें।

मैनाटांड के सरकारी कार्यालयों में विधायक का औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। प्रखंड क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और कार्यालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लेने के लिए गुरुवार को विधायक समृद्ध वर्मा ने विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। विधायक ने प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय और कृषि कार्यालय पहुंचकर वहां संचालित कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बीडीओ दीपक राम, सीओ सुमंत कुमार और बीईओ रमेश कुमार गुप्ता कार्यालय में उपस्थित मिले। विधायक ने अधिकारियों से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, विकास कार्यों के क्रियान्वयन और ग्रामीणों से जुड़ी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों की शिकायतों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कार्यालयों में लंबित एवं चल रहे कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने और आम लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्परता से काम करने को कहा। विधायक ने कहा कि सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी जरूरी है।

बाघ के रेस्क्यू के लिए वाल्मीकिनगर-मदनपुर रेंज का संयुक्त ऑपरेशन शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के जंगल क्षेत्र में सक्रिय बाघ को रेस्क्यू करने के लिए वाल्मीकिनगर और मदनपुर रेंज की वन विभाग की टीमों ने संयुक्त अभियान शुरू कर दिया है। बाघ की गतिविधियों का पता लगाने और उसे ट्रेस आउट करने के लिए दोनों रेंज के वनकर्मी सामूहिक रूप से प्रयास कर रहे हैं। मदनपुर रेंज के रेंजर नसीम अहमद ने बताया कि बाघ को ट्रेस करने और रेस्क्यू करने के लिए सभी संभावित विकल्पों का इस्तेमाल किया जा रहा है। दोनों रेंज की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रही हैं। बाघ की गतिविधियों का पता लगाने के लिए वनकर्मियों की विशेष टीमें लगाई गई हैं। वहीं वाल्मीकिनगर रेंज के रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि अभियान में वीटीआर के पालतू हाथियों को भी लगाया गया है। हाथियों की मदद से जंगल के उन इलाकों में भी निगरानी और तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जहां पैदल टीमों के लिए पहुंचना मुश्किल है। रेंजर ने आगे बताया कि वाल्मीकिनगर और मदनपुर रेंज के बीच कई बरसाती नाले और दुर्गम वन क्षेत्र हैं। ऐसे में बाघ की लोकेशन ट्रेस करने में कुछ चुनौती आ रही है, लेकिन वनकर्मियों का प्रयास लगातार जारी है। इधर, जंगल से सटे गांवों और आबादी वाले इलाकों में वन विभाग की ओर से माइकिंग कर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। ग्रामीणों से जंगल की ओर नहीं जाने और बाघ की मौजूदगी की सूचना मिलने पर वन विभाग को तत्काल जानकारी देने की अपील की जा रही है।

कुतलूपुर दियारा का डायवर्सन ध्वस्त, आवागमन ठप

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर, सदर (मुंगेर)। सदर प्रखंड अंतर्गत कुतलूपुर दियारा पंचायत को मुंगेर मुख्यालय से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पचवीर बाजार होते हुए गुजरता है।

इसी मार्ग पर बना डायवर्सन बीच में ही ध्वस्त हो गया है, जिससे दियारा के लोगों का आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। डायवर्सन टूटने के कारण कुतलूपुर दियारा के ग्रामीणों को पंचवीर बाजार और मुंगेर मुख्यालय आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डायवर्सन बने अभी एक वर्ष भी नहीं हुआ और वह ध्वस्त हो गया। कार्य एजेंसी की गुणवत्ता पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। स्थिति को देखते हुए उप प्रमुख दुर्गा कुमारी ने इसकी सूचना जिलाधिकारी मुंगेर एवं आपदा विभाग को दिया। जिस पर जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया और डायवर्सन की मरम्मती तुरंत आदेश दिए जिस पर विभाग द्वारा कार्य प्रारंभ किया गया है। ताकि लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो। भाजपा किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष चंदन चौधरी ने बताया कि डायवर्सन ध्वस्त होने के बाद हम लोग अपनी ओर से कार्य एजेंसी से मिलकर लोगों आवागमन की परेशानी दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। पंचायत के मुखिया जितेंद्र रजक ने बताया कि हालांकि बाढ़ को लेकर भी चिंता सताने लगी है।

खड़गपुर अनुमंडल न्यायालय की जल्द होगी स्थापना

प्रधान न्यायाधीश और डीएम स्थलीय जांच करने पहुंचे

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। हवेली खड़गपुर अनुमंडल में अनुमंडल न्यायालय को शीघ्र प्रारम्भ करने के उद्देश्य से बुधवार जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर एवं प्रधान न्यायाधीश द्वारा संयुक्त रूप से हवेली खड़गपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यायालय के सुचारू एवं सुगम संचालन के लिए उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं, कार्यालय कक्षों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल कार्यालय भवन के भूतल पर अनुमंडल न्यायालय एवं न्यायालय से संबंधित कार्यालय कक्षों का संचालन किए जाने पर सहमति बनी।

इस व्यवस्था से न्यायालय के शीघ्र संचालन के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा अनुमंडल क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर न्यायिक सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। इसके साथ ही विधिज्ञ परिसर के लिए भी संभावित स्थल का निरीक्षण किया गया। विचार-विमर्श के उपरांत वर्तमान में विधिज्ञ परिसर को उसके निर्धारित स्थल पर ही संचालित रखने का निर्णय लिया गया। न्यायालय एवं विधिज्ञ परिसर से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को न्यायालय के संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि न्यायालय के प्रारम्भ होने से हवेली खड़गपुर अनुमंडल एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को न्यायिक सेवाओं के लिए दूर जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही न्यायालय संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने बताया कि आज माननीय प्रधान न्यायाधीश के साथ अनुमंडल न्यायलय हेतु स्थल का निरीक्षण किया गया है। न्यायालय के संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को शीघ्र पूर्ण करते हुए जल्द ही हवेली खड़गपुर में अनुमंडल न्यायालय की सेवा प्रारम्भ करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य न्यायिक सेवा सहित सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं जनोपयोगी सेवाओं को आमजन के लिए अधिक सुलभ, सुगम एवं प्रभावी बनाना है। अनुमंडल न्यायालय के प्रारम्भ होने से हवेली खड़गपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर न्यायिक सेवा का महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद सहित संबंधित न्यायिक एवं प्रशासनिक पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मानपुर में कुव्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्वदलीय संघर्ष समिति का महाधरना प्रदर्शन

■ नौरंगा गाँव से हजारों ग्रामीण पहुंचे प्रखंड कार्यालय, विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

गया मानपुर। प्रखंड कार्यालय में कथित अफसरशाही, उन कुव्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ गुरुवार को सर्वदलीय संघर्ष समिति के बैनर तले धरना-प्रदर्शन किया गया है। नौरंगा गांव से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचे हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व क्षितिज मोहन सिंह, राणा रंजीत सिंह और रिंकी देवी ने किया है। इस सभा का संचालन राणा रंजीत सिंह ने किया है।

प्रदर्शनकारियों ने मानपुर प्रखंड कार्यालय में जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, एलपीसी, आधार कार्ड और वृद्धा पेंशन सहित अन्य योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग की। नौरंगा रोड से अतिक्रमण हटाकर नाली और सड़क निर्माण शीघ्र शुरू कराने, सोमवार व शुक्रवार को पूर्व की तरह जनता दरबार लगाने तथा प्रखंड कार्यालय में आम लोगों के लिए प्रतीक्षालय बनवाने की भी मांग की गई है। इसके अलावा आरओ से अंचलाधिकारी बनाए गए मानपुर सीओ के तबादले और सामाजिक कार्यकताओं पर दर्ज कथित झूठे मुकदमे वापस लेने की मांग उठाई गई है।

सभा को संबोधित करते हुए मोहम्मद गालिब ने कहा कि राजस्व कर्मचारी और अंचलाधिकारी के हड़ताल के बाद से जनता पहले ही परेशान है। लोगों को छोटे-छोटे काम के लिए दूर-दूर से प्रखंड और अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सही काम के लिए सिफारिश और पैसे की जरूरत पड़ना व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

उन्होंने कहा कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री से प्रतिनिधिमंडल मिलकर शिकायत करेगा तथा चरणबद्ध आंदोलन जारी रखा जाएगा। प्रदर्शन के दौरान अंचलाधिकारी के खिलाफ नारे लगाए गए हैं। इसके बाद में प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ वेद प्रकाश से मिलकर मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया है। इस मौके पर सिदेश्वर प्रजापत, महेंद्र यादव, मो. हारुन, मो. कलाम, संजय प्रजापत, मो. इस्माइल, रंजीत सिंह, किशोरी यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

रॉयल एनफील्ड ने क्लासिक 350 गोरखा एडिशन किया लांच

हावड़ा। रॉयल एनफील्ड ने भारत में क्लासिक 350 गोरखा एडिशन लांच किया है, जो गोरखा रेजिमेंट की विरासत, साहस और दृढ़ता को श्रद्धांजलि देता है। मोटरसाइकिल की कीमत 2,10,684 रू. (एक्स-शोरूम, नई दिल्ली) है और इसकी बुकिंग शुरू हो गई है। यह विशेष संस्करण विशिष्ट गोरखा ग्रीन रंग में आता है और इसमें प्रतिष्ठित क्रॉस्ड खुकरी का विशेष प्रतीक चिन्ह दिया गया है। इसमें क्लासिक 350 की सीधी राइडिंग पोजिशन और जे-सीरीज इंजन बरकरार रखा गया है, जबकि बेहतर सुविधा के लिए असिस्ट एंड स्लिपर क्लच और टाइप-उ वरइ फास्ट-चार्जिंग पोर्ट जोड़ा गया है।

रॉयल एनफील्ड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर यादविंदर सिंह गुलरिया ने कहा कि यह एडिशन उग्र बहादुरी, वफादारी और पूर्ण सम्मान की गोरखा सैन्य विरासत को श्रद्धांजलि है, जबकि गोरखा प्रतीक चिन्ह उन मूल्यों को दशार्ता है, जिन्हें रेजिमेंट ने पीढ़ियों से कायम रखा है।

लेफ्टिनेंट जनरल संजीव चौहान, एवीएसएम, एसएम, प्रेसिडेंट, गोरखा ब्रिगेड ने कहा कि गोरखा रेजिमेंट की ताकत पीढ़ियों से चले आ रहे साहस, अनुशासन और सम्मान पर टिकी है और मोटरसाइकिल को इसकी परंपराओं की गरिमापूर्ण स्वीकृति बताया। रॉयल एनफील्ड ने गोरखा कलेक्शन का भी अनावरण किया, जो एक विशेष परिधान और लाइफस्टाइल रेंज है।

पारिवारिक विवाद में चार बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

दिघवारा।थाना क्षेत्र के मलखाचक दलित टोला में गुरुवार की दोपहर पारिवारिक विवाद के बाद चार बच्चों की मां ने घर में पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान जीतेन्द्र कुमार साह की 29 वर्षीय पत्नी संध्या देवी के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलने पर दिघवारा पुलिस मौके पर पहुंची और पंखे से लटके शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया।थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि घटना को लेकर अभी तक प्राथमिकी के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिघवारा में पोल से टकराई बाइक,20 वर्षीय युवक की मौत

दिघवारा। छपरा-हाजीपुर एनएच-19 पर दिघवारा थाना क्षेत्र के अम्बेडकर चौक के समीप बुधवार की देर रात सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से बाइक टकराने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर पंचायत के वार्ड नंबर-4, सैदपुर मिचैर्या बाबा टोला निवासी राज कुमार राय के 20 वर्षीय पुत्र नवीन कुमार के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि नवीन अपने दोस्त की बाइक लेकर अपने ननिहाल दरियापुर थाना क्षेत्र के मानपुर गांव में आयोजित पूजा में शामिल होने गया था। पूजा में शामिल होने के बाद वह देर रात बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान अम्बेडकर चौक के समीप उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने घायल नवीन को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिघवारा पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मगध विश्वविद्यालय में मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बोधगया।मगध विश्वविद्यालय, बोधगया में संस्कार सृजन मंच के तत्वावधान में 20 अगस्त 2026 को मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक अभिरुचि एवं सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था।मेहंदी प्रतियोगिता में हिंदी विभाग की रानी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।एम बी ए विभाग की रिचा कुमारी एवं प्रेरणा कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त की एवं संस्कृत विभाग की सुषमा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. एकता वर्मा एवं डॉ. कविता कुमारी थीं, जबकि निर्णायक मंडली में डॉ. अलका मिश्रा एवं डॉ. शिप्रा सोलंकी शामिल थीं।

रंगोली प्रतियोगिता में जंतु विज्ञान विभाग की श्रुति शर्मा एवं काजल कुमारी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अंग्रेजी विभाग के सुमित कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि स्वाति सिंह एवं खुशबू कुमारी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया है। रंगोली प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. श्वेता गोयल एवं डॉ. वंदना कुमारी थीं। निर्णायक मंडली में डॉ. शगुन एवं डॉ. इफ्फत शामिल थीं।

इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. एकता वर्मा ने किया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.के. मंगलम एवं आइ क्यू ए सी समन्वयक प्रोफेसर मुकेश कुमार ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए हैं। संस्कार सृजन की समन्वयक डॉ. मीनाक्षी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, निर्णायकों, संयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में कुलसचिव डॉ. बी.के. मंगलम ने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक सोच विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि कला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के समग्र विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।

आइ क्यू ए सी समन्वयक प्रोफेसर मुकेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रस्तुत आकर्षक मेहंदी एवं रंगोली की कलाकृतियों ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

बाहाचौकी पंचायत में गंगा के बढ़ते जलस्तर से भय का माहौल, निचले इलाकों में घुसा पानी

धरहरा(मुंगेर)। धरहरा प्रखंड के बाहाचौकी पंचायत में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से छोड़े जा रहे पानी के कारण गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। बाहाचौकी पंचायत के मुख्य रूप से वार्ड संख्या 06 एवं 07 विशेष रूप प्रभावित होता है वही हेमजापुर पंचायत, शिवकुंड पंचायत में गंगा का पानी खेतों से होते हुए आबादी में घुसने का भय सताने लगा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि हर साल बाढ़ की स्थिति बनती है, लेकिन इस बार जलस्तर में अचानक तेजी से वृद्धि हुई है। किसानों की सैकड़ों एकड़ में लगी मक्का, धान और सब्जी की फसलें डूबने लगी हैं। पशुओं के लिए चारे का संकट गहराने लगा है। कई परिवार अपने मवेशियों के साथ ऊंचे स्थानों और बांध पर शरण लेने लगे हैं। प्रशासन की ओर से बाढ़ चौकियों को अलर्ट पर रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगेर जिले में गंगा खतरे के निशान से कुछ सेंटीमीटर नीचे बह रही है गंगा, लेकिन धरहरा प्रखंड के हेमजापुर, बाहाचौकी और शिवकुंड पंचायत गंगा किनारे रहने से सबसे अधिक प्रभावित हैं। स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। पानी जमा होने से कीड़े-मकोड़े और जहरीले जीवों के घरों में घुसने का डर सता रहा है।

टॉप 500 जेईई-नीट छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और 2.5 करोड़ तक कैश प्राइज जीतने का मौका

मालदा। फिजिक्सवाला पीडब्लूएनएसएटी 2026 जेईई-नीट की तैयारी करने वाले टॉप 500 छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल, 2.5 करोड़ रूपए तक के कैश प्राइज का मौका दे रहा है। यह फिजिक्सवाला की हर साल होने वाली स्कॉलरशिप पहल है, जिसका मकसद जेईई और नीट की तैयारी करने वाले छात्रों को सपोर्ट करना है। रजिस्ट्रेशन बिल्कुल मुफ्त है और कक्षा 5वीं से 11वीं तक के छात्रों के साथ-साथ कक्षा 11वीं पास कर चुके छात्र भी इसमें शामिल हो सकते हैं। यह सुविधा पीसीएल और पीसीबी, दोनों स्ट्रीम के छात्रों के लिए है। इस साल के पीडब्लूएनएसएटी के जरिए योग्य छात्रों को 100% तक ट्यूशन फीस की स्कॉलरशिप मिल सकती है और वे 2.5 करोड़ रू. तक के कैश प्राइज जीत सकते हैं। इसके अलावा, स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत टॉप 500 योग्य छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल की सुविधा भी दी जाएगी। पीडब्लूएनएसएटी 2026 ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसमें हिस्सा ले सकें। ऑनलाइन परीक्षा देने वाले छात्र 1 से 15 अक्टूबर 2026 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफलाइन परीक्षा 3, 4, 10 और 11 अक्टूबर 2026 को देशभर के पीडब्लू विद्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटरों में आयोजित की जाएगी। रिजल्ट की घोषणा बाद में की जाएगी।

कुशल युवा कार्यक्रम का संचालन अब होगा सरकारी संस्थानों से

पटना।कुशल युवा कार्यक्रम के संचालन को लेकर कुछ केन्द्र संचालकों द्वारा भ्रम की स्थिति फैलाए जाने पर युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है। विभाग ने कहा है कि कार्यक्रम का संचालन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), प्रखंड कौशल विकास केन्द्रों, प्रखंड स्तरीय राजकीय महाविद्यालयों तथा अन्य सरकारी संस्थानों की उपलब्ध अवसंरचना एवं संसाधनों के माध्यम से किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार के युवाओं को उद्योगों की वर्तमान जरूरतों और बाजार में मांग के अनुरूप आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इसके तहत नई तकनीक और अधिक मांग वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।मांग वाले क्षेत्रों में मिलेगा प्रशिक्षणयुवाओं को सोलर, ड्रोन तकनीक, नेटवर्किंग, होम नर्सिंग, मल्टी-स्किल्ड वर्कर, लैब टेक्नीशियन, इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी), ब्यूटी एवं वेलनेस, बेकरी, इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी और डिजिटल मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके साथ ही बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, टैली, विदेशी भाषा और उद्यमिता से जुड़े प्रशिक्षण भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगे। विभाग का मानना है कि इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण से युवाओं को बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप दक्षता हासिल करने और रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।विभाग ने बताया कि इस प्रक्रिया में पूर्व में नवीनीकरण योग्य पाए गए कौशल विकास केन्द्रों के संचालकों एवं एजेंसियों को चयन की पात्रता निर्धारित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी।कुशल युवा कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को सीधे तौर पर कौशल और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर है।

प्रशिक्षण प्राप्त युवा नौकरी हासिल करने के साथ अपना उद्यम शुरू कर सकेंगे और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करने में सक्षम होंगे।

मांझी में पांच साल से जलजमाव सड़क बंद रहने से लोग परेशान

प्रात: किरण संवाददाता

मांझी, सारण। मांझी नगर पंचायत क्षेत्र में जलजमाव की समस्या को लेकर लोगों में आक्रोश है। मुख्य पार्षद विजया देवी एवं कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राहुल गुप्ता ने मोर्चा खोल दिया है।

दीघा पोखरा के समीप जलजमाव से प्रभावित लोगों से मुलाकात के बाद श्री गुप्ता ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर माली टोला को हसन अली बाजार से जोड़ने वाली सड़क को चालू नहीं कराया गया तो जन आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पिछले लगभग पांच वर्षों से इस सड़क पर जलजमाव बना हुआ है। कई घरों में अब भी पानी घुसा हुआ है, जिससे लोग छतों पर शरण लेने को मजबूर हैं। जलजमाव के कारण दर्जनों एकड़ उपजाऊ भूमि पर किसान पांच साल से सब्जी की खेती नहीं कर पा रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में भी रोष है।

इधर अधिवक्ता बसंत कुमार डब्ल्यू की शिकायत के आलोक में कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया ने गुरुवार को सारण के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) को पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने एक सप्ताह के भीतर दीघा पोखरा के जलजमाव का तात्कालिक निदान कर उक्त सड़क को चालू कराने का आश्वासन दिया है।

बीएफसीआरआई मुंगेर में पार्थेनियम का समेकित प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

■ जागरूकता सप्ताह के तहत विद्यार्थियों को बताए गए नियंत्रण के उपाय

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह 16 से 22 अगस्त के तहत बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान, मुंगेर के सेमिनार हॉल में पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस का समेकित प्रबंधनह्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पार्थेनियम के दुष्प्रभावों, पहचान, प्रसार और इसके समेकित प्रबंधन के उपायों से अवगत कराना था। पार्थेनियम एक आक्रामक खरपतवार है जो कृषि, वानिकी के साथ मानव और पशु स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाता है।कार्यक्रम के संरक्षक डॉ. अनिल पासवान, अधिष्ठाता, रहे। संयोजक डॉ. उमाकांत सिंह थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव धनंजय कुमार, अजित कुमार मंडल और सह-संयोजक डॉ. कलमेश मंगनवी की अहम भूमिका रही। वहीं सह-आयोजन सचिव किस्टो कुमार, प्रियंका और अर्पणा पाण्डेय ने भी समन्वय में सहयोग किया। तकनीकी सत्र में विद्यार्थियों को पार्थेनियम का इतिहास, उत्पत्ति, पहचान, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान तथा यांत्रिक, जैविक और अन्य नियंत्रण विधियों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि फूल-बीज बनने से पहले उन्मूलन और नियमित निगरानी से इसके प्रसार को रोका जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने पार्थेनियम नियंत्रण में सामुदायिक जागरूकता की भूमिका को समझा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विभीषण की शरणागति से शुरू हुआ रावण का दुर्दिन : विधाभूषण जी महाराज

प्रात: किरण संवाददाता

इसुआपुर । प्रखंड के इसुआपुर गांव स्थित जहरी माता के परिसर में सुन्दर कांड पाठ के 12 वें साल के समापन पर आध्यात्मिक मंच से प्रवचन करते हुए संत विधा भूषण जी महाराज ने कहा कि रामचरितमानस के सुंदरकांड में विभीषण शरणागति का महत्वपूर्ण प्रसंग आता है। रावण जब मंत्रियों से युद्ध में विजय का उपाय पूछता है, तभी विभीषण सभा में पहुंचकर सीता को भगवान श्रीराम को लौटाने की सलाह देते हैं। नीति की बात रावण को नागवार गुजरती है और वह क्रोधित होकर विभीषण को लात मारकर सभा से निकाल देता है। विभीषण लंका छोड़कर भगवान श्रीराम की शरण में पहुंचते हैं। श्रीराम उन्हें लंकेश कहकर संबोधित करते हैं और उनकी शरणागति स्वीकार करते हैं। विभीषण के लंका छोड़ते ही रावण का दुर्दिन शुरू हो जाता है। प्रसंग का संदेश है कि जिस सभा में संत और नीति की बात कहने वाले व्यक्ति का अपमान होता है, वहां विनाश का मार्ग खुल जाता है।

वहीं, सच्चे मन से ईश्वर की शरण में जाने वाले व्यक्ति को भगवान सम्मान और संरक्षण प्रदान करते हैं। तुलसीदास जी ने लिखा है– जरत बिभीषन राखेउ राजा। दीन्हेउ राजु अखंड समाजा। यह प्रसंग अहंकार और अधर्म छोड़कर सत्य तथा ईश्वर की शरण ग्रहण करने की प्रेरणा देता है।

आईसीआईसीआई प्रू लाइफ ने लांच किया इंडेक्स फंड

दुगार्पुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड लांच किया है। यह एक नया वैल्यू-प्लस-मोमेंटम निवेश विकल्प है, जो चुनिंदा यूनिट-लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के माध्यम से ग्राहकों को दीर्घकालिक इक्विटी अवसरों तक पहुंच प्रदान करता है। यह फंड नियमों पर आधारित निवेश रणनीति के जरिए बीएसई 500 यूनिवर्स से चुनी गई 50 कंपनियों के एक विविध बास्केट में निवेश का अवसर देगा। यह आकर्षक वैल्यूएशन के साथ सकारात्मक मूल्य गति (प्राइस मोमेंटम) को जोड़ता है और बदलते बाजार वैल्यूएशन व रुझानों के अनुरूप हर तिमाही में इसकी समीक्षा की जाएगी।कंपनी के मुख्य निवेश अधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि बीएसई 500 मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड को ग्राहकों को एक अनुशासित और पारदर्शी निवेश रणनीति तक पहुंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो दो महत्वपूर्ण निवेश कारकों–वैल्यू और मोमेंटम–को एक साथ लाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह रणनीति एक व्यवस्थित दृष्टिकोण का पालन करती है।

गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष में कलश वितरण किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर नगर के अंतर्गत बृहस्पतिवारको संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य पर भाजपा पटना जिला ग्रामीण द्वारा कलश वितरण कार्यक्रम का आयोजन तकियापुर, में किया गया। जिला अध्यक्ष रजनीश कुमार के अध्यक्षता में कलश वितरण करते हुए सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने जात-पात और भेदभाव को मिटाकर मन की पवित्रता पर जोर दिया। भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो संतों-महापुरुषों के आदर्शों को धरातल पर उतार रही है। यह कलश हमारी सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगा। विधान पार्षद निवेदिता सिंह ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को समता, समानता और समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सभी मंडल अध्यक्षों को वाराणसी की पुण्य भूमि से लाए गए पवित्र कलश का वितरण किया गया। जो सभी मंडलों में शक्ति केंद्रों, सार्वजनिक स्थलों, तीर्थ स्थलों, मंदिरों एवं मठों में विधि-विधान से स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सह प्रभारी रविन्द्र रंजन, राज कुमार शर्मा, कन्हैया मालाकार, ब्रजेश सिंह, अजीत यादव, संजय यादव, विजय भोटी, तेजनारायण शर्मा, पार्षद राजेश शर्मा सहित मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता काफी संख्या में उपस्थित थे।

बिहार सरकार

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालयः निदेशक, राजगीर जू सफारी, नालन्दा

पता :– प्रशासनिक भवन, राजगीर जू सफारी, राजगीर–803116
Email ID: rajgirzoosafari@gmail.com

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजगीर जू सफारी में उपयोग हो रहे सफारी ट्रेवलर बसों के पुराने टायरों की बिक्री टायरों की उपलब्ध पर आम निलामी द्वारा पूर्वाह्न 11:00 बजे की जायेगी। अपरिहार्य कारण से निलामी नहीं होने अथवा निलामी दिवस पर अवकाश घोशित हो जाने से आम निलामी अगले सोमवार के कार्य दिवस पर की जायेगी। निलामी से संबंधित आवश्यक दिशा–निर्देश एवं निर्धारित शर्तों की जानकारी निलामी स्थल पर दी जायेगी। निलामी से संबंधित अन्य जानकारी 9006283870 से प्राप्त की जा सकती है।

निलामी से संबंधित विवरणी निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	निलामी की जाने वाली सामग्री।	निलामी स्थल।	निलामी की तिथि।	निलामी में भाग लेने हेतु आवश्यक दस्तावेज
1	सफारी बसों के पुराने एवं रद्यी टायर।	राजगीर जू सफारी अन्तर्गत बस शेड़ परिसर में।	24.08.2026 31.08.2026 7.09.2026	निलामी मे भाग लेने हेतु क्रेता के पास आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं गेट मनी के तौर पर 2000/–रू0 मात्र कैश।

निदेशक,
राजगीर जू सफारी, नालन्दा

विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।
PR. No.010271 (Forest) 2026-27

नशे से बनानी दूरी है, क्योंकि परिवार जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

बीस सूत्री की समीक्षा बैठक में सांसद मीसा भारती पहुंची

दानापुर । नगर के अंतर्गत प्रखंड सभागार में गुरुवार को बीस सूत्री की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में पहुंची सांसद डॉ मीसा भारती ने कहा कि बैठक वैसे ठीक ठाक रहा। लेकिन बैठक में अगर सभी पदाधिकारी नहीं आते हैं, ऐसे में कैसे कार्यों की समीक्षा होगी।जनता के कल्याणकारी योजनाएं जनता तक पहुंची की नहीं, कैसे पता चलेगा।अगली बैठक में सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। सांसद ने कहा दियारा और ग्रामीण इलाके की अपनी अपनी समस्या है। दियारा वासियों के लिए जहाज परिचालन पर कहा कि पिछली बार भी जहाज चला था। इस बार जहाज परिचालन के उद्घाटन पर लाखों रूपए खर्च किया गया। लेकिन दियारा में जहाज से उतरने के लिए एक अच्छा घाट तक नहीं बनाया गया। जबकि जहाज, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी आते जाते हैं। कहा कि विद्यालयों में रंग रोगन पर के जगह सरकार पुस्तकालय, शौचालय समेत और जरूरत के काम करती तो अच्छा होता। बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह किया। संचालन बीडीओ ने किया। बैठक में प्रखंड प्रमुख वंदना राय,सीओ दिलीप कुमार गुप्ता समेत मुखिया और पंचायत समिति सदस्य थे।

सीवान में युवा शक्ति संपर्क अभियान में प्रदेश अध्यक्ष का विधायक व्यास सिंह ने किया स्वागत

सीवान । भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह के सीवान आगमन पर युवा शक्ति संपर्क अभियान के तहत तुलसी वाटिका में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, दारौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की।इस दौरान विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्यकताओं में उत्साह और जोश देखने को मिला।

रविदास जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा

सीवान/दरौंदा संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को दरौंदा प्रखंड क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। शेरही पंचायत के शेरही गांव में श्रद्धा और उत्साह के साथ कलश यात्रा शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।कार्यक्रम में अनु कुमारी, विजयंती देवी, रेखा देवी, लाल बाबू राम, कुसुम देवी, वीर बहादुर राम, अजय सम्राट, ललित राम, द्वारिका राम, राजकुमारी देवी और लाली देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने संत रविदास के आदर्शों को अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पुलिस पदाधिकारी को दंडाधिकारी बनाने का फैसला वापस ले सरकार : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने भाजपा की सरकार बिहार में पुलिस राज कायम करना चाहती है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पुलिस पदाधिकारियों को दंडाधिकारी बनाने के फैसले का कड़ा विरोध करती है और मुख्यमंत्री से इस जन विरोधी और पुलिस राज कायम करने वाले फैसले को वापस लेने की मांग करती है।भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि बिहार सरकार के गृह विभाग ने अपने एक नये आदेश में आई.जी., डी.आई.जी., एस.एस.पी. तथा एस.पी. रैंक के पुलिस अधिकारियों को विशेष कार्यपालक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान कर दी है। यह व्यवस्था बिहार में पहली बार की गई है। अब पुलिस अधिकारी ऑन-द-स्पॉट स्वयं एक ही साथ पुलिस और दण्डाधिकारी की भूमिका में रहेंगे। यह एक तरह से पुलिस राज की शुरूआत है। विपक्षी राजनीतिक कार्रवाईयों को कुचलने तथा विरोध एवं असहमति की आवाज को दबाने की यह साजिश है। लगता है सरकार जन आक्रोश से डर गई है और घबराहट में यह कदम उठाया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार राज्य परिषद बिहार सरकार के इस आदेश की तीखी भ्रत्सना करती है और इस आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग करती है।

जनशिकायतों के ससमय एवं पूर्ण निष्पादन के लिए प्रभावी ट्रैकिंग मैकेनिज्म विकसित करें: प्रधान सचिव

गृह विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने संभाला पद,किया विभागीय कार्यों की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। गृह विभाग में प्रधान सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह विभाग के कार्यों, विभिन्न प्रशाखाओं एवं निदेशालयों की कार्यप्रणाली तथा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान गृह विभाग के विशेष सचिव अनिल कुमार चौधरी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की विभिन्न प्रशाखाओं एवं निदेशालयों के कार्यों तथा दायित्वों की जानकारी दी। बैठक में अधिकारियों को निदेश देते हुए प्रधान सचिव ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि जनशिकायतों एवं आमजनों द्वारा दिए गए आवेदन-पत्रों के ससमय एवं पूर्ण निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी ट्रैकिंग सिस्टम/मैकेनिज्म विकसित किया जाए। प्राप्त आवेदन-पत्रों एवं जनशिकायतों के निष्पादन की नियमित रूप से निगरानी की जाए तथा प्रत्येक आवेदन की स्थिति को ट्रैक करने की समुचित व्यवस्था हो। इससे लंबित मामलों की पहचान कर उनके समयबद्ध निष्पादन में सुविधा होगी तथा आमजनों को बेहतर एवं जवाबदेह प्रशासनिक सेवा उपलब्ध कराई जा सकेगी। गौरतलब है कि बुधवार को गृह विभाग में प्रधान सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद पंकज कुमार ने गुरुवार को पहली बार समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में गृह विभाग के विशेष सचिव क्षत्रनील सिंह, अपर सचिव कुंदन कुमार, संयुक्त सचिव कमल नयन, विशेष कार्य पदाधिकारी आदित्य कुमार झा सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए 24 से 27 अगस्त तक एफबीएनसी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नवजात शिशु देखभाल सेवाओं को और सुदृढ़ करने तथा स्वास्थ्यकर्मियों की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम बैच 24 से 27 अगस्त 2026 तक पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (ढटउऌ), पटना के शिशु रोग विभाग में आयोजित किया जाएगा। इसमें कार्यरत शिशु रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्टाफ नर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा।इस प्रशिक्षण के माध्यम से नवजात शिशुओं की देखभाल, गंभीर नवजातों के उपचार तथा संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत मानव संसाधन की तकनीकी दक्षता एवं कार्यकुशलता को मजबूत किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान नवजात शिशुओं में उत्पन्न होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान, आवश्यक उपचार एवं उचित प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही, नवजात देखभाल इकाइयों में संक्रमण की रोकथाम, सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार तथा टीम आधारित देखभाल की कार्यप्रणाली को भी मजबूत किया जाएगा।प्रशिक्षण का उद्देश्य नवजात शिशुओं को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना तथा गंभीर स्थिति वाले नवजातों की देखभाल के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक तकनीकी कौशल से लैस करना है। इससे नवजात शिशु देखभाल इकाइयों में उपलब्ध सेवाओं का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने कहा कि नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जन्म के बाद शुरूआती समय नवजात के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए आवश्यक है। कि रठउव, ठक्ळव और टठउव जैसी इकाइयों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी आधुनिक एवं मानक प्रोटोकॉल के अनुरूप सेवाएं प्रदान करने में पूरी तरह दक्ष हों।प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता को और मजबूत किया जाएगा, ताकि राज्य में प्रत्येक बीमार नवजात को समय पर गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित उपचार मिल सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवजात एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध मानव संसाधन के निरंतर क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों को नवीनतम तकनीकी जानकारी दी जाएगी।

हाईकोर्ट के फैसले से बिक्रम खोरैठा के 32 भू-स्वामियों में जगी मुआवजे की उम्मीद

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम : गोपाल विद्यार्थी. एनएच-98 के चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहित खोरैथा गांव की जमीन के मुआवजा निर्धारण को लेकर लंबे समय से न्याय की आस लगाए किसानों को पटना हाईकोर्ट के फैसले से बड़ी राहत मिली है। पटना हाईकोर्ट ने गीता देवी एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में 32 भू-स्वामियों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए 17 नवंबर 2016 को पारित मुआवजा निर्धारण आदेश को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति खातीम रेजा की अदालत ने माना कि मुआवजा निर्धारित करने से पहले संबंधित भू-स्वामियों से दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए धारा 3जी(3) के तहत दो स्थानीय समाचार-पत्रों में सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करना अनिवार्य था। लेकिन मामले की सुनवाई के दौरान ऐसी सूचना प्रकाशित किए जाने का कोई प्रमाण रिकॉर्ड पर नहीं मिला। इसे अदालत ने अनिवार्य प्रक्रिया का अनुपालन नहीं माना। अदालत ने 32 भू-स्वामियों को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपनी आपत्तियां और मुआवजे से संबंधित दावे दाखिल करने की स्वतंत्रता दी है। साथ ही सक्षम प्राधिकारी को भू-स्वामियों को सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद कानून के अनुसार नया अवार्ड पारित करने का निर्देश दिया है। इस पूरी प्रक्रिया को अधिमानतः तीन माह के भीतर पूरा करने को कहा गया है।भू-स्वामियों का कहना है कि पूर्व में भू-अर्जन की प्रक्रिया के दौरान खोरैथा की जमीन को कृषि आधारित ग्रामीण क्षेत्र मानते हुए मुआवजा निर्धारित किया गया था। नियमानुसार उन्हें जमीन के सरकारी दर के आधार पर दोगुना मुआवजा दिए जाने की बात कही गई थी, लेकिन किसानों का आरोप है कि उन्हें अपेक्षित दोगुना मुआवजा नहीं मिला। किसानों का यह भी दावा है कि एनएच के लिए अधिग्रहित जमीन शहरी क्षेत्र में आती है।

नवपदस्थापित डीएम ने अधिकारियों के साथ की परिचयात्मक बैठक, दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। प्रभार ग्रहण की औपचारिकता पूरी होने के बाद गुरुवार को समाहरणालय सभागार में नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा एवं निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की उपस्थिति में जिले के वरीय पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने क्रमशः अपना परिचय देते हुए अपने-अपने विभाग के दायित्वों तथा जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं और कार्यों की जानकारी नवपदस्थापित जिलाधिकारी को दी।

इस दौरान निवर्तमान जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने भोजपुर की प्रशासनिक व्यवस्था, प्रमुख विकास कार्यों एवं जिले की प्राथमिकताओं से संबंधित आवश्यक जानकारी भी साझा की।नवपदस्थापित जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने अधिकारियों को आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता आम नागरिकों को प्रभावी, पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराना है। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के साथ-साथ आम लोगों की समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान अधिकारियों ने नए जिलाधिकारी को जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नए एसपी अवधेश दीक्षित ने संभाला पदभार

आरा। भोजपुर जिले मे नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित (आईपीएस) ने गुरुवार को विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने जिला पुलिस बल के अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की आंतरिक सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली। उन्होंने जिले की वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा पुलिस की कार्यप्रणाली से संबंधित मामलों की समीक्षा की। नए पुलिस अधीक्षक के पदभार ग्रहण करने के बाद जिला पुलिस महकमे में भी नई कार्यशैली को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं। अधिकारियों के साथ बैठक में जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा विधि-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर प्रभावी निगरानी रखने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने अधिकारियों को जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ कार्य करने का संदेश दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने तथा किसी भी चुनौती से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा।पदभार ग्रहण के साथ ही भोजपुर पुलिस के नेतृत्व में बदलाव हुआ है। अब नए एसपी के नेतृत्व में जिले में अपराध नियंत्रण, आंतरिक सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस की आगे की रणनीति पर लोगों की नजर रहेगी।

नए एसपी ने पहले दिन पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का किया निरीक्षण

आरा।नए एसपी अवधेश दीक्षित ने पदभार ग्रहण करने के बाद गुरुवार को पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली को करीब से समझने के साथ विभिन्न शाखाओं में संचालित कार्यों की जानकारी ली। एसपी ने निरीक्षण के क्रम में कंट्रोल रूम सहित पुलिस कार्यालय की सभी प्रमुख शाखाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से शाखाओं में किए जा रहे कार्यों, अभिलेखों के रख-रखाव और कार्यों के निष्पादन की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों के त्वरित, सुचारू एवं प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में तत्परता बरतने तथा जिम्मेदारियों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। एसपी ने पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के बेहतर समन्वय और कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखने को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इस निरीक्षण को पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने की अपेक्षा जताई।

रामचरितमानस की प्रासंगिकता विषय पर कार्यक्रम

आरा। महंथ महादेवानंद महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा तुलसी जयंती के उपलक्ष्य में ह्य वर्तमान जीवन में रामचरितमानस की प्रासंगिकता विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तुलसीदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ . नरेंद्र प्रताप पालित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने रामचरितमानस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए राम के आदर्श व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हर घर में रामायण की प्रति रखने एवं राम को समझने पर बल दिया। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अंजू कुमारी ने तुलसी की स्त्री दृष्टि एवं रामायण में सीता के व्यक्तित्व व उस समय की परिस्थितियों एवं परिवेश पर चर्चा की। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा निकेतन रंजनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राम का पूरा जीवन को दुःख का जीवन है फिर भी राम में धैर्य, आदर्श और मयार्दा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने तुलसी रामायण और बाल्मीकि रामायण दोनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया। विभाग की छात्राओं में सिमरन कुमारी, अंजली कुमारी, खुशी कुमारी, सुनिधि कुमारी, प्राची प्रिया, जूही कुमारी, किरण कुमारी, अदिति कुमारी , राजश्री कुमारी ने इस विषय पर विस्तार से अपने विचार रखे। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रीति कुमारी ने मंच संचालन करते हुए अंत में प्राचार्य, शिक्षक ,शिक्षकेत्तर कर्मी ,मीडियाकर्मी एवं छात्राओं सभी का धन्यवाद ज्ञापन भी किया।

कुटुंबा, औरंगाबाद में गांधी के सत्य, सदाचार और सादगी पर आधारित होगी, प्रखंड अध्यक्षों की दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रखंड अध्यक्षों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा में 21 और 22 अगस्त को आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। इस प्रशिक्षण शिविर में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम उपस्थित रहेंगे। प्रखंड अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के बाबत बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने कहा कि औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा में 20 जिलों के प्रखंड अध्यक्षों का राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, सदाचार और सादगी पर आधारित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम उपस्थित रहेंगे। प्रो. रंजीत कुमार मिश्र के देखरेख में प्रशिक्षण शिविर संचालित होगी।संगठन को गांव, पंचायत तथा बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी लगातार संगठन सृजन अभियान के तहत चयनित प्रखंड अध्यक्षों को प्रशिक्षित कर रही है। इस प्रशिक्षण शिविर में दो दिवसीय आवासीय व्यवस्था के तहत दैनिक दिनचर्या आधारित सत्रों का संचालन होता है जिसमें कांग्रेस के इतिहास से लेकर उसकी देश के मजबूती में उपलब्धियों से लेकर आगामी रणनीतियों से अवगत कराते हुए जमीनी स्तर के कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही इसमें प्रशिक्षुओं को विभिन्न सत्रों में तकनीकी जानकारी के साथ मनोरंजन सत्र का भी आयोजन किया जाता है।

खरीफ मौसम के लिए फसल सहायता योजना के कार्यान्वयन की मिली स्वीकृति

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।राज्य सरकार द्वारा आज वर्ष 2026 खरीफ मौसम के लिए बिहार राज्य फसल सहायता योजना के कार्यान्वयन की स्वीकृति दी गई है। इस योजनान्तर्गत सभी प्रक्रियाएँ पूर्व की तरह ऑनलाइन हैं। खरीफ 2026 मौसम के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गयी है।

विदित है कि यह योजना पूरी तरह से राज्य सरकार की निधि से संचालित की जा रही है। खरीफ मौसम में अगहनी धान, भदई मकई, सोयाबीन, अगहनी आलू, अगहनी बैंगन, अगहनी टमाटर, अगहनी, गोभी एवं मखाना फसलों को आच्छादित किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विपरीत मौसम अथवा अन्य कारणों से फसल की क्षति होने पर किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराना है। यह योजना निःशुल्क है। इसके लिए किसानों द्वारा कोई प्रीमियम की राशि देय नहीं है।

खरीफ 2026 मौसम के लिए राज्य के सभी 38 जिलों में अगहनी धान फसल एवं राज्य के चिन्हित 25 जिलों में भदई मकई फसल पंचायत स्तरीय फसल के रूप में तथा सोयाबीन 03 जिलों में, अगहनी आलू 14 जिलों में, अगहनी बैंगन 15 जिलों में, अगहनी टमाटर 12 जिलों में, अगहनी गोभी 14 जिलों में एवं मखाना 10 जिलों में जिला स्तरीय फसल के रूप में अधिसूचित किया गया है। कृषि विभाग, बिहार के डी.बी.टी. पोर्टल पर निबंधित राज्य के रैयत श्रेणी, गैर-रैयत श्रेणी एवं आंशिक रूप से रैयत तथा गैर-रैयत श्रेणी के इच्छुक किसान, जो इस योजना का लाभ लेना चाहते हैं।

आवेदन कर सकते हैं। संबंधित जिला में अवस्थित नगर पंचायत एवं नगर परिषद् भी उक्त फसल हेतु अधिसूचित हैं। फसलवार अधिसूचित जिलों का नाम विभागीय वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार देने के लक्ष्य पर बढ़ी रफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में अपनी महत्वाकांक्षी योजना को गति दे दी है। राज्य सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी लक्ष्य के तहत युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग द्वारा रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। विभाग के अनुसार, नवंबर से अब तक 1.16 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा चुका है। युवाओं को उनकी योग्यता, कौशल और रुचि के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार मेलों, जॉब फेयर और ऑनलाइन माध्यमों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में पटना स्थित ज्ञान भवन में 19 से 23 अगस्त तक पांच दिवसीय मेगा जॉब फेयर-2026 का आयोजन किया जा रहा है। विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद और सचिव डॉ. कौशल किशोर ने दीप प्रज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। मेले के पहले और दूसरे दिन करीब 12900 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 6180 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। पांच दिनों तक चलने वाले इस रोजगार मेले में बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल सहित विभिन्न क्षेत्रों की 100 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। कंपनियां बिहार के युवाओं के लिए 20 हजार से अधिक रोजगार के अवसर लेकर पहुंची हैं। विभाग ने युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए वर्ष में छह बार रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य रखा है। मेगा जॉब फेयर के साथ-साथ ऑनलाइन जॉब फेयर आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले युवाओं को भी कंपनियों तक पहुंचने का अवसर मिल सके।

विभाग का मानना है कि ऑनलाइन माध्यम से नियोजकों और अभ्यर्थियों के बीच की दूरी कम होगी तथा युवाओं को उनकी शिक्षा, अभिरुचि और कार्यक्षेत्र के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।रोजगार और स्वरोजगार के लिए विभाग द्वारा तैयार डीईडीटी पोर्टल को भी युवाओं की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। विभाग के अनुसार, नवंबर से अब तक 1.20 लाख से अधिक युवाओं ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। इसका उद्देश्य युवाओं और नियोजकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना ।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में बिहार के प्रथम सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस का शुभारंभ

■ प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. शामिका रवि ने कुलपति के नेतृत्व और पहल की सराहना की

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में गुरुवार को बिहार के प्रथम सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस का विधिवत शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह में नीति-निर्माण, शहरी विकास, प्रशासन, शिक्षा और शोध के क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि, विशेषज्ञ, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने शहरीकरण से जुड़ी समकालीन चुनौतियों पर अकादमिक विमर्श को एक नया आयाम दिया तथा विश्वविद्यालय, सरकार और शोध संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाओं को मजबूत किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. शामिका रवि थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. राजभूषण चौधरी तथा सांसद शशांभवी चौधरी उपस्थित रहीं। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) शरद कुमार यादव ने कहा कि सेंटर फॉर अर्बन पॉलिसी एंड गवर्नेंस की स्थापना केवल एक नए अकादमिक केंद्र का शुभारंभ नहीं है, बल्कि भारत के तेजी से बदलते शहरी परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों पर शोध, संवाद और नीति-विमर्श के लिए एक समर्पित मंच का निर्माण है। उन्होंने कहा कि भारत में शहरीकरण की गति लगातार बढ़ रही है और इसके साथ शहरों के सामने अनेक नई चुनौतियां उभर रही हैं। आवास, परिवहन, जलापूर्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आधारभूत संरचना, सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोजगार, तकनीक, सामाजिक समावेशन और जलवायु-लचीलापन जैसे विषय आज शहरी नीति के केंद्र में हैं।कुलपति ने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान किसी एक विषय या क्षेत्र के सीमित दृष्टिकोण से संभव नहीं है। इसके लिए अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, पर्यावरण अध्ययन, इंजीनियरिंग, प्रशासन, सार्वजनिक नीति, डेटा विज्ञान और अन्य विषयों के बीच समन्वित एवं बहुविषयक दृष्टिकोण आवश्यक है। सेंटर का उद्देश्य इसी दृष्टिकोण को संस्थागत रूप देना है, ताकि शहरी समस्याओं को उनके सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और प्रशासनिक संदर्भों में समझा जा सके तथा उनके लिए प्रमाण-आधारित और व्यावहारिक समाधान विकसित किए जा सकें।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि सेंटर शोध, नीति और व्यावहारिक शासन के बीच एक प्रभावी सेतु के रूप में कार्य करे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों और शोधकताओं को वास्तविक शहरी समस्याओं, स्थानीय संस्थाओं, समुदायों और उपलब्ध आंकड़ों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। इससे अकादमिक ज्ञान को जमीनी वास्तविकताओं से जोड़ने में मदद मिलेगी और युवा शोधकताओं को नीति निर्माण की प्रक्रियाओं को करीब से समझने का अवसर प्राप्त होगा।

राज्य में निर्मित उत्पादों को सरकार देगी प्राथमिकता

पटना।औद्योगिक विकास किसी भी राज्य को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में उद्योगों को सशक्त करने के लिए उद्यमियों, युवाओं तथा स्थानीय उत्पादकों के हित में महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय लिए हैं। प्रदेश में निर्मित उत्पादों की खरीद को सरकार अब अपनी खरीद में प्राथमिकता देगी। मुख्यमंत्री का मानना है कि बिहार में निर्मित कुल उत्पादों का कम से कम 30 प्रतिशत खपत बिहार में ही हो। साथ ही, यहां स्थानीय उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने में भी सहयोग करेगी। बिहार सरकार राज्य आधारित वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों और उद्यमियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐसा कर रही है। सरकार की यह पहल ह्यमेक इन बिहारह्ण, इन्वेस्ट इन बिहार और ह्यबिहार फर्स्ट की भावना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496